यूपी के करीब 6000 मजदूर इजराइल... 12

राष्ट्रीय शिखर

खबरों की स्वतंत्रता

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र गौतमबुद्धनगर, नई दिल्ली, देहरादून और लखनऊ से एक साथ प्रसारित

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

वर्ष - 02, अंक - 03 | गाजियाबाद / मंगलवार 07 अप्रैल 2026 | PRGI No. - UPHIN/25/A0086 | पृष्ठ -12, मूल्य - 04 रूपए

सलमान खान के साथ नयनतारा... 11

नारी शक्ति वंदन बिल में होगा संशोधन: मोदी

बरपेटा (एजेंसी)। असम विधानसभा चुनाव के अंतिम चरण में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि भाजपा जो कहती है, उसे करके दिखाती है। उन्होंने इस बात पर भी भरोसा जताया कि इस बार असम में भाजपा-एनडीए की हैट्रिक निश्चित है। वे सोमवार को असम के बरपेटा में जनसभा को संबोधित कर रहे थे। प्रधानमंत्री ने महिला आरक्षण बिल पर भी चर्चा की और कहा कि सरकार ने 16 अप्रैल से शुरू होने वाले संसद के विशेष सत्र में इसे पेश किया जाएगा। उन्होंने कहा कि हमने सभी राजनीतिक दलों से इस पर चर्चा की है और उनसे अनुरोध किया है कि वे देश की बहनों और बेटियों के अधिकारों से जुड़े इस काम को सर्वसम्मति से आगे बढ़ाएं। किसी भी राज्य को इससे नुकसान नहीं होगा, चाहे वह पूर्वोत्तर हो या दक्षिण भारत। महिलाओं के लिए अतिरिक्त सीटें देने की व्यवस्था की जा रही है। पीएम मोदी ने विशेष रूप से असम की महिलाओं से अपील की कि वे सभी राजनीतिक दलों के नेताओं से मिलकर इस कानून के पारित होने का आग्रह करें। यह सिर्फ असम ही नहीं बल्कि पूरे देश के लिए फायदेमंद होगा जिससे महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण मिल सके।

“ सरकार ने 16 अप्रैल से शुरू होने वाले संसद के विशेष सत्र में इसे पेश किया जाएगा। हमने सभी राजनीतिक दलों से इस पर चर्चा की है और उनसे अनुरोध किया है कि वे देश की बहनों और बेटियों के अधिकारों से जुड़े इस काम को सर्वसम्मति से आगे बढ़ाएं।

होर्मुज न खोला तो ईरान के बिजली केन्द्र और पुल तबाह होंगे: ट्रंप

वॉशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप होर्मुज स्ट्रेट खोलने के लिए एक बार फिर ईरान को अल्टीमेटम दे दिया। मंगलवार तक की चेतावनी जारी करते हुए ट्रंप ने कहा कि यदि ईंरान ने ‘स्ट्रेट ऑफ होर्मुज’ नहीं खोला तो उनके बिजली केन्द्रों और पुलों को निशाना बनाया जाएगा, जिससे वहां नरक जैसे हालात पैदा हो जाएंगे।

ट्रंप ने ट्रूथ सोशल पर लिखा कि ईरान में मंगलवार का दिन ‘पावर प्लांट' और ‘ब्रिज डे’ के रूप में जाना जाएगा, जो अपनी तरह का अनोखा होगा। मूर्ख लोगों, इस जलमार्ग (स्ट्रेट ऑफ होर्मुज) को तुरंत खोलो, वरना नरक जैसी स्थिति झेलने के लिए तैयार रहो- बस देखते जाओ!’ ट्रंप के इस पोस्ट पर फिनलैंड में ईरानी दूतावास ने लिखा, ‘होर्मुज स्ट्रेट खुला है, लेकिन आपसी दुश्मनी बढ़ने पर वहां से गुजरना मुश्किल हो सकता है। ऐसे संवेदनशील मामलों पर सार्वजनिक बयान देने से पहले, नए बने मिलिट्री जनरलों के अपडेट्स पर भरोसा न करना और अलग-अलग अपडेट्स देना समझदारी हो सकती है।

इसके अलावा, आपकी हाल की पोस्ट के लहजे और भाषा से लगता है कि इसे शायद नौसिखियों ने हैंडल किया होगा या जिन्हें सोशल मीडिया के सही तरीके और नैतिकता के बारे में पता नहीं है।''

कच्चे तेल की कीमतों में उछाल

होर्मुज को लेकर ट्रंप की धमकी के बाद तेल की कीमतों में तेजी से वृद्धि हुई है और दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण जहाजरानी मार्गों में से एक पर व्यवधान की आशंकाएं बढ़ गईं। सोमवार को ब्रेंट क्रूड 1.4 प्रतिशत बढ़कर 110.60 डॉलर हो गया, जबकि अमेरिकी क्रूड 1.8 प्रतिशत बढ़कर 113.60 डॉलर हो गया। वैश्विक तेल आपूर्ति का लगभग 20 प्रतिशत हिस्सा हर साल इस स्ट्रेट से होकर गुजरता है, जिससे यह दुनिया के सबसे रणनीतिक रूप से संवेदनशील चोकपॉइंट्स में से एक बन गया है। बहरीन के विदेश मंत्री ने कहा कि ईरान द्वारा होर्मुज स्ट्रेट से जहाजों के आवागमन में बाधा डालने से टैंकरों का आवागमन 90 प्रतिशत से अधिक कम हो गया है और अब यह वैश्विक खाद्य सुरक्षा और आर्थिक स्थिरता के लिए खतरा बन गया है।

राघव चड्ढा ने केजरीवाल पर कसा व्यंग्य, बोले-

‘बॉस से आगे निकलने का प्रयास कभी मत करो’

नई दिल्ली (एजेंसी)। आम आदमी पार्टी (आप) नेतृत्व के साथ मतभेद के बीच पार्टी के पंजाब से राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा अपने हाल ही में किए सोशल मीडिया पोस्ट से एक बार फिर चर्चा में आ गए हैं। राघव चड्ढा ने सोमवार को इंस्टाग्राम पर नया पोस्ट शेयर किया। इस पोस्ट में वह अमेरिकी लेखक रॉबर्ट ग्रीन की बुक ‘द 48 लॉ ऑफ पॉवर’ पढ़ते हुए नजर आ रहे हैं। राघव चड्ढा कहना चाहते हैं कि केजरीवाल को यह चीज बिल्कुल बर्दाश्त नहीं कि उनकी (राघव चड्ढा) की लोकप्रियता क्यों बढ़ रही है। राघव चड्ढा ने अपनी इस तस्वीर के कैप्शन में लिखा है कि इस हफ्ते किसी ने मुझे एक किताब उपहार में दी। कैसी अनोखी बात है कि समय का तालमेल कैसे बैठता है। इसे अनदेखा करना मुश्किल था। मैंने पहला अध्याय खोला, जिसके शीर्षक में लिखा है–‘नेवर

ऑउटाशाइन द मास्टर’ (कभी भी अपने बॉस से आगे निकलने का प्रयास न करें)। बुक के इस अध्याय में आगे लिखा है कि अपने बॉस को हमेशा खुद से श्रेष्ठ महसूस करवाएं और उनको खुश करने के चक्कर में अपनी प्रतिभा को हद से ज्यादा प्रदर्शित न करें, नहीं तो उसका विपरीत प्रभाव पड़ सकता है, क्योंकि आप यह कदम उनमें भय या असुरक्षा की भावना जाग्रत कर सकता हैं। अपने बॉस को उनकी वास्तविकता से कहीं ज्यादा योग्य और बुद्धिमान दिखाएं। यह नियम अपनाकर आप सत्ता की ऊंचाइयों को छू सकते हैं।

छह से सात अभियुक्तों की गिरफ्तारी के लिए अलग-अलग जिलों में छापेमारी कर रही पुलिस

किडनी प्रत्यारोपण गिरोह के दो सदस्यों का नोटों के साथ वीडियो वायरल

कानपुर (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश की कानपुर पुलिस ने किडनी प्रत्यारोपण गैंग के दो आरोपियों के नोटों की गड्डी के साथ वायरल वीडियो की पुष्टि करते हुए कहा कि इस मामले में गैंग के कुछ सदस्यों को गिरफ्तार कर लिया गया है जबकि छह से सात अभियुक्तों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस अलग अलग जिलों में छापेमारी कर रही है। पुलिस उपायुक्त पश्चिम एस.एम.कासिम आबिदी ने सोमवार को बताया कि नोटों की गड्डी लिए हुए एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ है, जिसमें अभियुक्त अफजल एवं उसका एक साथी परवेज़ सैफी दिखाई दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि अब तक की पुलिस जांच में यह तथ्य प्रकाश में आया है कि सभी संबंधित व्यक्ति एक संगठित गिरोह (सिंडिकेट) के रूप में कार्य कर रहे थे तथा उसी के अंतर्गत आपराधिक गतिविधियों में संलिप्त थे। उन्होंने कहा कि इस मामले में कुछ अभियुक्तों को गिरफ्तार किया जा चुका है, जबकि शेष अभियुक्तों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीमों द्वारा लगातार दबिश दी जा रही है। वर्तमान में लगभग 6-7 अभियुक्त फरार हैं, जिनकी शीघ्र गिरफ्तारी सुनिश्चित की जाएगी।

गौरतलब है कि कानपुर में पिछले दिनो भंडाफोड़ किए गए किडनी प्रत्यारोपण गैंग के दो सदस्यों डॉ. अफजल और परवेज सैफी का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ है जिसमें वह एक बेड पर बिखरे नोटों की गड्डियों के साथ दिख रहे हैं। पुलिस का कहना है कि परवेज एक सजायाफ्ता मुजरिम है। किडनी ट्रांसप्लांट गिरोह के लिये इसका काम दिल्ली और गाजियाबाद से डॉक्टरों और विशेषज्ञों की टीम को कानपुर लाने के लिए गाड़ियां मुहैया कराना था। कानपुर पुलिस अब तक इस गैंग के आठ सदस्यों को गिरफ्तार कर चुकी है, जिनमें आहूजा हास्पिटल के संचालक दंपत्ति के अलावा छह अन्य लोग शामिल हैं।

दिल्ली विधानसभा परिसर में गेट को तोड़कर घुसी कार

- जांच में जुटी पुलिस

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली पुलिस के अधिकारियों ने बताया कि सोमवार दोपहर दिल्ली विधानसभा परिसर में एक अज्ञात व्यक्ति द्वारा चलाई जा रही कार ने सुरक्षा घेरा तोड़ दिया। कार परिसर की लोहे की बाउंड्री के एक गेट को तोड़कर अंदर घुस गई, जिससे एक बड़ा सुरक्षा अलर्ट जारी हो गया। अधिकारियों के अनुसार, उत्तर प्रदेश के रजिस्ट्रेशन नंबर वाली इस गाड़ी के अंदर कई अज्ञात नकाबपोश लोग सवार थे। यह गाड़ी दोपहर करीब 2 बजे गेट नंबर 2, जिसे वीवीआईपी गेट के तौर पर जाना जाता है, को तोड़कर परिसर में दाखिल हुई, जिससे सुरक्षाकर्मियों के बीच तुरंत हड़कंप मच गया।

पुलिस ने आगे बताया कि परिसर में घुसने के बाद ड्राइवर ने बरामदे के पास फूलों का एक गुलदस्ता रख दिया। अधिकारी इस घटना को सुरक्षा में एक गंभीर चूक मान रहे हैं। घुसपैठ की सूचना मिलते ही सुरक्षाकर्मियों ने तुरंत कार्रवाई की और इलाके को फौरन सुरक्षित कर लिया गया।

दिल्ली पुलिस और बम निरोधक दस्ते सहित कई टीमें मौके पर पहुंचीं और गहन जांच शुरू कर दी। घटनास्थल की जांच करने और सबूत जुटाने के लिए फोरेंसिक साइंस लेबोरेटरी (एफएसएल) की एक टीम को भी तैनात किया गया। इस घटना से विधानसभा परिसर में मौजूदा सुरक्षा व्यवस्था की पर्याप्तता और प्रभावशीलता को लेकर गंभीर चिंताएं खड़ी कर दी हैं। यह परिसर वरिष्ठ सरकारी अधिकारियों और विधायकों की नियमित मौजूदगी के कारण एक अत्यंत संवेदनशील और सुरक्षित क्षेत्र माना जाता है।

झारखंड: ब्लास्ट से दहला रामगढ़ का इस्पात प्लांट

9 मजदूर झुलसे, सात की हालत गंभीर

रांची (एजेंसी)।

झारखंड में रामगढ़ जिले के अरगड्डा मोड़ के पास हेसला स्थित झारखंड इस्पात प्लांट में सोमवार सुबह करीब 4 बजे जोरदार हॉर्नेस ब्लास्ट से पूरे इलाके में हड़कंप मच गया। धमाके के बाद प्लांट में कामकाज कुछ समय के लिए ठप हो गया और मजदूरों में भगदड़ की स्थिति बन गई। बताया जा रहा है कि रोज की तरह मजदूर काम में जुटे हुए थे, तभी अचानक तेज धमाका हुआ। धमाके के बाद आग तेजी से फैल गई, जिसकी चपेट में आकर 9 मजदूर गंभीर रूप से झुलस गए। हादसे की आवाज इतनी तेज थी कि आसपास के इलाके में भी दहशत फैल गई। प्लांट परिसर में धुआं और आग फैलने से मजदूर जान बचाने के लिए इधर-उधर भागते नजर आए। घायलों की पहचान अखिला राय, बृजलाल बेदिया, राजबालन यादव, महेश महतो, अशोक बेदिया, राजू झा, छोटू साव, सुरेश बेदिया और इशया के रूप में हुई। सभी घायलों को तत्काल रांची रोड स्थित द हॉप हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टरों ने बताया कि 9 में से 7 मजदूरों की हालत बेहद गंभीर है और वे 80 से 90 प्रतिशत तक झुलस चुके हैं। गंभीर घायलों को बेहतर इलाज के लिए रांची के देवकमल अस्पताल रेफर किया गया।

पुडुचेरी में राहुल गांधी ने दीं पांच गारंटी

- बेरोजगारों को 2000 रुपए प्रति महीना और महिलाओं को मुफ्त बस सेवा

पुडुचेरी (एजेंसी)। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने पुडुचेरी विधानसभा चुनाव के मद्देनजर सोमवार को बड़ी घोषणा की। उन्होंने कहा कि अगर पुडुचेरी में कांग्रेस गठबंधन की सरकार बनती है तो महिलाओं को सरकारी बसों में निशुल्क यात्रा की सुविधा मुहैया कराई जाएगी। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने पुडुचेरी के लोगों को 5 गारंटी देते हुए कहा कि बेरोजगार युवाओं के लिए 2000 रुपए प्रति महीना की सहायता दी जाएगी। सरकारी और निजी क्षेत्रों में 30,000 नई नौकरियां दी जाएंगी। महिलाओं के लिए बस यात्रा मुफ्त होगी। सरकारी नौकरी के लिए भर्ती की अधिकतम आयु सीमा बढ़ाकर 40 वर्ष तक की जाएगी। इसके अलावा हर परिवार का 20 लाख का स्वास्थ्य बीमा किया जाएगा। राहुल गांधी ने कहा कि यह खोखले वादे नहीं हैं। ये गरिमा और सुरक्षा की नींव हैं।

भूस्खलन से श्रीनगर-जम्मू राजमार्ग बंद

श्रीनगर (एजेंसी)। रामबन जिले में पत्थर गिरने और भूस्खलन के कारण सोमवार को श्रीनगर-जम्मू राष्ट्रीय राजमार्ग पर यातायात रोक दिया गया है। यातायात विभाग के अधिकारियों ने बताया कि राष्ट्रीय राजमार्ग पर वाहनों की आवाजाही दोनों दिशाओं में, जम्मू से श्रीनगर की ओर और इसके विपरीत, रोक दी गई, क्योंकि भूस्खलन और पत्थर गिरने से करोल ब्रिज और चंदरकोट के बीच दोनों सड़कें अवरुद्ध हो गई। यातायात विभाग द्वारा जारी एक बयान में कहा गया कि लोगों को सलाह दी जाती है कि जब तक एनएच-44 की मरम्मत पूरी तरह से नहीं हो जाती, तब तक इस पर यात्रा न करें।

महाराष्ट्र के 41 लोग सऊदी अरब में फंसे

नई दिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी की कार्यकारी अध्यक्ष और सांसद सुप्रिया सुले ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ‘एक्स’ पर सऊदी अरब में फंसे हुए 41 भारतीय नागरिकों को भारत लौटाने की अपील की है। ये सभी लोग महाराष्ट्र के भोकरदन जिले से हैं और वर्तमान में सऊदी अरब की राजधानी रियाद में फंसे हुए हैं। उनका कहना है कि रियाद से मुंबई लौटने वाली उनकी अकासा एयर की उड़ान अचानक रद्द कर दी गई थी, जिससे वे यात्रा नहीं कर पा रहे हैं।

अमेरिका-इजराइल से सालों जंग चली तो भी खत्म नहीं होंगी हमारी मिसाइलें: ईरान

तेहरान (एजेंसी)। ईरान ने कहा कि अगर अमेरिका और इजराइल के साथ सैन्य संघर्ष कई सालों तक चलता है, तब भी उसके पास मिसाइलों की कोई कमी नहीं होगी। यह बात ईरान के राष्ट्रीय सुरक्षा एवं विदेश नीति पर संसदीय आयोग के सदस्य अलाएद्दीन बोरूजेर्दी ने रविवार को कही।

ईरानी संसद की एजेंसी ‘खाने-ए-मल्लत’ ने बोरूजेर्दी के हवाले से कहा कि अगर यह युद्ध महीनों या सालों तक भी चलता है, तब भी ईरान को मिसाइल और रणनीतिक भंडारों के मामले में कोई समस्या नहीं होगी। रिपोर्ट के अनुसार ईरान ने अमेरिका और इजराइल के साथ सैन्य कार्रवाइयों के दौरान पूरी दुनिया के सामने कई क्षेत्रों में अपनी रक्षा क्षमताओं का प्रदर्शन किया है, जिससे यह साबित होता है कि उसकी सेना दुनिया की सबसे शक्तिशाली सेनाओं में से एक है। गौरतलब है कि अमेरिका और इजराइल ने 28 फरवरी को ईरान में कई ठिकानों पर हमले किए, जिसमें तेहरान भी शामिल था। इससे काफी नुकसान हुआ और आम नागरिकों की जान भी गई। ईरान ने इसके जवाब में इजराइली क्षेत्र और पश्चिम एशिया में स्थित अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर हमले किए।

बहरेस्तान में अमेरिका-इजराइल का हमला, 13 मरे

अमेरिका और इजराइल की ओर से ईरान के बहरेस्तान में किए गए हमले में 13 लोगों की मौत हो गई। अल जजीरा की रिपोर्ट के अनुसार अमेरिकी और इजराइली सेना ने बहरेस्तान क्षेत्र के क़लेह मीर शहर में दो रिहायशी इमारतों पर बमबारी की, जिसमें 13 लोगों की मौत हो गई। गौरतलब है कि यह क्षेत्र तेहरान प्रांत का एक घनी आबादी वाला इलाका है। बहरेस्तान के गवर्नर ने बताया कि मलबे को हटाने और मलबे में फंसे लोगों को बचाने के लिए तलाशी अभियान जारी है।

लिएंडर पेस को ‘एक्स’ श्रेणी की सुरक्षा

नई दिल्ली (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव से पहले भारतीय जनता पार्टी में शामिल होने वाले पूर्व टेनिस खिलाड़ी लिएंडर पेस को केंद्रीय गृह मंत्रालय ने ‘एक्स’ श्रेणी की सुरक्षा मुहैया कराई है। पेस की सुरक्षा में अब सीआईएसएफ के जवान तैनात रहेंगे। लिएंडर पेस भारतीय टेनिस के बड़े नामों में एक हैं और देशभर में लोकप्रिय हैं। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में उन्हें बड़ी भूमिका मिलने की संभावना है। उन्हें चुनाव प्रचार के लिए पूरे राज्य का दौरा करना पड़ सकता है।

गलती से गोली चली, हरियाणा के जवान की गई जान

श्रीनगर (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के कुपवाड़ा जिले में एक कैंप में अपनी सर्विस राइफल से गलती से गोली चलने के कारण घायल हुए हरियाणा के एक जवान की मृत्यु हो गई। अधिकारियों ने सोमवार को बताया कि 20-25 साल की उम्र का यह जवान शनिवार रात हंदवाड़ा के लंगाते इलाके में सेना के कैंप में अपनी ही सर्विस राइफल से गलती से गोली चलने के कारण घायल हो गया था। उसे शुरू में इलाज के लिए सरकारी मेडिकल कॉलेज (जीएमसी) हंदवाड़ा ले जाया गया था और बाद में बेहतर इलाज के लिए श्रीनगर में सेना के 92 बेस अस्पताल में भेजा गया था, जहां उसकी उपचार के दौरान मृत्यु हो गई।

मंडी में आवक का अंबार और खरीद की ढीली रफ़्तार

अंबाला (एजेंसी)। अम्बाला की अनाज मंडियाँ इन दिनों एक अजीब से विरोधाभास के गवाह बन रहे हैं। एक तरफ उपायुक्त अजय सिंह तोमर का प्रशासनिक अमला मंडियों में चाक-चौबंद व्यवस्था का दावा कर रहा है, तो दूसरी तरफ खुद सरकारी आंकड़े व्यवस्था की कछुआ चाल की तस्दीक कर रहे हैं। सोमवार को जब प्रशासनिक अमला शहजादपुर और नारायणगढ़ की खाक छान रहा था, तब निगाहें सुविधाओं से ज्यादा उन आंकड़ों पर टिकी थीं जो मंडी के भविष्य की तस्वीर धुंधली कर रहे हैं।

शहजादपुर मंडी के आंकड़ों को गहराई से देखें तो एक बड़ी बाजीगिरी नजर आती है। यहाँ गेहूं की आवक 18,912 क्विंटल दर्ज की गई, लेकिन जब खरीद के कॉलम को देखा गया तो वहां संख्या महज 699 क्विंटल पर सिमट गई। यानी आवक का 96 प्रतिशत हिस्सा अब भी मंडियों के फड़ों पर अपनी बारी का इंतजार कर रहा है। नारायणगढ़ में भी स्थिति कुछ ऐसी ही है, जहाँ 10,501 क्विंटल की आमद के मुकाबले केवल 1,711 क्विंटल की खरीद हो पाई है। प्रशासन ने 12 प्रतिशत नमी का फिल्टर लगा रखा है, लेकिन सवाल यह है कि क्या यह महज मानक है या खरीद की धीमी गति को ढंकने का एक तकनीकी ढाल?

व्यवस्थताएँ जाँचने पहुँचे उपायुक्त ने मंडी गेट पर ऑनलाइन गेट पास और बायोमेट्रिक प्रणाली का बारीकी से निरीक्षण किया। तकनीक और पारदर्शिता सुनने में तो बेहतर लगते हैं, लेकिन जब मंडियों में हजारों क्विंटल अनाज का दबाव बढ़ता है, तो यही डिजिटल प्रक्रिया अक्सर सर्वर डाउन और सत्यापन की देरी के बोझ तले दब जाती है।

हरियाणा-पंजाब में धमकियों से मचा हड़कंप

सीएम सैनी, चंडीगढ़ के चार स्कूलों, खरड़ और डेराबस्सी कोर्ट को बम से उड़ाने की धमकी

चंडीगढ़ (एजेंसी)।

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी को सोमवार को फिर धमकी मिली। चंडीगड़ के स्कूलों को सोमवार सुबह मिले मेल से धमकी मिली। धमकी में लिखा कि सीएम सैनी चंडीगढ़ में रहते हैं, बम धमाके-ग्रेनेड हमले चलते रहेंगे। इसी के साथ कहा गया कि हम चंडीगढ़ और पंजाब के कई स्कूलों को सोमवार को निशाना बनाएंगे। पंजाब एवं हरियाणा की संयुक्त राजधानी चंडीगढ़ के चार स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी मिलने के बाद हड़कंप मच गया। सेक्टर 41, 32, 47 और 45 स्थित स्कूलों को धमकी भरे ईमेल प्राप्त हुए। घटना के तुरंत बाद सुरक्षा एजेंसियां सक्रिय हो गई और पूरे इलाके में हाई अलर्ट जारी कर दिया गया। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए चंडीगढ़ पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए सभी स्कूलों के बाहर सघन तलाशी अभियान शुरू कर दिया। मौके पर बम निरोधक दस्ते और खोजी स्वान स्क्वॉड को तैनात किया गया, जिसने हर संदिग्ध वस्तु की बारीकी से जांच की। लेकिन इसमें कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला। धमकी भरे ईमेल भेजने वाले की पहचान के लिए साइबर टीम को भी लगाया गया।

इसके अलावा मोहाली खरड़ और डेराबस्सी की अदालतों को भी बम से उड़ाने की धमकी मिली। इसके बाद पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए मोहाली अदालत परिसर को खाली करवा दिया। सुरक्षा के मद्देनजर किसी भी व्यक्ति को अंदर जाने की अनुमति नहीं दी गई। जांच के लिए डॉग स्क्वायड की टीमों को भी बुलाया गया, जिन्होंने परिसर में हर जगह की जांच की।

भाजपा का 47वां स्थापना दिवस: ध्वजारोहण के साथ कार्यकर्ताओं ने लिया सेवा का संकल्प

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी के 47वें स्थापना दिवस के अवसर पर राजधानी में भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। प्रदेश कार्यालय में ध्वजारोहण कर नेताओं और कार्यकर्ताओं ने एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर शुभकामनाएं दीं और सेवा व समर्पण का संकल्प लिया।

कार्यक्रम का नेतृत्व पार्टी के राष्ट्रीय महामंत्री अरुण सिंह ने किया, जबकि इस अवसर पर प्रदेश अध्यक्ष वीरेन्द्र सचदेवा और दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता भी मौजूद रहीं। इसके साथ ही सांसद कमलजीत सहरावत और प्रदेश महामंत्री विष्णु मित्तल सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं ने कार्यक्रम में भाग लिया।

स्थापना दिवस के मौके पर दिल्ली स्थित पार्टी कार्यालय को विशेष रूप से सजाया गया। साथ ही राजधानी के सभी जिला कार्यालयों में भी कार्यक्रम आयोजित किए गए। कार्यकर्ताओं ने अपने-अपने घरों पर भी पार्टी का ध्वज फहराकर संगठन की यात्रा को याद किया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए अरुण सिंह ने कहा कि यह दिन देशभर के करोड़ों कार्यकर्ताओं के लिए गर्व का अवसर है। उन्होंने कहा कि पार्टी आज विश्व की सबसे बड़ी राजनीतिक शक्ति के रूप में स्थापित हो चुकी है और इसका श्रेय कार्यकर्ताओं की निष्ठा और समर्पण को जाता है। उन्होंने सभी कार्यकर्ताओं से राष्ट्र निर्माण में और अधिक सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया।

वीरेन्द्र सचदेवा ने अपने संबोधन में कहा कि जनसंघ से शुरू हुई विचारधारा की यह यात्रा आज एक मजबूत संगठन के रूप में सामने आई है। उन्होंने डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी, पंडित दीनदयाल उपाध्याय और अटल बिहारी वाजपेयी के योगदान को याद करते हुए कहा कि उनके त्याग और विचारों के कारण ही पार्टी आज इस मुकाम पर पहुंची है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से पार्टी की नीतियों को जन-जन तक पहुंचाने का आह्वान किया।

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि भाजपा केवल एक राजनीतिक दल नहीं, बल्कि राष्ट्र सेवा का माध्यम है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व की सराहना करते हुए कहा कि उनके मार्गदर्शन में देश वैश्विक स्तर पर नई पहचान बना रहा है। उन्होंने कार्यकर्ताओं को स्थापना दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि राष्ट्रहित में समर्पण की भावना के साथ कार्य करना ही पार्टी की असली ताकत है।

इस अवसर पर प्रदेश के कई पदाधिकारी और वरिष्ठ नेता भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान कार्यकर्ताओं में उत्साह और जोश देखने को मिला, जहां सभी ने पार्टी के मूल मंत्र 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास' को आगे बढ़ाने का संकल्प दोहराया।

दिल्ली हाईकोर्ट का बड़ा फैसला, किराया माफी वाले बयान को लागू करने का आदेश रद्द

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली उच्च न्यायालय की डिवीजन बेंच ने एक अहम फैसले में वर्ष 2020 के लॉकडाउन के दौरान गरीब किरायेदारों को लेकर दिए गए बयान के मामले में निचली पीठ के आदेश को रद्द कर दिया है। यह मामला अरविंद केजरीवाल के बयान से जुड़ा हुआ था, जिसे पहले अदालत ने लागू करने के योग्य माना था। दरअसल, 29 मार्च 2020 को देशव्यापी बंदी लागू होने के कुछ दिनों बाद तत्कालीन मुख्यमंत्री ने एक पत्रकार वार्ता में मकान मालिकों से अपील की थी कि वे गरीब किरायेदारों से किराया न लें या उसे कुछ समय के लिए टाल दें। उन्होंने यह भी कहा था कि यदि कोई गरीब किरायेदार किराया देने में सक्षम नहीं है, तो सरकार उसकी ओर से सहायता करने पर विचार करेगी। इसके बाद वर्ष 2021 में दिल्ली हाईकोर्ट की एकल पीठ ने इस बयान को एक प्रकार का आश्वासन मानते हुए कहा था कि इसे लागू कराया जा सकता है। इस आदेश के खिलाफ दिल्ली सरकार ने अपील दायर की थी, जिस पर अब डिवीजन बेंच ने सुनवाई की। डिवीजन बेंच ने अपने फैसले में स्पष्ट कहा कि किसी पत्रकार वार्ता में दिए गए बयान को लागू कराने के लिए अदालत द्वारा आदेश जारी नहीं किया जा सकता। अदालत ने यह भी दोहराया कि इस प्रकार के बयान को बाध्यकारी नहीं माना जा सकता और इसे लागू कराने के लिए निर्देश देना न्यायिक अधिकार के दायरे में नहीं आता। सुनवाई के दौरान तत्कालीन मुख्यमंत्री की ओर से यह दलील दी गई कि उनका बयान किसी औपचारिक वचन के रूप में नहीं था, बल्कि केवल एक अपील थी, जिसका उद्देश्य संकट के समय लोगों के बीच सहयोग की भावना को बढ़ावा देना था। अदालत ने इन तर्कों को स्वीकार करते हुए कहा कि ऐसी परिस्थितियों में दिए गए सार्वजनिक बयान को कानूनी रूप से लागू करने योग्य नहीं माना जा सकता।

पुलिस ने मांगा व्हाट्सएप डेटा, हाईकोर्ट को गोपनीयता उल्लंघन की चिंता

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली हाईकोर्ट ने सोमवार को दिल्ली पुलिस की याचिका पर गोपनीयता भंग होने की चिंता जताई है। पुलिस ने पिछले साल पेट्रोलियम मंत्रालय को बम की धमकी देने वाले मोबाइल नंबर से संबंधित व्हाट्सएप के एसेमिट्रिकल डेटा की मांग की थी। न्यायमूर्ति अनूप जयराम भंभानी की एकल पीठ ने कहा कि यदि व्हाट्सएप पर सहेजे गए संपर्कों की जानकारी ली गई तो इससे तीसरे पक्ष की गोपनीयता का उल्लंघन हो सकता है। अदालत ने पुलिस से सवाल किया कि अगर आरोपी ने किसी पुलिस अधिकारी, वकील या अधिकारी का नंबर बिना किसी संपर्क के सहेज रखा है तो क्या उन्हें भी संदेह के दायरे में लिया जाएगा? पुलिस ने बताया कि आरोपी ने लगभग 14 संपर्क सहेजे थे और संवेदनशील जानकारी हासिल करने की कोशिश की थी। इसमें पाकिस्तान से संभावित संबंध भी बताए गए। अदालत ने पुलिस से आश्वासन मांगा कि तीसरे पक्षों की गोपनीयता का अनावश्यक उल्लंघन नहीं होगा और जांच केवल वास्तविक संदिग्धों तक सीमित रहेगी।

दिल्ली सरकार सफाई कर्मचारियों की समस्याओं के समाधान के लिए प्रतिबद्ध : रेखा गुप्ता

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने सोमवार को कहा कि दिल्ली सरकार सफाईकर्मियों की समस्याओं के समाधान की खातिर ठोस और व्यावहारिक कदम उठाने के लिए प्रतिबद्ध है।

एक आधिकारिक बयान के अनुसार, मुख्यमंत्री ने सफाई कर्मचारियों के प्रतिनिधियों से मुलाकात की और इस दौरान प्रतिनिधियों द्वारा उठाए गए सभी मामलों की समीक्षा करने और त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करने का संबंधित विभाग को निर्देश दिया।

बयान में कहा गया है कि समुदाय के समक्ष जमीनी चुनौतियों पर चिंता व्यक्त करते हुए, प्रतिनिधियों ने सफाई कर्मचारियों की भर्ती और उन्हें नियमित करने के साथ-साथ कार्यस्थल सुरक्षा, वेतन संबंधी समस्याओं और अन्य सेवा शर्तों की मांग उठाई।

इसके मुताबिक, उन्होंने मुख्यमंत्री को सुझाव भी दिए, जिसमें बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं, स्थाई रोजगार और उनके काम की प्रकृति के अनुरूप अधिक सम्मानजनक कार्य वातावरण की मांग की गई।

वहीं, मुख्यमंत्री ने 'एक्स' पर कहा, 'दिल्ली को स्वच्छ, स्वस्थ और व्यवस्थित बनाए रखने में हमारे सफाई कर्मचारियों का निस्वार्थ भाव से किया गया योगदान अत्यंत सराहनीय है। यह सेवा का एक सतत संकल्प है, जो हर दिन दिल्ली के जीवन को सुगम बनाता है।'

गुप्ता ने कहा कि उनकी हर बात को गंभीरता से लेते हुए उन्हें आश्वस्त किया गया कि सरकार उनके साथ पूरी मजबूती से खड़ी है और सभी मुद्दों के समाधान के लिए निरंतर कार्य कर रही है। उन्होंने कहा, 'हमारा प्रयास है कि हर सफाई कर्मचारी को सम्मान, सुरक्षा और बेहतर कार्य परिस्थितियां मिलें, क्योंकि उनके श्रम और समर्पण से ही दिल्ली आगे बढ़ती है।'

रेखा गुप्ता ने संधू से मुलाकात कर गर्मियों में जल आपूर्ति व बिजली प्रबंधन उपायों से अवगत कराया

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने सोमवार को उपराज्यपाल तरनजीत सिंह संधू से मुलाकात कर जल आपूर्ति और बिजली प्रबंधन समेत आगामी गर्मियों को लेकर दिल्ली सरकार की तैयारियों से उन्हें अवगत कराया। गुप्ता ने 'एक्स' पर संधू के साथ मुलाकात की तस्वीरें साझा की है। उन्होंने कहा कि उपराज्यपाल से भेंट कर आगामी गर्मियों के लिए दिल्ली सरकार की तैयारियों की विस्तृत जानकारी साझा की। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस दौरान जल आपूर्ति, बिजली प्रबंधन, स्वास्थ्य सेवाएं और आपदा प्रबंधन से जुड़े विषयों पर विस्तार से चर्चा हुई। उन्होंने कहा, 'हमारा लक्ष्य है कि गर्मी के मौसम में दिल्लीवासियों को किसी प्रकार की असुविधा न हो। दिल्ली सरकार सभी आवश्यक कदम उठा रही है और पूरी तरह तैयार है, ताकि नागरिकों को सुचारु सेवाएं और बेहतर प्रबंधन सुनिश्चित किया जा सके।'

एमसीडी ने पश्चिम क्षेत्र में बिना स्वास्थ्य लाइसेंस चल रहे दो प्रतिष्ठानों को किया सील

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) ने पश्चिम क्षेत्र में बिना स्वास्थ्य लाइसेंस के चल रहे दो वाणिज्यिक प्रतिष्ठानों मैसर्स बार्बीक्यू कंपनी (खाद्य प्रतिष्ठान) और गुड लाइफ हेल्थ क्लब (जिम) को सोमवार को सील कर दिया। दिल्ली नगर निगम द्वारा स्वास्थ्य एवं सुरक्षा नियमों के पालन को सुनिश्चित करने के लिए चलाए गए विशेष अभियान के तहत यह कार्रवाई शिवाजी एन्क्लेव और राजा गार्डन क्षेत्र में की गई। पश्चिम क्षेत्र की उप स्वास्थ्य अधिकारी डॉक्टर कनिका सिंह ने बताया कि यह कार्रवाई मैसर्स बार्बीक्यू कंपनी (खाद्य प्रतिष्ठान) और गुड लाइफ हेल्थ क्लब (जिम) के खिलाफ नियमित निरीक्षण के दौरान की गई। निरीक्षण में पाया गया कि दोनों प्रतिष्ठान दिल्ली नगर निगम अधिनियम के प्रावधानों का उल्लंघन करते हुए बिना वैध हेल्थ ट्रेड लाइसेंस के संचालित थे। इसके अलावा ये प्रतिष्ठान उच्च संपर्क वाले सार्वजनिक स्थानों के लिए निर्धारित स्वच्छता और सुरक्षा मानकों को भी पूरा नहीं कर रहे थे। उन्होंने बताया कि पूर्व में लाइसेंस प्राप्त करने के लिए दिए गए निर्देशों के बावजूद संचालक आवश्यक दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर सके। इन गंभीर अनियमितताओं को देखते हुए एमसीडी ने दोनों प्रतिष्ठानों को तत्काल प्रभाव से सील कर दिया। डॉ. कनिका सिंह ने कहा कि बिना हेल्थ ट्रेड लाइसेंस के खानपान या फिटनेस सेंटर चलाना न केवल कानूनी उल्लंघन है, बल्कि यह जन स्वास्थ्य के लिए भी सीधा खतरा है। उन्होंने कहा कि नगर निगम नागरिकों के स्वास्थ्य की सुरक्षा के लिए प्रतिबद्ध है और सभी व्यावसायिक प्रतिष्ठानों से नियमों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करेगा।

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने 'फ्लाईओवर पुनर्विकास' के लिए साइन किया एमओयू

नई दिल्ली (एजेंसी)। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के नेतृत्व में दिल्ली सरकार ने राजधानी के बुनियादी ढांचे को एक नई सांस्कृतिक और आधुनिक पहचान देने की दिशा में बड़ा कदम उठाया है। दिल्ली सचिवालय में आयोजित एक विशेष कार्यक्रम में सरकार ने डालमिया ग्रुप, गोदरेज इंडस्ट्रीज़ और ईजमाईट्रिप फाउंडेशन के साथ एक महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए। इस पहल का मुख्य उद्देश्य दिल्ली के प्रमुख फ्लाईओवरों के नीचे की खाली जगहों का सौंदर्यीकरण और पुनर्विकास करना है।

इस परियोजना का सबसे आकर्षक हिस्सा हनुमान सेतु का पुनर्विकास है। मुख्यमंत्री के विजन के अनुरूप, यहां प्रभु श्री राम के जीवन और रामायण के प्रेरक संदेशों को कलाकृतियों और आधुनिक लाइटिंग के माध्यम से प्रदर्शित किया जाएगा। यह प्रयास दिल्ली की सांस्कृतिक जड़ों को मजबूत करने के साथ-साथ पर्यटकों और नागरिकों के लिए एक आध्यात्मिक अनुभव भी प्रदान करेगा।

प्रथम चरण में दिल्ली के छह प्रमुख फ्लाईओवरों को इस सौंदर्यीकरण अभियान के लिए चुना गया है। खाली पड़े स्थानों और फुटपाथों को साफ कर वहां पैदल चलने वालों के लिए सुव्यवस्थित ट्रैक बनाए जाएंगे। फ्लाईओवरों के नीचे वर्टिकल गार्डन और पौधे लगाकर प्रदूषण नियंत्रण और सुंदरता पर ध्यान दिया जाएगा। इन स्थानों को 'डार्क स्पॉट्स' से मुक्त कर सुरक्षित और उपयोगी सार्वजनिक स्थलों में बदला जाएगा।

एमओयू साइन करने के बाद मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि हमारा विजन दिल्ली को एक ऐसी ग्लोबल सिटी बनाना है जहां आधुनिक विकास और सांस्कृतिक पहचान साथ-साथ चलें। कॉर्पोरेट जगत के साथ यह साझेदारी दिल्ली को अधिक स्वच्छ, सुंदर और सुव्यवस्थित बनाने के हमारे संकल्प को दर्शाती है। इस अवसर पर कैबिनेट सहयोगी श्री प्रवेश साहिब सिंह ने भी संबोधित किया और इसे दिल्ली के शहरी नियोजन के क्षेत्र में एक मील का पत्थर बताया। कार्यक्रम में संबंधित विभागों के वरिष्ठ अधिकारी और निजी संस्थाओं के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

केजरीवाल को बरी करने के खिलाफ सीबीआई की याचिका पर हाई कोर्ट 13 अप्रैल को सुनवाई करेगा

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली उच्च न्यायालय दिल्ली आबकारी घोटाला मामले में दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल समेत सभी 23 आरोपितों को बरी करने के ट्रायल कोर्ट के आदेश को चुनौती देने वाली केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) की याचिका पर 13 अप्रैल को सुनवाई करेगा। अदालत ने जस्टिस स्वर्णकांता शर्मा को इस मामले की सुनवाई से अलग करने की मांग पर सीबीआई को जवाब दाखिल करने को कहा। मामले की अगली सुनवाई 13 अप्रैल को होगी। सुनवाई के दौरान सोमवार को उच्च न्यायालय में अरविंद केजरीवाल खुद मौजूद थे। केजरीवाल ने कहा कि वो खुद इस मामले में दलीलें रखेंगे। इसके पहले केजरीवाल और मनीष सिसोदिया ने चीफ जस्टिस डीके उपाध्याय को पत्र लिखकर जस्टिस स्वर्णकांता शर्मा की बेंच को इस मामले की सुनवाई से अलग करने की मांग की थी, लेकिन चीफ जस्टिस ने इस अर्जी को खारिज कर दिया था। कोर्ट ने 16 मार्च को केजरीवाल समेत सभी आरोपितों को जवाब देने के लिए समय दिया था। उच्च न्यायालय ने 9 मार्च को केजरीवाल समेत सभी आरोपितों को नोटिस जारी किया था। उच्च न्यायालय ने ट्रायल कोर्ट की ओर से सीबीआई पर किए गए प्रतिकूल टिप्पणियों पर रोक लगा दी थी। इसके साथ ही ट्रायल कोर्ट को आदेश दिया था कि वो दिल्ली आबकारी घोटाला मामले से जुड़े मनी लांड्रिंग के मामले की आगे सुनवाई नहीं करें।

पूर्वी दिल्ली में 28 करोड़ से अधिक के विकास कार्यों का शुभारंभ, विवेक विहार और झिलमिल कॉलोनी को मिलेगा नया रूप

पूर्वी दिल्ली (एजेंसी)। झिलमिल विधानसभा के वार्ड नंबर-216 में 28 करोड़ से अधिक की लागत से विभिन्न विकास कार्यों का शुभारंभ किया गया। यह कार्य सीएमडीएफ के तहत स्थानीय पार्षद पंकज लूथरा द्वारा कराया जा रहा है। इसके अंतर्गत विवेक विहार के ए, बी एवं सी ब्लाक में लगभग 12 करोड़ व झिलमिल कालोनी के बी, सी, डी एवं ई ब्लाक में लगभग 14 करोड़ की लागत से सड़क, नालियों का निर्माण के साथ ही एक करोड़ की राशि स्थानीय सामुदायिक भवन के विकास कार्य पर खर्च की जाएगी। इसी कड़ी में एक करोड़ की लागत से ज्वालानगर सर्कुलर रोड का विकास करने की योजना है। इस अवसर पर पंकज लूथरा ने कहा कि क्षेत्र में विकास कार्य की शुरूआत इस बात का उदाहरण है कि मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के नेतृत्व में दिल्ली में विकास कार्य प्राथमिकता में शामिल है। इस विकास कार्य को धरातल पर लाने में केंद्रीय मंत्री सांसद हर्ष मल्होत्रा का विशेष योगदान है। उन्होंने कहा कि हमारा प्रयास क्षेत्र में आधारभुत संरचना के साथ सामाजिक एवं सांस्कृतिक गतिविधियों को मजबूत करना है। जिससे कि लोगों का समग्र विकास संभव हो सके। कार्यक्रम में आरडब्ल्यूए पदाधिकारियों के साथ मे बड़ी संख्यां में स्थानीय लोग मौजूद रहे।

विद्या भारती की वार्षिक सभा में बड़े संकल्प, हर जिले में विद्यालय और नशा मुक्ति अभियान पर जोर

नई दिल्ली (शिखर समाचार)। विद्या भारती अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान की वार्षिक साधारण सभा 2026 का समापन सत्र गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ। चार दिनों तक चली इस राष्ट्रीय चिंतन बैठक में देशभर से आए लगभग 350 पदाधिकारियों ने सक्रिय सहभागिता करते हुए शिक्षा और राष्ट्र निर्माण से जुड़े विभिन्न विषयों पर विचार विमर्श किया। समापन सत्र में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सह सरकार्यवाह डॉ. कृष्ण गोपाल का विशेष सान्निध्य रहा। इस अवसर पर अखिल भारतीय अध्यक्ष डॉ. रविंद्र कान्हेरे, महामंत्री देशराज शर्मा, संगठन मंत्री गोविंद महंत सहित अनेक पदाधिकारी उपस्थित रहे। वक्ताओं ने अपने संबोधन में कहा कि विद्या भारती केवल शिक्षा प्रदान करने वाला संगठन नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण का सशक्त माध्यम है, जो शिक्षा के जरिए चरित्र निर्माण, राष्ट्रीय चेतना और सामाजिक उत्तरदायित्व को सुदृढ़ करता है। बैठक में शिक्षा की गुणवत्ता सुधार, भारतीय ज्ञान परंपरा का समावेश, नई शिक्षा नीति के प्रभावी क्रियान्वयन, तकनीकी युग में नवाचार और विद्यार्थियों में संस्कारों के विकास जैसे विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई। इस दौरान यह भी रेखांकित किया गया कि शिक्षा का उद्देश्य केवल ज्ञान देना नहीं, बल्कि जिम्मेदार नागरिक तैयार करना है। समापन सत्र में संगठन ने कई महत्वपूर्ण संकल्प लिए। वर्ष 2030 तक देश के प्रत्येक जिले में विद्यालय स्थापित करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया। समाज में बढ़ती नशे की प्रवृत्ति के खिलाफ जन जागरण अभियान चलाने का निर्णय लिया गया, ताकि युवाओं को इस बुराई से दूर रखा जा सके। महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए 50 कौशल विकास केंद्रों की स्थापना हेतु प्रायोगिक परियोजना शुरू करने की घोषणा की गई। साथ ही वर्ष 2027 में 75 वर्ष पूर्ण होने पर 'अमृत महोत्सव' मनाने का भी निर्णय लिया गया। तकनीकी क्षेत्र में भी संगठन ने नए कदम उठाने की बात कही। शैक्षिक और सांस्कृतिक सामग्री के प्रसार के लिए 'विद्या भारती टीवी' शुरू करने की घोषणा की गई। वक्ताओं ने कहा कि वर्तमान समय में भारतीय दृष्टि पर आधारित शिक्षा की आवश्यकता और बढ़ गई है तथा संगठन इस दिशा में अपने प्रयासों को और सशक्त बनाएगा। अंत में सभी कार्यकताओं ने राष्ट्र निर्माण के कार्य में पूर्ण समर्पण के साथ योगदान देने का संकल्प लिया।

जेफरी एपस्टीन केस में केंद्रीय मंत्री हरदीप पुरी की बेटी से जुड़ी याचिका खारिज, एकल पीठ के पास जाने का आदेश

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिकी यौन अपराधी जेफरी एपस्टीन से जुड़े मामले में केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी की बेटी के संबंध में प्रसारित सामग्री को इंटरनेट मीडिया से हटाने की मांग वाली एक याचिका को दिल्ली हाई कोर्ट ने खारिज कर दिया। न्यायमूर्ति विवेक चौधरी व न्यायमूर्ति रेणु भट्नागर की पीठ ने कहा कि याची अपनी शिकायतें प्रकरण में आदेश देने वाली एकल पीठ के समक्ष रखे। साथ ही अदालत ने एकल पीठ को इस मुद्दे पर जल्द से जल्द अंतिम फैसला लेने को कहा कि क्या उनके अंतरिम आदेश को जारी रखा जाए या उसे रद कर दिया जाए। अदालत ने अपीलकर्ता कुणाल शुक्ला को एकल पीठ के समक्ष शिकायत दायर करने के लिए एक सप्ताह का समय दिया। कुणाल शुक्ला ने अपनी अपील में आरोप लगाया कि 17 मार्च को एकल पीठ ने एक पूरी तरह से रोक लगाने वाला आदेश जारी किया और उन्हें इंटरनेट मीडिया प्लेटफॉर्म पर संबंधित सामग्री को पब्लिश करने, सर्कुलेट करने या फैलाने से रोक लगा दी गई, जबकि इससे पहले उन्हें मामले पर नोटिस जारी कर जवाब दाखिल करने का उचित समय नहीं दिया गया। कुणाल शुक्ला ने तर्क दिया कि एकल पीठ ने हिमायनी पुरी के हर बयान को पूरी तरह सच मान लिया और फिर सुनवाई की अगली तारीख अगस्त में तय कर दी। वहीं, पुरी की तरफ से पेश हुए वरिष्ठ वकील महेश जेठमलानी ने अपील याचिका का विरोध किया। दोनों पक्षों को सुनने के बाद अदालत ने सुझाव दिया कि सुनवाई की तारीख आगे बढ़ा देंगे और अपीलकर्ता को अपना जवाब दाखिल करने के लिए समय दिया जाएगा।

हिमायनी पुरी ने लगाया था दुर्भावनापूर्ण अभियान का आरोप

अंतरिम राहत की मांग करते हुए हिमायनी पुरी ने दावा किया था कि उन्हें एपस्टीन और उसके अपराधों से जोड़ने के लिए एक सुनियोजित और दुर्भावनापूर्ण ऑनलाइन अभियान चलाया जा रहा था। उन्होंने प्रतिवादी संस्थाओं से बिना शर्त माफी मांगने और अपने बयान वापस लेने की भी मांग की थी। जिस पर एकल पीठ ने संबंधित सामग्री को हटाने का निर्देश दिया था।

द्वारका दुर्घटना मामले में मृतक की मां सीबीआई जांच के लिए पहुंचीं हाई कोर्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। द्वारका में फरवरी में हुए एक सड़क हादसे में मृत साहिल धनेश्रा की मां ने दिल्ली उच्च न्यायालय में याचिका दायर करके इस मामले की जांच केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) या उच्च न्यायालय की निगरानी में कराने की मांग की है। मामले में जस्टिस सौरभ बनर्जी की बेंच 6 अप्रैल को सुनवाई करेगी। याचिका में साहिल धनेश्रा की मां ने कहा है कि इस मामले की जांच में दिल्ली पुलिस लापरवाही बरत रही है। जांच आरोपित और उसके सहयोगियों के इशारे पर की जा रही है, ताकि उसे बचाया जा सके। साहिल की मां की तरफ से दिए गए साक्ष्यों का अब तक वेरिफिकेशन भी नहीं किया गया है। याचिका में जुवेनाइल जस्टिस बोर्ड के आदेश पर भी सवाल खड़े किए गए हैं। यहां तक कि 4 फरवरी को जब नाबालिग आरोपित को जुवेनाइल जस्टिस बोर्ड के समक्ष पेश किया गया, तो उसे किसी की जान जाने का कोई पछतावा भी नहीं था। उसे 10 फरवरी को जमानत देते समय याचिकाकर्ता को कोई नोटिस भी नहीं दिया गया। साहिल की मां ने याचिका में कहा है कि इस तरह की परिस्थिति में उसे लगता है कि आरोपित के पिता और उसके सहयोगी जांच को प्रभावित करने की कोशिश कर रहे हैं। दरअसल, 3 फरवरी को साहिल की मौत सड़क हादसे में हुई थी। साहिल बाइक पर था और एक तेज रफ्तार एसयूवी ने उसे टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि बाइक पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। एसयूवी एक नाबालिग चला रहा था। इस हादसे में एक दूसरे कैब ड्राइवर को भी गंभीर चोटें लगी थी।

जामिया ने दाखिले के लिए अब 10 तक आवेदन

नई दिल्ली (एजेंसी)। जामिया मिल्लिया इस्लामिया ने शैक्षणिक सत्र 2026-27 में यूजी/पीजी/डिप्लोमा/पीजी डिप्लोमा/एडवांस डिप्लोमा/सर्टिफिकेट कोर्स में दाखिले के लिए एक बार फिर से आवेदन की तारीख बढ़ा दी है। सोमवार को जारी सूचना के अनुसार छात्र अब 10 अप्रैल तक https://admission.jmi.ac.in/ लिंक पर जाकर आवेदन कर सकेंगे। जामिया ने आने वाले शैक्षणिक सत्र के लिए 30 नए पाठ्यक्रम शुरू किए हैं। इस बार किसी भी पाठ्यक्रम में फीस की बढ़ोतरी नहीं की गई है।

दिल्ली विधानसभा परिसर के हाई-सिक्योरिटी गेट को तोड़कर घुसी कार, जांच में जुटी पुलिस

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली पुलिस के अधिकारियों ने बताया कि सोमवार दोपहर दिल्ली विधानसभा परिसर में एक अज्ञात व्यक्ति द्वारा चलाई जा रही कार ने सुरक्षा घेरा तोड़ दिया। कार परिसर की लोहे की बाउंड्री के एक गेट को तोड़कर अंदर घुस गई, जिससे एक बड़ा सुरक्षा अलर्ट जारी हो गया।

अधिकारियों के अनुसार, उत्तर प्रदेश के रजिस्ट्रेशन नंबर वाली इस गाड़ी के अंदर कई अज्ञात नकाबपोश लोग सवार थे। यह गाड़ी दोपहर करीब 2 बजे गेट नंबर 2, जिसे वीवीआईपी गेट के तौर पर जाना जाता है, को तोड़कर परिसर में दाखिल हुई, जिससे सुरक्षाकर्मियों के बीच तुरंत हड़कंप मच गया। पुलिस ने आगे बताया कि परिसर में घुसने के बाद, ड्राइवर ने बरामदे के पास फूलों का एक गुलदस्ता रख दिया।

अधिकारी इस घटना को सुरक्षा में एक गंभीर चूक मान रहे हैं। घुसपैठ की सूचना मिलते ही सुरक्षाकर्मियों ने तुरंत कार्रवाई की और इलाके को फौरन सुरक्षित कर लिया गया। दिल्ली पुलिस और बम निरोधक दस्ते सहित कई टीमें मौके पर पहुंचीं और गहन जांच शुरू कर दी। घटनास्थल की जांच करने और सबूत जुटाने के लिए फोरेंसिक साइंस लेबोरेटरी (एफएसएल) की एक टीम को भी तैनात किया गया है।

इस घटना से विधानसभा परिसर में मौजूदा सुरक्षा व्यवस्था की पर्याप्तता और प्रभावशीलता को लेकर गंभीर चिंताएं खड़ी कर दी हैं। यह परिसर वरिष्ठ सरकारी अधिकारियों और विधायकों की नियमित मौजूदगी के कारण एक अत्यंत संवेदनशील और सुरक्षित क्षेत्र माना जाता है।

अधिकारी अब इस बात की जांच कर रहे हैं कि स्थापित सुरक्षा प्रोटोकॉल के बावजूद यह गाड़ी बैरिकेड्स को तोड़कर प्रतिबंधित क्षेत्र में घुसने में कामयाब कैसे रही। साथ ही, इसमें शामिल लोगों की पहचान करने और उनके इरादों का पता लगाने के प्रयास जारी हैं।

यह घटना हाल ही में संपन्न हुए बजट सत्र के दौरान विधानसभा को बम से उड़ाने की धमकियां मिलने के कुछ ही समय बाद हुई है, जिससे इस हाई-प्रोफाइल परिसर में सुरक्षा तैयारियों को लेकर चिंताएं और बढ़ गई हैं।

इससे पहले 25 मार्च को, दिल्ली विधानसभा को ईमेल के जरिए बम से उड़ाने की धमकी मिली थी, जिसके बाद सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई थी और कानून प्रवर्तन एजेंसियों ने तुरंत कार्रवाई की थी। धमकी भरे संदेश में दावा किया गया था कि विधानसभा परिसर के अंदर आरडीएक्स-आधारित 16 इम्प्रोवाइज्ड

एक्सप्लोसिव डिवाइस (आईईडी) लगाए गए हैं और उन्हें उड़ाने की योजना है।

इग्नू का 39वां दीक्षांत समारोह आज, उपराष्ट्रपति होंगे मुख्य अतिथि

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू) आज अपने 39वें दीक्षांत समारोह का आयोजन कर रहा है। देश के उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन इसमें मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे और दीक्षांत भाषण देंगे। वहीं, दिल्ली के उपराज्यपाल तरनजीत सिंह संधू कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे। समारोह में विभिन्न विषयों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को पीएचडी की उपाधि और स्वर्ण पदक प्रदान किए जाएंगे।

हापुड़ - पिलखुवा विकास प्राधिकरण
ISO 9001:2000
प्रीत विहार, दिल्ली रोड, हापुड़ - 245101
वेबसाइट: www.hpdaonline.com, ई-मेल: hpda_1@rediffmail.com
पत्र सं0 12/E.E./ एच०पी०डी०ए० /2026 दिनांक:- 06-04-2026
ई-निविदा आमंत्रण सूचना
उपाध्यक्ष हापुड़-पिलखुवा विकास प्राधिकरण की ओर से हापुड़-पिलखुवा विकास प्राधिकरण में उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत फर्मों/ठेकेदारों / विशिष्ट श्रेणी से ई-निविदा आमंत्रण सूचना सं0-09/अध0अभि0 / एच०पी०डी०ए०/2025-26 दिनांक 06-04-2026 में वर्णित कार्य हेतु ई-निविदा आमंत्रित की जाती है। ई-निविदा संबंधी समस्त विवरण व शर्तें हापुड़-पिलखुवा की वेबसाइट WWW.hpdaonline.in एवं https://etender.up.nic.in पर में उनके अंकित की दिनांक 07-04-2026 से उपलब्ध होगी। संबंधित निविदा को ई-निविदा आमंत्रण गयी तिथियों पर डाउनलोड व अपलोड किया जा सकता है। प्राप्त ई-निविदा को उसके सम्मुख अंकित तिथि पर खोला जायेगा। किसी परिवर्तन संशोधन व अतिरिक्त सूचनाओं के लिये वेबसाइट देखते रहें।
अधीक्षण अभियंता
हापुड़ - पिलखुवा विकास प्राधिकरण
हापुड़।

ग्रामीण क्षेत्रों में वृहद स्तर पर चलाए गए जागरूकता अभियान : डीएम रविन्द्र कुमार मॉंदड़

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। जनगणना-2027 के अन्तर्गत गाजियाबाद में आगामी चरण-1 मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना (एचएलओ), (22 मई-20 जून 2026 में 30 दिन की अवधि) के कार्य को जनगणना निदेशालय उप्र लखनऊ के निदेर्शों के अनुरूप त्रुटि रहित तथा समयबद्ध तरीके से पूर्ण कराये जाने हेतु जनपद स्तरीय अधिकारियों, उपजिलाधिकारीगण एवं चार्ज अधिकारी की बैठक जिलाधिकारी गाजियाबाद रविन्द्र कुमार मॉंदड़ की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट स्थित गहात्मा गांधी सभागार में सम्पन्न हुई।

जिलाधिकारी ने सभी उपजिलाधिकारी एवं चार्ज अधिकारियों को आगामी 10 अप्रैल तक प्रत्येक दशा में प्रगणकों / सुपरवाईजरों की नियुक्ति करने एवं 15 अप्रैल से प्रगणकों / सुपरवाईजरों को चार्ज स्तर पर प्रशिक्षण देने हेतु स्थान का चयन कर सभी आवश्यक सुविधाओं की व्यवस्था करने हेतु निर्देशित किया गया। जिला पंचायत राज अधिकारी को निर्देशित किया गया कि ग्राम सभा स्तर जनगणना कार्य हेतु लोगो में जारूकता के लिए अभियान चलायें

ताकि कोई भ्रामक स्थिति उत्पन्न ना हो तथा लोगों को 7 मई से 21 मई तक होने वाले स्वगणना के लिए प्रेरित करें। जनगणना कार्य में लापरवाही बरतने वालों पर कठोर कार्यवाही की जायेगी। इसलिए सभी सम्बंधित अधिकारी/कर्मचारी अपने दायित्वों को पूर्णत समझे, प्रशिक्षण के दौरान हर बिन्दु को सही से समझे यदि समझ नहीं आए तो दोबारा पूछे, पर समझें जरूर और पूर्ण निष्ठा व ईमानदारी एवं त्रुटि रहित अपना कार्य करें। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी अभिनव गोपाल, सौरभ भट्ट जिला जनगणना अधिकारी /अपर जिलाधिकारी (वि./रा.) सहित सम्बंधित विभाग के अधिकारीगण उपस्थित रहे।

नामित सभासदों का विश्नोई समाज ने किया स्वागत, रोजगार सृजन पर दिया जोर

नगीना/बिजनौर (शिखर समाचार)। नगर पालिका के नामित सभासदों के सम्मान में आयोजित एक स्वागत समारोह में भारतीय जनता पार्टी के क्षेत्रीय मंत्री अनूप बाल्मीकि ने प्रदेश सरकार की मंशा के अनुरूप स्थानीय स्तर पर रोजगार सृजन को बढ़ावा देने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि नगरपालिका से जुड़े ठेकेदारी कार्यों में समाज के लोगों को प्राथमिकता दी जानी चाहिए, जिससे स्थानीय लोगों को रोजगार के अवसर प्राप्त हो सकें।

कार्यक्रम का आयोजन स्थानीय मोहल्ला विश्नोई सराय स्थित नवीन विश्नोई मंदिर में मंदिर समिति के अध्यक्ष राजू विश्नोई के संचालन में किया गया। समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित अनूप बाल्मीकि ने नामित सभासदों से आह्वान किया कि वे स्वयं ठेकेदारी कार्य करने के बजाय सरकार की नीति के अनुरूप समाज के लोगों को इन कार्यों से जोड़ें और उन्हें आर्थिक रूप से सशक्त बनाने का कार्य करें। उन्होंने यह भी कहा कि समाज की उन्नति तभी

संभव है जब अधिक से अधिक लोगों को रोजगार के अवसर उपलब्ध हों।

इससे पूर्व विश्नोई समाज के लोगों ने पांचों नामित सभासदों भाजपा जिला उपाध्यक्ष एवं नामित सभासद नीरज विश्नोई, डा. भूपेश चौहान, विनोद अग्रवाल, मनोज टंडन और सोहन सैनी का फूलमालाओं से जोरदार स्वागत किया। स्वागत से अभिभूत सभासदों ने समाज के प्रति आभार व्यक्त करते हुए लोगों की सेवा और क्षेत्र के विकास के लिए समर्पित रहने का आश्वासन दिया।

समारोह के दौरान नामित सभासदों को ढोल नगाड़ों की थाप पर पंजाबी धर्मशाला से विश्नोई मंदिर तक भव्य रूप से लाया गया, जिससे पूरे क्षेत्र में उत्सव जैसा माहौल बन गया।

इस अवसर पर डा. रतेंद्र विश्नोई, डा. बालेश विश्नोई, सभासद ब्रजमोहन विश्नोई बल्ली, सभासद रोहित विश्नोई, कृष्ण पाल विश्नोई, टिकेंद्र विश्नोई, अनिल विश्नोई, दिनेश विश्नोई, सुनील विश्नोई गुड्डु, गौरव विश्नोई, हितेंद्र विश्नोई, सागर विश्नोई, अतुल विश्नोई सहित समाज के सैकड़ों लोग उपस्थित रहे।

राज नगर एक्सटेंशन में यशोदा अस्पताल का रक्तदान शिविर सफल, बड़ी संख्या में लोगों ने किया स्वैच्छिक रक्तदान

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। राज नगर एक्सटेंशन स्थित एक व्यायामशाला में सोमवार को यशोदा सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल एवं कैंसर इंस्टीट्यूट की ओर से रक्तदान शिविर का भव्य आयोजन किया गया। शिविर का नेतृत्व डॉ. प्रमोद यादव ने किया, जिनके मार्गदर्शन में पूरी टीम ने सुव्यवस्थित ढंग से कार्यक्रम को सफल बनाया।

रक्तदान शिविर में स्थानीय नागरिकों, युवाओं तथा व्यायामशाला के सदस्यों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। लोगों में रक्तदान के प्रति विशेष जागरूकता और सेवा भाव देखने को मिला। बड़ी संख्या में लोगों ने स्वेच्छा से रक्तदान कर मानवता की सेवा में अपनी भागीदारी सुनिश्चित की। इस दौरान कई युवा पहली बार रक्तदाता बने, जिससे उनके भीतर सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना और मजबूत हुई। कार्यक्रम के दौरान डॉ. प्रमोद यादव ने उपस्थित रक्तदाताओं को संबोधित करते हुए कहा कि रक्तदान केवल एक सामाजिक कर्तव्य ही नहीं, बल्कि यह एक ऐसा महादान है

जो किसी जरूरतमंद व्यक्ति को नया जीवन दे सकता है। उन्होंने कहा कि नियमित अंतराल पर रक्तदान करने से न केवल दूसरों की मदद होती है, बल्कि यह स्वयं दाता के स्वास्थ्य के लिए भी लाभकारी होता है। उन्होंने सभी नागरिकों से अपील की कि वे आगे आकर इस पुनीत कार्य में सहभागिता करें। शिविर में रक्त संग्रहण के दौरान सभी आवश्यक सुरक्षा मानकों और चिकित्सीय दिशानिर्देशों का कड़ाई से पालन किया गया। चिकित्सा टीम द्वारा प्रत्येक रक्तदाता की पूर्व जांच की गई, ताकि सुरक्षित और स्वस्थ रक्तदान सुनिश्चित हो सके। रक्तदान के उपरांत सभी दाताओं को प्रमाण पत्र प्रदान किए गए तथा उनके लिए अल्पाहार की भी व्यवस्था की गई, जिससे उनका उत्साहवर्धन किया जा सके।

यह रक्तदान शिविर समाज में रक्तदान के प्रति जागरूकता बढ़ाने, लोगों को इस दिशा में प्रेरित करने तथा जरूरतमंद मरीजों की सहायता के उद्देश्य से आयोजित किया गया था। कार्यक्रम में क्षेत्र के लोगों का सराहनीय सहयोग देखने को मिला, जिससे यह आयोजन पूर्णतः सफल रहा।

जीडीए की बड़ी पहल : संपत्तियों के नामांतरण और रजिस्ट्री के लिए 13 अप्रैल से लगेगा 6 दिवसीय महा कैंप

आरव शर्मा

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। गाजियाबाद विकास प्राधिकरण (जीडीए) ने आम जनता को बड़ी राहत देते हुए वर्षों से लंबित नामांतरण (म्यूटेशन) और रजिस्ट्री के मामलों को निपटाने के लिए कमर कस ली है। प्राधिकरण द्वारा आगामी 13 अप्रैल से 18 अप्रैल 2026 तक एक विशेष 6 दिवसीय समाधान कैंप का आयोजन किया जाएगा। इस पहल का मुख्य उद्देश्य आवंटियों को दफ्तरों के चक्कर काटने से मुक्ति दिलाना और एक ही छत के नीचे उनकी समस्याओं का त्वरित समाधान करना है।

कैंप का समय और स्थान

यह विशेष कैंप गाजियाबाद विकास प्राधिकरण कार्यालय (जीडीए ऑफिस) के प्रांगण में आयोजित होगा। कैंप का समय प्रतिदिन सुबह 10 बजे से दोपहर 3 बजे तक निर्धारित किया गया है। 6 दिनों तक चलने वाले इस अभियान में प्राधिकरण के सभी संबंधित विभागों के अधिकारी और पटल लिपिक मौके पर ही मौजूद रहेंगे।

मौके पर ही होगा फाइलों का निपटारा

अक्सर देखा जाता है कि नामांतरण और रजिस्ट्री की प्रक्रिया में दस्तावेजों की कमी या तकनीकी कारणों से फाइलें लंबे समय तक लंबित रह जाती हैं। इस कैंप की खासियत यह है कि यहाँ अधिकारी स्वयं दस्तावेजों की जांच करेंगे और यदि कोई छोटी-मोटी कमी पाई जाती है, तो उसे मौके पर ही दुरुस्त करवाकर प्रकरण का निस्तारण सुनिश्चित करेंगे। इससे न केवल पारदर्शिता बढ़ेगी, बल्कि आवेदकों के समय की भी बचत होगी।

मिलेगा विशेषज्ञों का मार्गदर्शन

कैंप में केवल फाइलों का निपटारा ही नहीं होगा, बल्कि नए आवेदकों को आवश्यक मार्गदर्शन भी दिया जाएगा। यदि किसी आवंटी को अपनी संपत्ति के कागजात बनवाने या रजिस्ट्री प्रक्रिया को समझने में दिक्कत आ रही है, तो वहां मौजूद हेल्प डेस्क उनकी पूरी मदद करेगी।

उपाध्यक्ष के सख्त निर्देश: न हो जनता को परेशानी

जीडीए उपाध्यक्ष ने इस संबंध में स्पष्ट निर्देश जारी किए हैं कि इस 6 दिवसीय आयोजन में आने वाले किसी भी व्यक्ति को बैरंग न लौटना पड़े। उन्होंने सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया है कि इस कैंप को मिशन मोड में लिया जाए ताकि अधिकतम लाभार्थियों को इसका लाभ मिल सके। आयोजन को सफल बनाने के लिए प्राधिकरण कार्यालय में बैठने की व्यवस्था, पेयजल और अन्य जनसुविधाओं के पुख्ता इंतजाम करने के आदेश दिए गए हैं।

जनता से अपील

प्राधिकरण प्रशासन ने शहर के समस्त नागरिकों और संपत्ति धारकों से अपील की है कि वे इस अवसर का लाभ उठाएं। यदि किसी का नामांतरण या रजिस्ट्री का मामला लंबे समय से अटका हुआ है, तो वे 13 से 18 अप्रैल के बीच अपने सभी मूल दस्तावेजों के साथ जीडीए कार्यालय पहुँचकर अपनी समस्या का समाधान करा सकते हैं।

टोलकर्मियों की मारपीट के विरोध में वकीलों का प्रदर्शन, जाम लगाकर सौंपा ज्ञापन

हापुड़ (शिखर समाचार)। थाना हाफिजपुर क्षेत्र स्थित टोल प्लाजा पर अधिवक्ता के साथ टोलकर्मियों द्वारा की गई मारपीट के विरोध में सोमवार को वकीलों ने जोरदार प्रदर्शन किया। आक्रोशित अधिवक्ताओं ने तहसील चौराहे पर जाम लगाकर हंगामा किया और थाना प्रभारी को ज्ञापन सौंपकर आरोपियों की शीघ्र गिरफ्तारी की मांग उठाई। प्राप्त जानकारी के अनुसार 28 मार्च को अधिवक्ता शंकर लाल आगरा से अपने गांव लौट रहे थे। उनकी कार में फास्टैग लगा हुआ था, इसके बावजूद कुराना टोल प्लाजा पर अव्यवस्था के चलते उनकी गाड़ी को काफी देर तक रोके रखा गया। अधिवक्ता ने कई बार टोलकर्मियों से वाहन आगे बढ़ाने का अनुरोध किया, लेकिन उनकी बात अनसुनी कर दी गई। आरोप है कि इसी दौरान टोलकर्मियों ने उनके साथ मारपीट की और लूटपाट की घटना को भी अंजाम दिया। मामले में पुलिस द्वारा प्राथमिकी दर्ज कर ली गई, लेकिन अब तक आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं हो सकी है। घटना के विरोध में सोमवार को वकीलों ने तहसील चौराहे पर मानव श्रृंखला बनाकर सड़क जाम कर दी। इस दौरान वाहनों का आवागमन पूरी तरह बाधित रहा और अधिवक्ता धरने पर बैठकर पुलिस प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी करते रहे। जाम के कारण राहगीरों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। इस बीच कुछ वाहन चालकों और अधिवक्ताओं के बीच हल्की नोकझोंक भी देखने को मिली। प्रदर्शन कर रहे अधिवक्ताओं का कहना था कि घटना को कई दिन बीत जाने के बावजूद पुलिस आरोपियों को गिरफ्तार नहीं कर पाई है, जिससे उनमें गहरा रोष व्याप्त है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि शीघ्र ही आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं की गई तो आंदोलन को और उग्र किया जाएगा। हापुड़ बार एसोसिएशन के अध्यक्ष देवेंद्र और सचिव रवि कुमार ने कहा कि अधिवक्ताओं के साथ इस प्रकार की घटनाएं बर्दाश्त नहीं की जाएंगी और दोषियों को जल्द से जल्द गिरफ्तार कर सख्त कार्रवाई की जाए।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के प्रस्तावित बिजनौर दौरे को लेकर तैयारियों की रूपरेखा तय

बिजनौर (शिखर समाचार)। नगर पालिका परिषद बिजनौर अध्यक्ष इंदिरा सिंह के कैंप कार्यालय पर आयोजित कार्यक्रम में श्यामा प्रसाद मुखर्जी एवं दीनदयाल उपाध्याय के चित्रों पर माल्यार्पण कर पुष्पांजलि अर्पित की गई तथा कार्यालय परिसर में पार्टी ध्वज स्थापित किया गया। कार्यक्रम के दौरान संगठनात्मक एकजुटता और आगामी कार्यक्रमों को लेकर उत्साहपूर्ण माहौल देखने को मिला।

इस अवसर पर वरिष्ठ भाजपा नेता डॉक्टर बीरबल सिंह की अध्यक्षता में नगर पालिका परिषद के सभासदों की एक महत्वपूर्ण बैठक भी आयोजित की गई। बैठक में आगामी 9 अप्रैल को प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के प्रस्तावित बिजनौर आगमन को लेकर व्यापक तैयारियों पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में कार्यक्रम की रूपरेखा तय करते हुए सभी सभासदों को

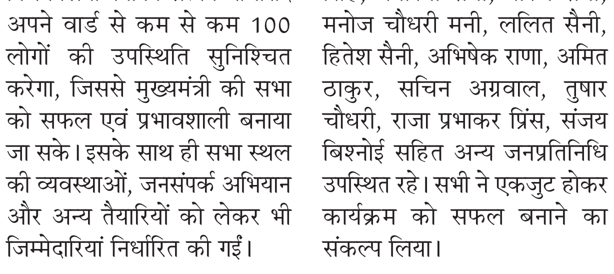

अपने अपने वार्डों से अधिकाधिक जनसमर्थन जुटाने के निर्देश दिए गए।

निर्णय लिया गया कि प्रत्येक सभासद अपने वार्ड से कम से कम 100 लोगों की उपस्थिति सुनिश्चित करेगा, जिससे मुख्यमंत्री की सभा को सफल एवं प्रभावशाली बनाया जा सके। इसके साथ ही सभा स्थल की व्यवस्थाओं, जनसंपर्क अभियान और अन्य तैयारियों को लेकर भी जिम्मेदारियां निर्धारित की गईं।

बैठक में निवर्तमान नगर अध्यक्ष एवं नामित सभासद आशीष अग्रवाल, मानव सचदेवा, पीयूष राज, सुरेंद्र सिंह, मनोरमा शर्मा, नीरज शर्मा, मनोज चौधरी मनी, ललित सैनी, हितेश सैनी, अभिषेक राणा, अमित ठाकुर, सचिन अग्रवाल, तुषार चौधरी, राजा प्रभाकर प्रिंस, संजय बिश्नोई सहित अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे। सभी ने एकजुट होकर कार्यक्रम को सफल बनाने का संकल्प लिया।

ऑपरेशन प्रहार : पुलिस ने लोगों को नशे से दूर रहने के लिए किया जागरूक

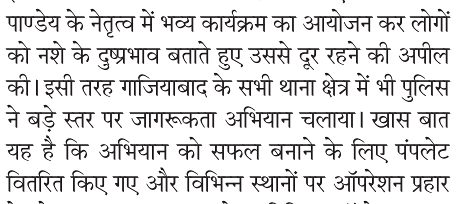

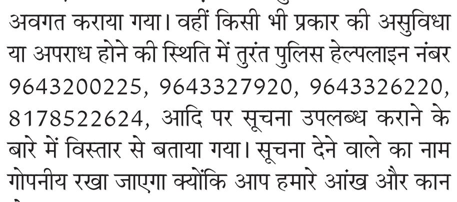

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। ऑपरेशन प्रहार के तहत गाजियाबाद में पुलिस लगातार मादक पदार्थ की तस्करी और बिक्री करने वालों को गिरफ्तार कर रही है। लोगों को नशे से दूर रखने के लिए पुलिस ने जागरूकता अभियान भी चलाया हुआ है और क्राइम के ग्राफ को कम करने के लिए लोगों से सहयोग की अपील की जा रही है। अभियान के तहत पुलिस ने स्कूल से लेकर सड़कों तक जागरूकता अभियान चलाकर नशे से दूरी बनाए रखने की अपील की। इसके अलावा घंटाघर रामनगर ग्राउंड में एसीपी उपासना पाण्डेय के नेतृत्व में भव्य कार्यक्रम का आयोजन कर लोगों को नशे के दुष्प्रभाव बताते हुए उससे दूर रहने की अपील की। इसी तरह गाजियाबाद के सभी थाना क्षेत्र में भी पुलिस ने बड़े स्तर पर जागरूकता अभियान चलाया। खास बात यह है कि अभियान को सफल बनाने के लिए पंपलेट वितरित किए गए और विभिन्न स्थानों पर ऑपरेशन प्रहार के पोस्टर लगवाए गए। इसके अतिरिक्त ऑपरेशन प्रहार के अंतर्गत ग्रामीण जोन के थाना अंकुर विहार क्षेत्र में सहायक पुलिस आयुक्त अंकुर विहार ज्ञान प्रकाश राय, प्रभारी निरीक्षक थाना अंकुर विहार, प्रभारी ऑपरेशन प्रहार थाना अंकुर विहार एवं चौकी डाबर तालाब की पुलिस टीम ने बुद्ध सिंह इंटर कॉलेज बुद्ध नगर डाबर तालाब में विद्यालय के अध्यापकगण, अध्यापिकाओं तथा बच्चों को नशा से होने वाले नुकसान एवं अवैध असलाह से होने वाले अपराध के संबंध में विस्तारपूर्वक जानकारी। उन्हें नशे का स्वयं एवं परिवार पर पड़ने वाले दुष्प्रभावों के संबंध में अवगत कराया गया। वहीं किसी भी प्रकार की असुविधा या अपराध होने की स्थिति में तुरंत पुलिस हेल्पलाइन नंबर 9643200225, 9643327920, 9643326220, 8178522624, आदि पर सूचना उपलब्ध कराने के बारे में विस्तार से बताया गया। सूचना देने वाले का नाम गोपनीय रखा जाएगा क्योंकि आप हमारे आंख और कान हो।

तीरंदाजी में निष्ठा गुप्ता का कमाल, अंडर 15 वर्ग में बनाया राष्ट्रीय रिकॉर्ड

बिजनौर (शिखर समाचार)। जिले की होनहार तीरंदाज खिलाड़ी कुमारी निष्ठा गुप्ता ने शानदार प्रदर्शन करते हुए तीरंदाजी में नया राष्ट्रीय रिकॉर्ड स्थापित कर जनपद का नाम रोशन किया है। अंडर 15 बालिका वर्ग में खेलते हुए निष्ठा ने 720 में से 712 अंक अर्जित कर यह कीर्तिमान अपने नाम किया। जिला क्रीड़ा अधिकारी राजकुमार ने जानकारी देते हुए बताया कि ग्राम शादीपुर निवासी विवेक गुप्ता की पुत्री निष्ठा गुप्ता ने आंध्र प्रदेश के गुंटूर में आयोजित अंडर 15 राष्ट्रीय तीरंदाजी प्रतियोगिता में कंपाउंड वर्ग में भाग लिया। प्रतियोगिता के स्कोरिंग राउंड में निष्ठा ने बेहतरीन

प्रदर्शन करते हुए 720 में से 712 अंक हासिल किए और प्रथम स्थान प्राप्त कर उत्तर प्रदेश को स्वर्ण पदक दिलाया। निष्ठा गुप्ता ने अपने शानदार प्रदर्शन के दम पर 712 अंकों के साथ नया राष्ट्रीय रिकॉर्ड कायम किया। उनकी इस उपलब्धि से न केवल जिले बल्कि पूरे प्रदेश में खुशी की लहर है। जिला क्रीड़ा अधिकारी राजकुमार ने निष्ठा की सराहना करते हुए कहा कि उन्होंने अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन से जिले का मान राष्ट्रीय स्तर पर बढ़ाया है। उन्होंने यह भी बताया कि निष्ठा गुप्ता का चयन पूर्व में भारतीय तीरंदाजी जूनियर टीम के प्रशिक्षण शिविर के लिए भी हो चुका है, जो उनके उज्ज्वल भविष्य की ओर संकेत करता है।

मोदीनगर में पारिवारिक स्वास्थ्य लाभ कार्ड का शुभारंभ, द ग्रेट खली की मौजूदगी से कार्यक्रम बना आकर्षण का केंद्र

मोदीनगर (शिखर समाचार)। मोदीनगर स्थित निवोक सुपर स्पेशलिटी अस्पताल में आयोजित एक भव्य कार्यक्रम के दौरान विश्व प्रसिद्ध पहलवान द ग्रेट खली ने पारिवारिक स्वास्थ्य लाभ कार्ड का शुभारंभ किया। कार्यक्रम में उनके आगमन पर अस्पताल प्रबंधन की ओर से जोरदार स्वागत किया गया और पूरे परिसर में उत्साह का माहौल देखने को मिला। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए अस्पताल के अध्यक्ष अमित शर्मा ने कहा कि संस्थान का मुख्य उद्देश्य मोदीनगर और आसपास के क्षेत्रों के प्रत्येक परिवार तक सस्ती, सुलभ और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाना है। उन्होंने कहा कि आज के समय में स्वास्थ्य सेवाओं की बढ़ती लागत को देखते हुए आमजन के लिए किफायती उपचार उपलब्ध कराना बेहद आवश्यक है, इसी सोच के साथ इस योजना की शुरूआत की गई है। इस कार्ड के माध्यम से परिवारों को एक ही छत के नीचे बेहतर चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। उपाध्यक्ष सचिन अहलावत ने अपने विचार रखते हुए कहा कि यह योजना समाज के हर वर्ग के लिए लाभकारी सिद्ध होगी। उन्होंने बताया कि समय पर उपचार न मिलने के कारण कई बार गंभीर समस्याएं उत्पन्न हो जाती हैं, लेकिन इस प्रकार की योजनाएं लोगों को समय रहते इलाज कराने के लिए प्रेरित करेंगी और स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता को भी बढ़ावा देंगी। निदेशक डॉ अंशिका शर्मा ने बताया कि यह पारिवारिक स्वास्थ्य लाभ कार्ड मात्र 3500 रुपये प्रतिवर्ष में पूरे परिवार के लिए उपलब्ध होगा। उन्होंने कहा कि इस योजना के अंतर्गत विभिन्न चिकित्सा सेवाएं रियायती दरों पर प्रदान की जाएंगी, जिससे लोगों को आर्थिक रूप से राहत मिलेगी और बेहतर स्वास्थ्य सेवाओं तक उनकी पहुंच आसान होगी। कार्यक्रम में पालिका अध्यक्ष विनोद वैशाली, सहकारी गन्ना विकास समिति के अध्यक्ष राजन चौधरी, रालोद जिला अध्यक्ष रामपाल चौधरी, पूर्व विधायक सुदेश शर्मा, भाजपा नेता सत्येंद्र त्यागी, आकाश शर्मा, देवेंद्र चौधरी, बबली गुर्जर, नवीन जायसवाल और ललित त्यागी सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में सभी अतिथियों ने इस पहल की सराहना करते हुए इसे जनहित में महत्वपूर्ण कदम बताया।

आरोग्य चैरिटेबल क्लीनिक का शुभारंभ, 150 रुपये में मिलेगा उपचार

हापुड़ (शिखर समाचार)। फ्रीगंज रोड स्थित आरोग्य चैरिटेबल क्लीनिक का शुभारंभ सोमवार को किया गया। कार्यक्रम में मुख्य चिकित्साधिकारी वेद प्रकाश अग्रवाल और डॉ सुनील त्यागी ने संयुक्त रूप से फीता काटकर क्लीनिक का उद्घाटन किया। डॉ पराग शर्मा ने बताया कि इस क्लीनिक के माध्यम से मात्र 150 रुपये की ओपीडी फीस में सभी वर्गों के लोग, विशेषकर जरूरतमंद और निर्धन, उपचार प्राप्त कर सकेंगे। उन्होंने कहा कि क्लीनिक द्वारा समय-समय पर स्वास्थ्य जागरूकता से जुड़े कार्यक्रम भी आयोजित किए जाएंगे। क्लीनिक का संचालन प्रतिदिन सुबह 9 बजे से 11 बजे तक किया जाएगा, जिससे आमजन को सुलभ और किफायती चिकित्सा सुविधा मिल सके। इस अवसर पर डॉ मीनू सैनी (महिला रोग विशेषज्ञ), डॉ मयंक दीक्षित (बाल रोग विशेषज्ञ), डॉ कार्तिकेय प्रकाश शर्मा (सर्जन), डॉ मनीष माधरे (न्यूरो विशेषज्ञ) सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

स्टंटबाजी पड़ी भारी: ट्रैफिक पुलिस ने दो कारों का 31 हजार रुपये का चालान काटा

हापुड़ (शिखर समाचार)। चलती कारों की खिड़कियों से बाहर निकलकर स्टंटबाजी करना युवकों को भारी पड़ गया। वायरल वीडियो के आधार पर यातायात पुलिस ने कार्रवाई करते हुए दोनों कारों का कुल 31 हजार रुपये का चालान काट दिया। जानकारी के अनुसार सोशल मीडिया पर एक वीडियो तेजी से वायरल हुआ, जिसमें कुछ युवक चलती कारों की खिड़कियों से बाहर निकलकर खतरनाक स्टंट करते नजर आए। वीडियो का संज्ञान लेते हुए ट्रैफिक पुलिस ने तुरंत कार्रवाई की और संबंधित दोनों वाहनों के विरुद्ध चालान कर दिया। पुलिस का कहना है कि इस तरह

की हरकतें न केवल कानून का उल्लंघन हैं, बल्कि इससे चालक और अन्य राहगीरों की जान को भी गंभीर खतरा होता है। यातायात पुलिस ने जनपदवासियों से अपील करते हुए कहा है कि वाहन चलाते समय सभी ट्रैफिक नियमों का पालन करें और किसी भी प्रकार की लापरवाही से बचें। यदि कोई भी व्यक्ति नियमों का उल्लंघन करता पाया गया, तो उसके खिलाफ सख्त वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। पुलिस द्वारा समय-समय पर शिविर और कार्यशालाओं के माध्यम से लोगों को यातायात नियमों के प्रति जागरूक किया जाता है, इसके बावजूद कुछ लोग नियमों की अनदेखी कर अपनी और दूसरों की जान जोखिम में डालते हैं।

भाजपा के झंडे के साथ सीएम योगी ने ली सेल्फी

गोरखपुर में बोले- बाबा साहब की मूर्तियों के पास सफाई अभियान चलेगा

गोरखपुर (एजेंसी)। सीएम योगी गोरखनाथ मंदिर परिसर के हिंदू सेवाश्रम भवन पर भाजपा का झंडा फहराया। इसके बाद भाजपा के झंडे के साथ सेल्फी ली और सभी को स्थापना दिवस की बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। सोमवार को रामलीला मैदान में भाजपा के स्थापना दिवस कार्यक्रम में पहुंचे। सीएम योगी ने कहा- डा. भीमराव अंबेडकर की पावन जयंती पर भाजपा के कार्यकर्ता बूथ स्तर पर बाबा साहब की मूर्तियों के पास एक दिन पहले साफ-सफाई करेंगे और 14 अप्रैल को उनकी प्रतिमा पर पुष्पांजलि की जाएगी। सरकार ने तय किया है कि प्रदेशभर में जहां कहीं भी बाबा साहब की प्रतिमा होगी, वहां प्रतिमा के ऊपर छत्र लगाने का काम, पार्क की बाउंड्री कराने व सुंदरीकरण का काम शुरू किया जाएगा। उन्होंने कहा- कांग्रेस नेतृत्व की सरकार ने जो देश के साथ आजादी के बाद से ही विश्वासघात करना प्रारंभ किया था। ये विश्वासघात हर स्तर पर है। देश के अंदर ही परमिट सिस्टम लागू कर दिया गया। जम्मू-कश्मीर को अलग स्टेट्स दे दिया गया। शेष भारत के लोग परमिट लेकर वहां जाएंगे। पूर्वोत्तर के राज्यों में भी ये व्यवस्था लागू की गई। पहली बार कांग्रेस के इस पृथकतावादी सोच के खिलाफ आवाज श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने आवाज उठाई। उन्होंने नारा दिया कि एक देश में दो प्रधान, दो विधान, दो निशान नहीं चलेंगे। इसके लिए अपने आप को बलिदान दिया था।वहीं कार्यक्रम से पहले गोरखनाथ मंदिर में सुबह सीएम योगी ने जनता दर्शन में करीब 200 लोगों की समस्याएं सुनीं। कई लोग अपने परिवार के इलाज में आर्थिक मदद की गुहार लेकर वहां पहुंचे थे। सीएम ने कहा कि इस्टीमेट बनवाएं इलाज के खर्च में सरकार भरपूर मदद करेगी। अधिकारियों को निर्देशित किया कि हर पीड़ित के साथ संवेदनशील रवैया अपनाया जाए और उसकी समस्या का समाधान कर उसे संतुष्ट किया जाए। इसमें किसी भी तरह की कोताही नहीं होनी चाहिए। जनता दर्शन में एक बिटिया ने कमजोर पारिवारिक आर्थिक स्थिति का जिक्र कर पढ़ाई के लिए फीस जमा करने में आ रही बाधा की बात मुख्यमंत्री को बताई। इस पर सीएम योगी ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि बिटिया की स्कूली फीस की व्यवस्था की जाए। मेयर डॉ. मंगलेश श्रीवास्तव ने गोरखपुर प्रेस क्लब के कार्यकारिणी के 9 सदस्यों को शपथ दिलाई। सीएम योगी ने कहा- हमारी सरकार ने तय किया है 14 अप्रैल को भारत के संविधान के शिल्पी बाबा साहब डा. भीमराव अंबेडकर की पावन जयंती पर भाजपा के कार्यकर्ता बूथ स्तर पर बाबा साहब की मूर्तियों के पास एक दिन पहले साफ-सफाई होगी और 14 को उनकी प्रतिमा पर पुष्पांजलि की जाएगी। सरकार ने तय किया है कि प्रदेशभर में जहां कहीं भी बाबा साहब की प्रतिमा होगी, वहां प्रतिमा के ऊपर छत्र लगाने का काम, पार्क की बाउंड्री कराने व सुंदरीकरण का काम शुरू किया जाएगा। जहां कहीं भी सदगुरु रविदास जी की प्रतिमाएं होंगी वहां भी सुंदरीकरण के काम आगे बढ़ेगा। रामायण के रचयिता महर्षि बाल्मीकि की प्रतिमा होगी, वहां भी स्वच्छता व सुंदरीकरण करना है। इस कार्यक्रम को आगे बढ़ाना है और उसकी सेल्फी लेकर आगे बढ़ाना है। सीएम योगी ने कहा- स्थापना दिवस से 14 अप्रैल बाबा साहब की जयंती तक भाजपा ने कुछ कार्यक्रम तय किए हैं। अलग-अलग दिन हमें उन कार्यक्रमों से जुड़ना होगा। आज हर कार्यकर्ता ने भाजपा का झंडा अपने घर पर लगाया। अब तीन दिन का कार्यक्रम होगा। हर स्तर का कार्यकर्ता अपने क्षेत्र में पदयात्रा निकालें। धूप हो रही है तो सुबह व शाम को निकालें। 2-2 किलोमीटर या 1 किलोमीटर की। पार्टी के पत्रक को घर-घर पहुंचाइए। डबल इंजन सरकार की उपलब्धियों को घर-घर पहुंचाइए। यह गंदगी बीमारी का कारण है। राजनीतिक गंदगी राष्ट्र व प्रदेश को बीमार कर देती है। गंदगी को साफ करने के लिए अभियान चलाना होगा। सांसद रविकिशन ने जब संबोधन शुरू किया तो कालीबाड़ी के महंत रवींद्र दास पर टिप्पणी करते हुए रुक गए, बोले- नाही हो महाराज जी, नाही बोलब, नाही त वायरल हो जाब। ई स्थापना दिवस है। यह विश्व की सबसे बड़ी पार्टी है। न प्रधानमंत्री पर न महाराज जी पर कोई आरोप नहीं है। यह होती है पार्टी, तब बनता है भारत। पहले हमें डराते थे कि पाकिस्तान मारेगा, चीन मारेगा। हम डर-डर के बड़े हुए। सब देश में तेल बंद है लेकिन हमारे देश में आ रहा है। यह संबंधों के कारण है। जो-जो भाजपा के घोषणा पत्र में था, वो सब मिल रहा है। सीएम योगी आदित्यनाथ गोरखपुर जर्नलिस्ट्स प्रेसक्लब की नवनिर्वाचित कार्यकारिणी को शपथ दिलाएंगे। यह कार्यक्रम गोरखपुर क्लब में सुबह 11 बजे से आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम की तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। लगभग एक घंटे तक चलने वाले इस कार्यक्रम में सीएम का संबोधन भी होगा। दिग्विजयनाथ पीजी कॉलेज में सीएम पहुंचेंगे और यहां बनाए गए लैब का लोकार्पण करेंगे। इस कार्यक्रम में सीएम छात्र-छात्राओं को संबोधित भी कर सकते हैं। उसके बाद गोरखनाथ मंदिर जाएंगे। वहां से आजमगढ़ के लिए रवाना होंगे।

सीएम योगी बोले- विरासत का अपमान नहीं होने देंगे

सीएम योगी ने कहा- हम गुलामी के चिह्नों को स्वीकार नहीं करेंगे, विरासत का अपमान नहीं होने देंगे। भाजपा ने अनेक कठिनाइयों का सामना किया है। आपात काल का मुकाबला किया है। राजनीतिक षडयंत्रों का जवाब दिया है। डा. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने देश के लिए खुद को बलिदान कर दिया। जितना बड़ा संगठन होगा उतनी ज्यादा चुनौतियां भी होंगी। भारत आगे बढ़ेगा तो भारत के दुश्मन उसे स्वीकार नहीं कर पाएंगे। दुष्प्रचार करेंगे। तमाम षडयंत्र करेंगे।

सीएम योगी बोले- पं. दीन दयाल के सपनों को साकार कर रहे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी

सीएम योगी ने कहा- जब प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी बने तो देश के लोगों की आंखों में चमक थी और वह लोगों की उम्मीदों पर खरा उतरे। कोई सोचता था कि गरीब के घर शौचालय बनेगा। उसके घर लाइट जलेगी। उन्होंने पं. दीन दयाल जी के सपनों को साकार किया। यह काम हमने अपनी आंखों के सामने देखा है। यह सपना हम साकार होते हुए देख रहे हैं। लखपति दीदी के नाम पर, मातृ वंदना के नाम पर, मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना के नाम पर महिला कल्याण व उनके स्वावलंबन, सुरक्षा का आधार बन रही हैं।

सीएम योगी ने कहा- भाजपा के लिए आप जैसे देवतुल्य कार्यकर्ता जरूरी

सीएम योगी ने कहा- जितना बड़ा दल आज आप देख रहे होंगे, यह यात्रा एक दिन की नहीं है। अनंत काल की इस यात्रा को आगे बढ़ाने के लिए उस हर व्यक्ति को जुड़ना चाहिए जो चाहता हो कि विकसित भारत हो। भाजपा के लिए आप जैसे देवतुल्य कार्यकर्ता जरूरी हैं। सामूहिक रूप से हमारा दायित्व है कि व्यक्ति के लिए नहीं पार्टी के लिए और पार्टी से ऊपर राष्ट्र के लिए हमारा जीवन समर्पित होगा। इसी की प्रेरणा हमें मिली है।

सीएम योगी ने कहा- भाजपा के कथनी और करनी में कोई अंतर नहीं

सीएम योगी ने कहा- बिना भेदभाव के न किसी की जाति देखनी है न किसी का क्षेत्र देखना है, सबको योजना का लाभ मिलना है लेकिन तुष्टिकरण किसी का नहीं करना है। इस भाव से सरकार काम कर रही है। कश्मीर में धारा 370 को समाप्त करके वहां भी भारत का संविधान लागू किया। अटल बिहारी वाजपेयी व लालकृष्ण आडवाणी के नेतृत्व में राम मंदिर बनाने का संकल्प लिया था भाजपा ने, उसे भी साकार किया। जो कहा वह करके दिखाया। जो किया, वही बोला। भाजपा के कथनी और करनी में कोई अंतर नहीं। आचार-विचार में कोई भेदभाव नहीं है।

सीएम योगी बोले- भाजपा में राष्ट्र सर्वोपरि का भाव

सीएम योगी ने कहा- दुनिया में ऐसा उदाहरण नहीं मिलता है कि कोई दल गठित हो और गठन के 16 वर्ष के भीतर उसे सत्ता प्राप्त हो। भाजपा में राष्ट्र सर्वोपरि का भाव है। राष्ट्र प्रथम का भाव है। 6 अप्रैल 1980 को भाजपा का गठन होता है। 1996 में अटल बिहारी वाजपेयी पहली बार देश के प्रधानमंत्री बनते हैं। सरकार अधिक दिन नहीं चली लेकिन एक शुरूआत थी। 18वें वर्ष में वे फिर प्रधानमंत्री के रूप में शपथ लेते हैं और 6 साल सरकार चलाई। उन्होंने अंत्योदय की बात की। ग्रामीण विकास की बात की। उन्होंने भारतीय राजनीति में स्थिरता लाने का काम किया। विकास को बिना भेदभाव के हर तबके के लोगों तक पहुंचाया। देश-दुनिया ने उसे सराहा।

तालिब खालिद प्रकरण पर बढ़ा सियासी घमासान, सपा के बाद कांग्रेस भी उतरी मैदान में

बिजनौर (शिखर समाचार)। बहुचर्चित तालिब खालिद बंधु प्रकरण अब लगातार तूल पकड़ता जा रहा है और यह मामला पूरी तरह राजनीतिक रंग में रंगता दिखाई दे रहा है। एक ओर जहां प्रारंभिक चुप्पी के बाद सत्ताधारी दल के नेता भारतेंद्र सिंह के समर्थन में एकजुट होते नजर आ रहे हैं, वहीं दूसरी ओर विपक्षी दल इस मुद्दे को लेकर सरकार को घेरने में जुट गए हैं। समाजवादी पार्टी द्वारा पहले ही इस मामले को उठाए जाने के बाद अब कांग्रेस भी खुलकर मैदान में उतर आई है और उसने इसे लोकतांत्रिक अधिकारों से जुड़ा बड़ा मुद्दा बताया है। सोमवार को उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी द्वारा गठित प्रतिनिधिमंडल को बिजनौर स्थित जिला कांग्रेस कार्यालय पर पुलिस ने नजरबंद कर दिया। यह प्रतिनिधिमंडल जिला कारागार में बंद तालिब खालिद बंधुओं से मुलाकात करने के लिए जाने वाला था, लेकिन प्रशासन ने पहले ही कार्रवाई करते हुए उनके आवागमन पर रोक लगा दी। इससे कांग्रेस कार्यकताओं में रोष व्याप्त हो गया और मौके पर तनाव की स्थिति बन गई। प्रशासन द्वारा पूर्व मंत्री ओमवती तथा जिलाध्यक्ष हैनरीता सिंह को उनके आवास विकास स्थित निवास पर ही नजरबंद कर दिया गया। इस दौरान जिलाध्यक्ष हैनरीता सिंह की पुलिस अधिकारियों के साथ तीखी नोकझोंक भी हुई। उन्होंने इस कार्रवाई को तानाशाही करार देते हुए कहा कि यह लोकतंत्र की हत्या है और सरकार बदले की भावना से कार्य कर रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि तालिब बंधुओं के साथ अन्याय किया जा रहा है और पुलिस ने बलपूर्वक रोककर उनके संवैधानिक अधिकारों का हनन किया है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय द्वारा इस प्रकरण को गंभीरता से लेते हुए एक प्रतिनिधिमंडल गठित किया गया था, जिसमें ओमवती, हैनरीता सिंह, शहर अध्यक्ष हुमायूं बेग, पूर्व सचिव नीरज चौधरी, चितवन शर्मा और मुनीश त्यागी को शामिल किया गया था। यह सभी नेता जिला कारागार जाकर तालिब बंधुओं से मुलाकात करने वाले थे, किंतु प्रशासन की कार्रवाई के चलते वे अपने उद्देश्य में सफल नहीं हो सके। उधर जिला कांग्रेस कार्यालय पहुंचे नीरज चौधरी, मुनीश त्यागी, विक्रम सिंह, अनिल त्यागी और चितवन शर्मा को भी पुलिस ने नजरबंद कर दिया। इस दौरान कांग्रेस कार्यकताओं और पुलिस के बीच तीखी बहस और नोकझोंक देखने को मिली, जिससे स्थिति और अधिक तनावपूर्ण हो गई। पूर्व सचिव नीरज चौधरी ने पुलिस की इस कार्रवाई का कड़ा विरोध करते हुए कहा कि सत्तारूढ़ दल विपक्ष की आवाज को दबाने के लिए प्रशासनिक तंत्र का दुरुपयोग कर रहा है। उन्होंने चेतावनी दी कि इस पूरे मामले से पार्टी नेतृत्व को अवगत कराया जाएगा और शीघ्र ही व्यापक आंदोलन की रणनीति बनाई जाएगी। कुल मिलाकर तालिब खालिद प्रकरण अब केवल एक कानूनी मामला नहीं रह गया है, बल्कि यह राजनीतिक संघर्ष का केंद्र बन चुका है। जिस तरह से विभिन्न दल इस मुद्दे पर सक्रिय हो रहे हैं, उससे संकेत मिलते हैं कि आने वाले समय में यह प्रकरण और अधिक तूल पकड़ सकता है तथा प्रदेश की राजनीति में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है।

शामली में पांच नामित सभासदों को दिलाई गई शपथ, नगर पालिका बोर्ड हुआ मजबूत

शामली। (शिखर समाचार) नगर पालिका सभागार में सोमवार को शासन द्वारा नामित पांच सभासदों का शपथ ग्रहण समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता चेयरमैन अरविन्द संगल ने की, जबकि एसडीएम अर्चना शर्मा ने सभी नामित सभासदों को राज्य निष्ठा एवं पद की शपथ दिलाई।

शासन के निर्देश पर नगर पालिका शामली में देवानंद गौड, मीरा चावला, हरिओम पाठक, संगीता जिंदल और उत्तम नामदेव को नामित किया गया है। समारोह के दौरान चेयरमैन अरविन्द संगल ने सभी नव-नामित सभासदों का फूलमालाओं और बुके देकर स्वागत किया तथा अतिथियों का आभार व्यक्त किया।

इस मौके पर भाजपा जिलाध्यक्ष रामजी लाल कश्यप ने कहा कि पार्टी के समर्पित और पुराने कार्यकताओं को जिम्मेदारी देकर सम्मानित किया गया है, जो संगठन के लिए गौरव की बात है। पूर्व विधायक तेजेन्द्र निर्वाल ने नगर पालिका बोर्ड को एक परिवार बताते हुए कहा कि नए सदस्यों के जुड़ने से यह और मजबूत होगा। वहीं सदर विधायक प्रसन्न चौधरी ने विकास कार्यों को आगे बढ़ाने के लिए सभी को मिलकर कार्य करने का आह्वान किया।

कार्यक्रम का संचालन ईओ विनोद कुमार सोलंकी ने किया। इस दौरान लोकदल जिलाध्यक्ष वाजिद अली सहित कई गणमान्य लोग एवं सभासद उपस्थित रहे।

ऑटो चालक पर हमला, अज्ञात हमलावरों के खिलाफ मुकदमा दर्ज

दादरी (शिखर समाचार)। कोतवाली दादरी क्षेत्र में जीटी रोड स्थित नगर पालिका कार्यालय के समीप एक ऑटो चालक के साथ अज्ञात लोगों द्वारा मारपीट किए जाने का मामला सामने आया है। हमले में चालक गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसे उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार बढ़पुरा गांव निवासी शिवानी अपने परिवार के साथ रहती हैं। उनके पति करण भाटी ऑटो चालक हैं। बीती 4 अप्रैल को वह नगर पालिका कार्यालय के सामने ऑटो खड़ा किए हुए थे, तभी किसी बात को लेकर अज्ञात लोगों से उनका विवाद हो गया। देखते ही देखते विवाद ने हिंसक रूप ले लिया और आरोपियों ने करण भाटी के साथ बेरहमी से मारपीट कर दी।

हमले में करण भाटी के सिर और चेहरे पर गंभीर चोटें आईं। घटना को अंजाम देने के बाद आरोपी मौके से फरार हो गए। सूचना मिलने पर परिजन मौके पर पहुंचे और घायल को तुरंत मोहन स्वरूप अस्पताल में भर्ती कराया, जहां उनका इलाज जारी है। बताया जा रहा है कि उपचार के बाद भी उन्हें अभी तक पूरी तरह होश नहीं आया है। एसीपी जितेंद्र कुमार ने बताया कि घायल की पत्नी की तहरीर पर अज्ञात हमलावरों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है। पुलिस घटना की जांच कर रही है और आरोपियों की तलाश में जुटी है।

सरकारी 35 बीघा भूमि को अतिक्रमण मुक्त कराने की मांग, मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा

दादरी (शिखर समाचार)। नगर क्षेत्र में स्थित वैदिक कन्या विद्यालय के नाम दर्ज लगभग 35 बीघा सरकारी भूमि को अतिक्रमण से मुक्त कराने की मांग को लेकर गौ रक्षा हिंदू दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष वेद नागर ने मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन उपजिलाधिकारी को सौंपा। ज्ञापन के माध्यम से उन्होंने प्रशासन से शीघ्र कार्रवाई करते हुए भूमि को अवैध कब्जे से मुक्त कराने की मांग की। सौंपे गए ज्ञापन में कहा गया कि उक्त भूमि पर सुनियोजित तरीके से अवैध कब्जा किए जाने के आरोप सामने आ रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि बिना किसी वैधानिक अनुमति के भूमि की प्रकृति बदलने का प्रयास किया जा रहा है, जिससे विवाद की स्थिति उत्पन्न हो रही है। साथ ही इस प्रकरण में स्थानीय प्रशासन की भूमिका पर भी सवाल उठाए गए हैं।

ज्ञापन में यह भी उल्लेख किया गया कि प्रदेश सरकार द्वारा सरकारी भूमि को अतिक्रमण मुक्त कराने के निर्देश दिए गए हैं, लेकिन इसके बावजूद संबंधित मामले में प्रभावी कार्रवाई नहीं हो रही है। उन्होंने पूरे प्रकरण की उच्च स्तरीय जांच कराने तथा दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने की मांग की। वेद नागर ने चेतावनी दी कि यदि समय रहते भूमि को अतिक्रमण से मुक्त नहीं कराया गया तो संगठन आंदोलन करने को बाध्य होगा।

निमार्णाधीन मकान से लाखों का सामान पार, एक माह बाद दर्ज हुई रिपोर्ट

जेवर (शिखर समाचार)। जेवर क्षेत्र के मंगरौली रोड स्थित एक निमार्णाधीन मकान को चोरों ने निशाना बनाते हुए लाखों रुपये का सामान पार कर दिया। हैरानी की बात यह है कि घटना के करीब एक माह बाद पुलिस ने इस मामले में रिपोर्ट दर्ज की है। प्राप्त जानकारी के अनुसार महेंद्र सिंह, निवासी किला रोड खुर्जा, ने पुलिस को दी गई शिकायत में बताया कि उनका मकान मंगरौली रोड पर निमार्णाधीन है। 1 मार्च की रात करीब 10:30 बजे अज्ञात चोर मकान में घुस आए और वहां रखा कॉपर तार के लगभग 15 बंडल, पाइप फिटिंग के गेट वाल्व सहित अन्य कीमती सामान चोरी कर ले गए। घटना की जानकारी पीड़ित को अगले दिन सुबह हुई, जिसके बाद उन्होंने संबंधित अधिकारियों को सूचना दी। पीड़ित ने यह भी बताया कि इससे पहले 25 सितंबर को भी इसी निमार्णाधीन मकान में चोरी की घटना हो चुकी है। लगातार हो रही चोरियों से क्षेत्र के लोगों में दहशत का माहौल है। स्थानीय लोगों ने पुलिस से गश्त बढ़ाने और ऐसी घटनाओं पर अंकुश लगाने की मांग की है।

मीट व्यापारी पर चाकू से हमला, एक लाख से अधिक की नकदी लूटी

दादरी (शिखर समाचार) । कोतवाली दादरी क्षेत्र के जीटी रोड पर बाइक से जा रहे एक मीट व्यापारी को बदमाशों ने रोककर लूट की वारदात को अंजाम दिया। विरोध करने पर बदमाशों ने चाकू मारकर व्यापारी को गंभीर रूप से घायल कर दिया और मौके से फरार हो गए। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी है। मिली जानकारी के अनुसार सिकंदराबाद निवासी मीट व्यापारी आरिफ अपने परिवार के साथ रहते हैं। रविवार रात वह बाइक से गाजियाबाद से सिकंदराबाद की ओर जा रहे थे। जैसे ही वह जीटी रोड बाईपास पर पहुंचे, कार सवार बदमाशों ने ओवरटेक कर उनकी बाइक रुकवा ली। इसके बाद बदमाशों ने जान से मारने की धमकी देकर व्यापारी से एक लाख रुपये से अधिक की नकदी लूट ली।

विरोध करने पर बदमाशों ने व्यापारी पर चाकू से हमला कर दिया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गए। शोर मचाने पर आसपास के लोग जुटने लगे, जिसके बाद बदमाश मौके से फरार हो गए। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और घायल व्यापारी को उपचार के लिए अस्पताल भिजवाया।

इलाहाबाद उच्च न्यायालय का अहम फैसला : 22 वर्ष पुराने आपराधिक मामले की कार्यवाही निरस्त

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने एक महत्वपूर्ण निर्णय देते हुए लगभग 22 वर्ष पुराने आपराधिक मामले में चल रही समस्त कार्यवाही को निरस्त कर दिया है। यह आदेश माननीय न्यायमूर्ति सौरभ श्रीवास्तव की एकल पीठ द्वारा पारित किया गया।

प्रकरण में आलोक गोयल सहित चार अन्य आवेदकों द्वारा दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 528 के अंतर्गत याचिका प्रस्तुत कर गाजियाबाद के कोतवाली थाना क्षेत्र से संबंधित अपराध संख्या 617 वर्ष 2004 में दर्ज मुकदमे की कार्यवाही समाप्त करने की मांग की गई थी। उक्त मामले में भारतीय दंड संहिता की धारा 409, 420, 467, 468, 471 एवं 120-बी के अंतर्गत आरोप लगाए गए थे, जो कि वर्तमान में सिविल न्यायाधीश (सीनियर डिवीजन), न्यायालय संख्या-5, गाजियाबाद में विचाराधीन था। आवेदकों की ओर से अधिवक्ता अपूर्व हजेला ने न्यायालय के समक्ष पक्ष रखते हुए बताया कि आवेदक संबंधित बैंक में कार्यरत थे तथा चेक समाशोधन की प्रक्रिया के दौरान उनके विरुद्ध अनियमितता के आरोप लगाए गए थे। किंतु बाद में बैंक द्वारा विस्तृत विभागीय जांच कराई गई, जिसकी दिनांक 23 अगस्त 2010 की जांच रिपोर्ट में किसी भी प्रकार की अनियमितता सिद्ध नहीं पाई गई। इसके उपरांत बैंक ने न केवल आवेदकों को बल्कि उन ग्राहकों को भी अनापत्ति प्रमाण पत्र जारी कर दिया, जिनके चेक समाशोधित किए गए थे।

याचिका में यह भी अवगत कराया गया कि बैंक द्वारा स्वयं दिनांक 20 अप्रैल 2011 को एक प्रार्थना पत्र प्रस्तुत कर अपराधों के समझौते हेतु अनुरोध किया गया था, जिसमें स्पष्ट रूप से कहा गया कि विभागीय जांच में किसी प्रकार की गड़बड़ी नहीं पाई गई, अतः प्राथमिकी दर्ज किए जाने का कोई औचित्य नहीं था। न्यायालय में प्रस्तुत इन तथ्यों का खंडन बैंक की ओर से उपस्थित अधिवक्ता द्वारा भी नहीं किया गया।

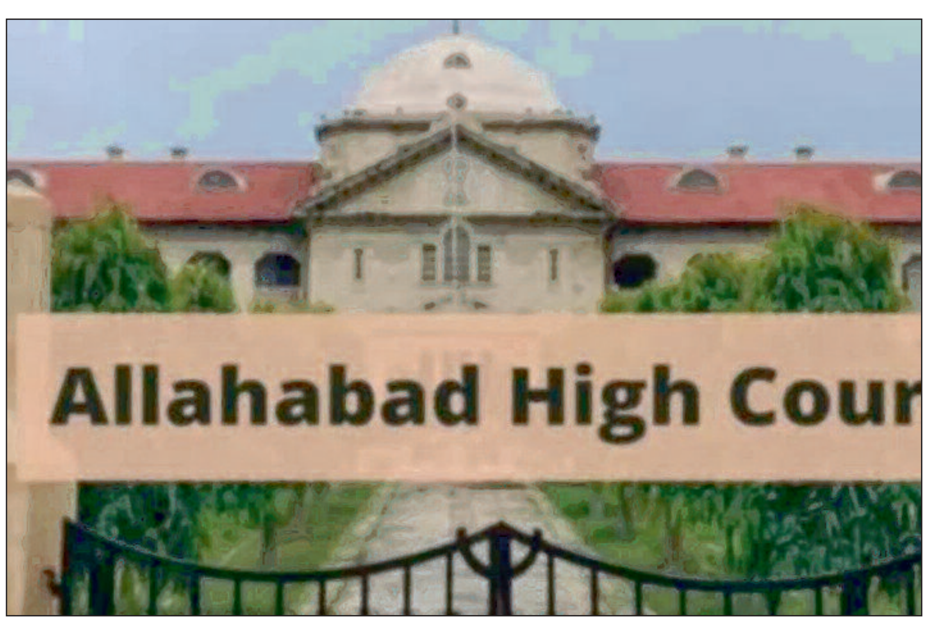

समस्त परिस्थितियों का अवलोकन करने के उपरांत न्यायालय ने अपने निर्णय में कहा कि जब विभागीय जांच में आवेदकों के विरुद्ध लगाए गए आरोप असत्य पाए गए हैं तथा संबंधित संस्था द्वारा स्वयं उन्हें अनापत्ति प्रदान कर दी गई है, तब ऐसे में आपराधिक मुकदमे को जारी रखना दुर्भावनापूर्ण अभियोजन की श्रेणी में आता है। न्यायालय ने स्पष्ट किया कि इस प्रकार की कार्यवाही न्याय के सिद्धांतों के विपरीत है।

इसी आधार पर न्यायालय ने विचाराधीन वाद संख्या 6464 वर्ष 2025 (राज्य बनाम हरिकेश एवं अन्य), अपराध संख्या 617 वर्ष 2004 से संबंधित संपूर्ण कार्यवाही, जिसमें दिनांक 11 फरवरी 2006 की आरोप पत्र तथा 21 फरवरी 2006 का संज्ञान एवं समन आदेश शामिल है, को निरस्त कर दिया।

न्यायालय के इस निर्णय से आवेदकों को बड़ी राहत मिली है और यह भी स्पष्ट संदेश गया है कि जब किसी प्रकरण में विभागीय स्तर पर आरोप असत्य सिद्ध हो जाएं, तो अनावश्यक रूप से आपराधिक कार्यवाही को जारी नहीं रखा जा सकता।

विधान परिषद की विनियमन समीक्षा समिति की बैठक संपन्न, अधिकारियों को दिए दिशा निर्देश

ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार) उत्तर प्रदेश विधान परिषद की विनियमन समीक्षा समिति की बैठक सोमवार को कलेक्ट्रेट सभागार गौतमबुद्धनगर में सभापति अश्विनी त्यागी की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में जनपद के विभिन्न विभागों के अधिकारियों के साथ निर्धारित 10 बिंदुओं पर विस्तृत समीक्षा की गई।

बैठक के दौरान तीनों प्राधिकरणों, पुलिस, राजस्व, स्वास्थ्य, परिवहन, लोक निर्माण और शिक्षा विभाग सहित अन्य विभागों के कार्यों की समीक्षा की गई। वर्ष 2024 से अब तक विधान मंडल के सदस्यों से प्राप्त पत्रों, विकास कार्यों से जुड़े प्रस्तावों तथा जनप्रतिनिधियों के पत्राचार के निस्तारण की स्थिति पर विशेष चर्चा हुई। इसके साथ ही शासकीय कार्यक्रमों में प्रोटोकॉल के अनुपालन, जनप्रतिनिधि रजिस्टर की उपलब्धता, प्रोटोकॉल उल्लंघन से संबंधित मामलों तथा जनपद स्तर पर आयोजित प्रमुख सरकारी कार्यक्रमों की भी समीक्षा की गई। सभापति ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि जनप्रतिनिधियों के पत्रों पर समयबद्ध एवं प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए तथा समिति द्वारा मांगी गई सूचनाएं निर्धारित समयसीमा में उपलब्ध कराई जाएं। बैठक में मानव सम्पदा पोर्टल पर अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा संपत्ति विवरण प्रस्तुत करने की स्थिति और भ्रष्टाचार संबंधी शिकायतों पर की गई कार्रवाई की भी समीक्षा की गई। समिति ने निर्देशित किया कि जनहित से जुड़े लंबित मामलों का शीघ्र निस्तारण प्राथमिकता के आधार पर किया जाए तथा शासन की मंशा के अनुरूप पारदर्शिता, जवाबदेही और समयबद्धता सुनिश्चित की जाए। इसके अतिरिक्त सफाई कर्मचारियों का सत्यापन कराने तथा पात्र लाभार्थियों के शत प्रतिशत आयुष्मान कार्ड बनाए जाने के निर्देश भी दिए गए। जिलाधिकारी ने सभापति को अब तक की गई कार्यवाहियों से अवगत कराया और आश्वस्त किया कि बैठक में दिए गए सभी निर्देशों का प्रभावी अनुपालन सुनिश्चित कराया जाएगा। बैठक में समिति के सदस्य पवन कुमार सिंह, धर्मेन्द्र भारद्वाज, विरेन्द्र सिंह, ओमप्रकाश सिंह, श्रीचन्द शर्मा, दिनेश कुमार गोयल, जिला अध्यक्ष अभिषेक शर्मा तथा जिलाधिकारी मेधा रूपम सहित अन्य जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

बीकेयू यूनिक ने किसानों की समस्याओं को लेकर सौंपा ज्ञापन

जेवर (शिखर समाचार)। भारतीय किसान यूनियन यूनिक के पदाधिकारियों और कार्यकताओं ने किसानों की विभिन्न समस्याओं को लेकर तहसील पहुंचकर एसडीएम को मुख्यमंत्री और जिलाधिकारी के नाम ज्ञापन सौंपा। संगठन ने मांगों का शीघ्र समाधान करने की अपील की है।

राष्ट्रीय अध्यक्ष ठाकुर महेश सिंह और राष्ट्रीय महासचिव संजीव शर्मा के नेतृत्व में यूनियन के कार्यकर्ता तहसील परिसर में एकत्र हुए। इस दौरान संजीव शर्मा ने बताया कि क्षेत्र में गेहूं खरीद के लिए सरकारी कांटा अभी तक शुरू नहीं हुआ है, जिससे किसानों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने जल्द से जल्द कांटा शुरू कराने की मांग उठाई।

इसके साथ ही हाल ही में हुई भारी बारिश और ओलावृष्टि से किसानों की फसलें बर्बाद हो गई हैं, जिनका शीघ्र मुआवजा दिलाने की भी मांग की गई। इन सभी समस्याओं को लेकर एसडीएम दुर्गेश सिंह को ज्ञापन सौंपते हुए शासन-प्रशासन से त्वरित कार्रवाई की अपेक्षा जताई गई।

इस मौके पर मास्टर धर्म सिंह (राष्ट्रीय सलाहकार), नवाब कुरैशी (राष्ट्रीय उपाध्यक्ष), नाथी प्रधान (राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष), अनिल शर्मा (राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रतिनिधि), संजय शर्मा, मोनू वर्मा, मोनू बघेल, सुभाष प्रधान, रोहतास फौजी, हरिओम भाटी सहित कई कार्यकर्ता मौजूद रहे।

एमिटी विश्वविद्यालय द्वारा पीली क्रांति को बढ़ावा, किसानों में जागरूकता बढ़ाने का प्रयास

ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार)। सरसों के क्षेत्रफल एवं उत्पादन को बढ़ाने के उद्देश्य से वर्ष 1986 में तिलहन तकनीकी मिशन की स्थापना की गई थी। इसके परिणामस्वरूप फसल के क्षेत्रफल एवं उत्पादकता में उल्लेखनीय वृद्धि हुई, जिसे पीली क्रांति के नाम से जाना जाता है।

इसी क्रम को आगे बढ़ाते हुए एमिटी कृषि प्रसार सेवा केंद्र द्वारा वर्ष 2013 से गौतम बुद्ध नगर और बुलंदशहर जिलों में किसानों के खेतों पर सरसों की उन्नत तकनीकों का प्रसार किया जा रहा है। यह कार्य भारतीय सरसों अनुसंधान संस्थान, सेवर (भरतपुर, राजस्थान) के सहयोग से किया जा रहा है। वर्ष 2025-26 के अंतर्गत केंद्र द्वारा 50 किसानों के खेतों पर सरसों की उन्नतशील प्रजाति डीआरएमआर 1165-40 (रुक्मणी) का अग्रिम पंक्ति प्रदर्शन कराया गया। इस पहल का उद्देश्य किसानों को आधुनिक कृषि तकनीकों से जोड़कर उनकी आय में वृद्धि करना है।

किसानों में जागरूकता बढ़ाने के लिए दादरी ब्लॉक के गांव कलौंदा में सरसों पर क्षेत्र दिवस कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम केंद्र प्रभारी डॉ. नीतू सिंह के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ, जिसमें लगभग 40 किसानों और कृषि विशेषज्ञों ने भाग लिया। कार्यक्रम में उपस्थित किसानों सुखवीर, राजवीर, हुकुमवीर, रविंद्र, वीरेंद्र, सुंदर, सुभाष, अशोक, गौरव, ओमकार, कमलेश आदि ने अपनी प्रतिक्रिया में प्रसन्नता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि ऐसे कार्यक्रम भविष्य में भी आयोजित होते रहने चाहिए, जिससे अधिक से अधिक किसान लाभान्वित हों और कृषि क्षेत्र में आत्मनिर्भरता को बढ़ावा मिले।

आपूर्ति व पुलिस विभाग की संयुक्त छापेमारी, अवैध गैस रिफिलिंग का भंडाफोड़

ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार)। आपूर्ति विभाग और पुलिस की संयुक्त टीम ने बड़ी कार्रवाई करते हुए घरेलू गैस सिलेंडरों से अवैध रिफिलिंग के कारोबार का पदार्फाश किया है। इस दौरान मौके से भारी मात्रा में सिलेंडर और उपकरण बरामद किए गए हैं।

प्रभारी जिला पूर्ति अधिकारी स्मृति गौतम ने जानकारी देते हुए बताया कि 4 अप्रैल की शाम करीब 5 बजे थाना दादरी क्षेत्र के नत्थू चौक स्थित तुलसी विहार कॉलोनी में विनय कुमार के मकान पर छापेमारी की गई। कार्रवाई के दौरान टीम ने 2 भरे हुए घरेलू गैस सिलेंडर (14.2 किग्रा), 11 खाली घरेलू सिलेंडर विभिन्न कंपनियों के तथा एक 5 किग्रा का गैर-आईएसआई छोटा सिलेंडर बरामद किया। इसके अलावा मौके से अवैध रिफिलिंग में प्रयुक्त होने वाले उपकरण भी जब्त किए गए, जिनमें इलेक्ट्रॉनिक वजन मशीन, रिफिलिंग नोजल युक्त मशीन, रबर पाइप और रेगुलेटर शामिल हैं।

जांच में सामने आया कि आरोपी विनय कुमार घरेलू सिलेंडरों से छोटे गैर-मानक सिलेंडरों में गैस भरकर अवैध रूप से बेच रहा था, जिससे न केवल गैस आपूर्ति प्रभावित हो रही थी बल्कि गंभीर हादसे की आशंका भी बनी हुई थी।

यह कृत्य द्रवित पेट्रोलियम गैस (आपूर्ति एवं वितरण का विनियमन) आदेश-2000 का उल्लंघन है, जो आवश्यक वस्तु अधिनियम 1955 की धारा 3/7 के अंतर्गत दंडनीय अपराध है। पुलिस ने आरोपी विनय कुमार निवासी एटा (वर्तमान पता दादरी) समेत अन्य संलिप्त लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर आगे की कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है।

सहारनपुर की विलुप्त सिंधुली नदी को प्रशासन ने भागीरथी प्रयासों से किया पुनर्जीवित

प्रवीण वशिष्ठ
शामली/सहारनपुर (शिखर समाचार)।
सहारनपुर की वर्षों से विलुप्त पड़ी सिंधुली नदी को प्रशासन ने कड़ी मेहनत और सुनियोजित प्रयासों के जरिए पुनर्जीवित करने में बड़ी सफलता हासिल की है। लगभग 1960 के दशक में लुप्त हो चुकी इस नदी को फिर से अस्तित्व में लाने का कार्य जिलाधिकारी मनीष बंसल के नेतृत्व में शुरू किया गया, जिन्होंने 24 जून 2024 को कार्यभार संभालने के बाद इस महत्वाकांक्षी योजना पर काम शुरू कराया।

करीब 53.532 किलोमीटर लंबी यह नदी सहारनपुर की नकुड़ तहसील के बिसनपुरा गांव से निकलकर शामली जिले के ऊन ब्लॉक के ख्वाजपुर गांव तक जाती है। अपने पुराने स्वरूप में यह नदी यमुना नदी के अतिरिक्त जल और बरसाती पानी को बहाकर क्षेत्र में बाढ़ नियंत्रण और सिंचाई में अहम भूमिका निभाती थी।

लेकिन 1962 के बाद धीरे-धीरे यह नदी सूख गई और इसके किनारों पर अवैध कब्जे होने लगेक्षकहीं मकान बन गए तो कहीं खेती शुरू हो गई। प्रशासन ने राजस्व, ग्राम विकास और सिंचाई विभाग के समन्वय से इस नदी को पुनर्जीवित करने के लिए युद्धस्तर पर अभियान चलाया। मनरेगा के तहत अवैध कब्जे हटाकर नदी की खुदाई कराई गई। सहारनपुर में नदी का लगभग 28.926 किमी और शामली में 24.606 किमी हिस्सा आता है, जिसमें शामली क्षेत्र में नदी पूरी तरह लुप्त नहीं हुई थी। इस परियोजना की निगरानी सीडीओ सुमित राजेश महाजन द्वारा की जा रही है। प्रशासन ने ड्रोन सर्वे और रिमोट सेंसिंग तकनीक की मदद से नदी की पुरानी धारा को चिन्हित किया और उसके बाद अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की।

हालांकि, कुछ स्थानों पर अवैध कब्जे अब भी सामने आए हैं। लखनौती क्षेत्र में हाल ही में एक व्यक्ति द्वारा बनाए गए निर्माण को हटाने के निर्देश दिए गए हैं। वहीं साकरोर और शकरपुर के बीच कुछ किसानों द्वारा बोई गई फसल की कटाई के बाद खुदाई कार्य फिर शुरू किया जाएगा।

सिंचाई विभाग के अनुसार, वर्तमान में यह नदी सीधे यमुना नदी से जुड़ी नहीं है। इसका उद्गम गांव किशनपुरपुरा के एक सूखे तालाब से होता है और यह बरसाती नदी के रूप में कार्य करेगी, जो अपने जलग्रहण क्षेत्र से पानी लेकर शामली तक प्रवाहित होगी।

परियोजना का अधिकांश कार्य पूरा हो चुका है और केवल आधा से एक किलोमीटर हिस्सा शेष है। प्रशासन को उम्मीद है कि आगामी बरसात में सिंधुली नदी एक बार फिर अपने अस्तित्व के साथ बहती हुई नजर आएगी, जिससे क्षेत्र में जल प्रबंधन और खेती को बड़ा लाभ मिलेगा।

बुढ़ाना बार की नई कार्यकारिणी ने ली शपथ, न्याय व्यवस्था मजबूत करने का लिया संकल्प

बुढ़ाना/मुजफ्फरनगर (शिखर समाचार)। कस्बे के तहसील सभागार में सोमवार को बुढ़ाना बार एसोसिएशन की नई कार्यकारिणी का शपथ ग्रहण समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में जनपद न्यायाधीश बिरेंद्र कुमार सिंह मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए।

समारोह का संचालन एल्डर कमेटी के अध्यक्ष हरबीर सिंह और संजीव पंवार ने संयुक्त रूप से किया। मुख्य अतिथि बिरेंद्र कुमार सिंह ने नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि अधिवक्ताओं की जिम्मेदारी है कि वे न्याय को समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने का कार्य करें तथा कानून के दायरे में रहकर बार और समाज के हित में कार्य करें। बार अध्यक्ष सुरेशपाल वर्मा ने कहा कि कार्य के दौरान आने वाले दबाव का असर न्याय प्रक्रिया पर नहीं पड़ना चाहिए। वहीं बार महासचिव सुभाष राठी ने अधिवक्ताओं से अपील की कि वे ऐसा कोई कार्य न करें जिससे न्याय व्यवस्था को क्षति पहुंचे। उन्होंने यह भी कहा कि अधिवक्ताओं के बीच बढ़ रहे कम्युनिकेशन गैप को समाप्त करना आवश्यक है।

कार्यक्रम के दौरान नई कार्यकारिणी के सभी पदाधिकारियों को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई गई। इस मौके पर एसडीएम कृष्णकांत विश्वकर्मा, सीओ गजेंद्र पाल सिंह, तहसीलदार महेंद्र सिंह सहित विनोद त्यागी, विनय बालियान, अशोक राठी, बाबू सिंह राठी, मोहिद मलिक, प्रशांत शर्मा, सीमा पंवार, अंकित शर्मा, विकास त्यागी, परमजीत मलिक, अनुज, परवेश और शालू सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

खतौली पालिका चेयरमैन हाजी शाहनवाज लालू की शक्तियां बहाल, समर्थकों में खुशी की लहर

खतौली / मुजफ्फरनगर (शिखर समाचार)।
खतौली नगर पालिका परिषद के अध्यक्ष हाजी शाहनवाज लालू की वित्तीय एवं प्रशासनिक शक्तियां बहाल होने के बाद क्षेत्र में राजनीतिक माहौल गर्म हो गया है। समर्थकों ने इस फैसले को सच्चाई की जीत बताते हुए खुशी जाहिर की, वहीं चेयरमैन ने भी इसे जनता की जीत करार दिया।

खतौली पालिका चेयरमैन हाजी शाहनवाज लालू

चेयरमैन हाजी शाहनवाज लालू ने कहा कि यह केवल मेरी जीत नहीं, बल्कि खतौली की जनता की जीत है। विरोधियों ने साजिश रचकर विकास कार्यों को रोकने की कोशिश की थी, लेकिन सच की जीत हुई है। बताया गया कि इलाहाबाद हाईकोर्ट ने 8 नवंबर 2023 को जारी उस आदेश को निरस्त कर दिया, जिसके तहत चेयरमैन की वित्तीय और प्रशासनिक शक्तियों पर रोक लगा दी गई थी। इस मामले में चेयरमैन ने लंबी कानूनी लड़ाई लड़ी और हाईकोर्ट से स्टे मिलने के बाद वे कार्य करते रहे। मामले की जड़ में उनके जाति प्रमाण पत्र को लेकर विवाद था, जिसे विपक्ष ने चुनौती दी थी। हालांकि, हाईकोर्ट पहले ही जिला व राज्य स्तरीय समितियों के उन आदेशों को रद्द कर चुका था, जिनमें प्रमाण पत्र को अवैध बताया गया था। अदालत ने स्पष्ट रूप से प्रमाण पत्र को वैध माना। इसके खिलाफ विपक्षी पक्ष द्वारा सुप्रीम कोर्ट में अपील की गई, लेकिन 14 अगस्त 2025 को सुप्रीम कोर्ट ने भी अपील खारिज कर दी। इसके बाद हाईकोर्ट की डिवीजन बेंच ने सुनवाई के दौरान कहा कि जब जाति प्रमाण पत्र की वैधता पर कोई विवाद शेष नहीं है, तो चेयरमैन की शक्तियों पर रोक बनाए रखना कानून सम्मत नहीं है। अदालत ने यह भी माना कि सर्वोच्च न्यायालय द्वारा प्रमाण पत्र को वैध ठहराए जाने के बाद 2023 का आदेश स्वतः ही प्रभावहीन हो गया। सरकारी अधिवक्ता ने भी इस तथ्य का विरोध नहीं किया।

फैसले के बाद चेयरमैन के समर्थकों में खुशी का माहौल है और इसे क्षेत्र में विकास कार्यों के लिए सकारात्मक संकेत माना जा रहा है।

रेलवे फाटक 62सी मरम्मत के चलते 11 अप्रैल तक बंद, वैकल्पिक मार्ग से होगा आवागमन

हापुड़ (शिखर समाचार)। थाना बाबूगढ़ क्षेत्र के कुचेसर रोड सिंभावली सेक्शन पर स्थित रेलवे फाटक संख्या 62सी को रेलपथ मरम्मत कार्य के चलते 6 अप्रैल से 11 अप्रैल तक अस्थायी रूप से बंद कर दिया गया है। इस दौरान सभी प्रकार के वाहनों का आवागमन शकरपुर स्थित रेलवे फाटक संख्या 61 से कराया जाएगा। सीनियर सेक्शन इंजीनियर जगबीर सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि कुचेसर रोड चौपला के पास स्थित इस रेलवे फाटक पर आवश्यक मरम्मत और ट्रैक सुधार कार्य किया जाना है। इसके लिए 6 अप्रैल की सुबह 8 बजे से 11 अप्रैल की रात्रि 8 बजे तक फाटक पूरी तरह बंद रहेगा। इस अवधि में किसी भी वाहन को फाटक से गुजरने की अनुमति नहीं होगी। यात्रियों और स्थानीय निवासियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए प्रशासन द्वारा वैकल्पिक मार्ग की व्यवस्था की गई है। सभी वाहन चालकों से अपील की गई है कि वे शकरपुर रेलवे फाटक संख्या 61 का ही उपयोग करें और यातायात नियमों का पालन करें, ताकि किसी प्रकार की असुविधा या दुर्घटना से बचा जा सके।

मिलावटी खाद्य पदार्थों पर सख्तीः 15 प्रतिष्ठानों पर 5.65 लाख का जुमार्ना

हापुड़ (शिखर समाचार)। शासन के आदेश और जिलाधिकारी के निर्देश पर चलाए गए विशेष अभियान में खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग की बड़ी कार्रवाई सामने आई है। विभाग द्वारा जनवरी व मार्च माह में लिए गए खाद्य पदार्थों के नमूनों की जांच में कई नमूने फेल पाए गए, जिसके बाद न्यायालय ने जिले के 15 प्रतिष्ठानों पर कुल 5 लाख 65 हजार रुपये का जुमार्ना लगाया है। कार्रवाई की जानकारी मिलते ही संबंधित कारोबारियों में हड़कंप मच गया है। खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग के सहायक आयुक्त द्वितीय सुनील कुमार ने बताया कि अभियान के दौरान पनीर, सरसों का तेल, सफेद रसगुल्ला, जूस, दाल, दूध, आइसक्रीम समेत विभिन्न खाद्य पदार्थों के नमूने लिए गए थे। जांच में कई नमूने मानकों पर खरे नहीं उतरे। इसके बाद न्यायालय ने संबंधित प्रतिष्ठानों पर आर्थिक दंड लगाया। उन्होंने बताया कि गढ़मुक्तेश्वर स्थित न्यू इंडिया स्वीट्स कॉर्नर से लिए गए सफेद रसगुल्ले के नमूने के फेल होने पर न्यायालय ने एक लाख रुपये का जुमार्ना लगाया। इसके अलावा अन्य प्रतिष्ठानों के नमूनों में भी अधोमानक और असुरक्षित खाद्य पदार्थ पाए गए, जिन पर नियमानुसार कार्रवाई की गई। विभाग के अनुसार जांच में पैकेज्ड पेयजल, छैना रसगुल्ला, बूंदी लड्डू, सफेद रसगुल्ला, दाल, सरसों का तेल, जूस और दूध जैसे उत्पादों की गुणवत्ता संतोषजनक नहीं पाई गई। रिपोर्ट के आधार पर आगे की वैधानिक प्रक्रिया जारी है। सहायक आयुक्त सुनील कुमार ने स्पष्ट किया कि जनपद में मिलावटखोरों के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा। विशेष रूप से आगामी त्योहारों को देखते हुए खाद्य एवं पेय पदार्थों के अधिक से अधिक नमूने लेकर जांच की जाएगी, ताकि आम जनता को शुद्ध और सुरक्षित खाद्य सामग्री उपलब्ध कराई जा सके।

शादी का झांसा देकर तीन साल तक शोषण, खुलासा होने पर पति ने पत्नी व बच्चों को घर से निकाला

हापुड़ (शिखर समाचार)। थाना हापुड़ देहात क्षेत्र के एक मोहल्ले से महिला शोषण का गंभीर मामला सामने आया है। एक विवाहिता ने अपने ही मोहल्ले के युवक पर शादी का झांसा देकर तीन वर्षों तक शारीरिक संबंध बनाने का आरोप लगाया है। मामले का खुलासा होने के बाद महिला के पति ने उसे बच्चों सहित घर से निकाल दिया, जिसके चलते पीड़िता अब किराये के मकान में रहने को मजबूर है। पीड़िता के अनुसार वह अपने पति और बच्चों के साथ हापुड़ के एक मोहल्ले में रह रही थी। इसी दौरान मोहल्ले के एक युवक ने उसे प्रेमजाल में फंसा लिया और शादी का वादा कर उससे लगातार शारीरिक संबंध बनाता रहा। आरोप है कि युवक ने पिछले करीब तीन साल तक उसका शोषण किया। महिला का कहना है कि जब उसने युवक पर शादी के लिए दबाव बनाया तो उसने इंकार कर दिया और अब किसी अन्य युवती से विवाह करने की बात कह रहा है। वहीं, इस पूरे मामले की जानकारी जब महिला के पति को हुई तो उसने पत्नी को बच्चों सहित घर से निकाल दिया। पीड़िता ने चेतावनी दी है कि यदि आरोपी ने उससे शादी नहीं की तो वह आत्महत्या कर लेगी और इसके लिए आरोपी को जिम्मेदार ठहराते हुए सुसाइड नोट भी छोड़ेगी। इस संबंध में थाना प्रभारी निरीक्षक नीरज कुमार ने बताया कि महिला की शिकायत के आधार पर मामले की जांच शुरू कर दी गई है और जांच के बाद आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

प्रदूषण निरीक्षण अभियान : लोनी में 12 फैक्ट्रियां को सील करते हुए किया गया विद्युत विच्छेदन

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। दिल्ली से सटे गाजियाबाद के लोनी को प्रदूषण मुक्त बनाने में जिला प्रशासन जुटा हुआ है और अन्य विभागों के साथ मिलकर क्षेत्र में सख्त चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है। सोमवार को दीपक सिघंनवाल ज्वाइंट मजिस्ट्रेट/उपजिलाधिकारी के नेतृत्व में चलाए गए अभियान के दौरान 12 अवैध फैक्ट्रियों के विरूद्ध सीलिंग की कार्यवाही करते हुए विद्युत विच्छेदन किया गया। तहसील लोनी क्षेत्रान्तर्गत ग्राम बहटा हाजीपुर में उत्तर प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड गाजियाबाद, नगर पालिका परिषद लोनी, विद्युत विभाग, पुलिस विभाग एवं राजस्व विभाग की संयुक्त टीम ने कार्यवाही की। कार्यवाही के दौरान रति गुप्ता, नायब तहसीलदार बहटा हाजीपुर, सहायक अभियंता उप्र प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड गाजियाबाद, विकास कुमार, जोन इंचार्ज नगर पालिका परिषय लोनी के साथ-साथ विद्युत विभाग तथा पुलिस विभाग के अधिकारी व कर्मचारीगण उपस्थित रहे। इस दौरान दीपक सिंघनवाल ज्वाइंट मजिस्ट्रेट/उपजिलाधिकारी लोनी ने बताया कि फरवरी, मार्च एवं अप्रैल 2026 में व्यापक निरीक्षण अभियान चलाकर अभी तक लगभग 100 से अधिक अवैध फैक्ट्रीयों के विरूद्ध सीलिंग और विद्युत विच्छेदन की कार्यवाही की गई। तहसील लोनी क्षेत्रान्तर्गत अवैध प्रदूषणकारी इकाईयों का संचालन किसी भी दशा में नही होने दिया जायेगा तथा भविष्य में भी इस प्रकार की कार्यवाही अमल में लायी जायेगी।

संपादकीय

हिरासत में मौत पर ऐतिहासिक फैसला : नौ पुलिसकर्मियों को मृत्युदंड, न्याय की गूंज और व्यवस्था के लिए चेतावनी

तमिलनाडु के मदुरै की एक अदालत द्वारा वर्ष 2020 में व्यापारी पी. जयराज और उनके पुत्र जे. बेनिक्स की हिरासत में हुई मौत के मामले में नौ पुलिसकर्मियों को मृत्युदंड सुनाया जाना भारतीय न्याय व्यवस्था के इतिहास में एक मील का पत्थर है। यह फैसला केवल एक बहुचर्चित मामले का निष्कर्ष नहीं, बल्कि उन तमाम आवाजों की प्रतिध्वनि है जो वर्षों से हिरासत में होने वाली यातनाओं, पुलिस अत्याचार और मानवाधिकार हनन के खिलाफ उठती रही हैं। लॉकडाउन के दौरान घटित यह घटना देशभर में आक्रोश का कारण बनी थी, जब कानून के रखवालों पर ही कानून तोड़ने और अमानवीय व्यवहार करने के आरोप सिद्ध हुए। अदालत का यह निर्णय स्पष्ट संकेत देता है कि न्याय व्यवस्था अब ऐसे मामलों में कठोर रुख अपनाने को तैयार है।

पी. जयराज और जे. बेनिक्स की मौत ने उस समय पूरे देश को झकझोर दिया था। आरोप था कि पुलिस हिरासत में उन्हें बर्बर तरीके से प्रताड़ित किया गया, जिसके कारण उनकी मृत्यु हो गई। यह घटना केवल एक परिवार की त्रासदी नहीं थी, बल्कि यह उस तंत्र की क्रूरता का उदाहरण बन गई, जिस पर आम नागरिक अपनी सुरक्षा के लिए भरोसा करता है। अदालत द्वारा दोषी पुलिसकर्मियों को मृत्युदंड देना इस बात का प्रमाण है कि न्याय में देरी भले हो, परंतु न्याय अंधा नहीं है। यह फैसला पीड़ित परिवार के लिए एक तरह का न्याय है, हालांकि किसी भी सजा से उनकी अपूरणीय क्षति की भरपाई संभव नहीं।

यह निर्णय भारतीय लोकतंत्र के उस मूल सिद्धांत को भी मजबूत करता है, जिसमें कानून के सामने सभी बराबर हैं। पुलिस बल, जिसे समाज की रक्षा और कानून व्यवस्था बनाए रखने की जिम्मेदारी सौंपी गई है, यदि वही अपने अधिकारों का दुरुपयोग करता है, तो उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई होना अनिवार्य है। इस मामले में अदालत ने स्पष्ट कर दिया कि वर्दी किसी को भी कानून से ऊपर नहीं बनाती। यह संदेश न केवल पुलिस विभाग के लिए, बल्कि समूची प्रशासनिक व्यवस्था के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है।

हालांकि, इस फैसले के साथ कुछ महत्वपूर्ण प्रश्न भी उठते हैं। क्या केवल सख्त सजा से ही ऐसी घटनाओं पर अंकुश लगाया जा सकता है? क्या हमारे पुलिस तंत्र में व्याप्त संरचनात्मक खामियों को दूर किए बिना हम इस तरह की घटनाओं को रोक पाएंगे? यह सर्वविदित है कि पुलिस बल पर अत्यधिक कार्यभार, संसाधनों की कमी, प्रशिक्षण की कमी और जवाबदेही की कमजोर व्यवस्था जैसे कई कारक ऐसे हैं, जो कभी-कभी इस तरह की घटनाओं को जन्म देते हैं। इसलिए केवल दंडात्मक कार्रवाई के साथ-साथ सुधारात्मक कदम उठाना भी उतना ही आवश्यक है। हिरासत में मौत के मामलों को लेकर देश में लंबे समय से चिंता जताई जाती रही है। राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार संगठनों ने बार बार इस मुद्दे को उठाया है और पुलिस सुधार की आवश्यकता पर बल दिया है। सुप्रीम कोर्ट द्वारा दिए गए दिशा निर्देशों के बावजूद जमीनी स्तर पर उनका पालन अक्सर अधूरा ही रहता है। ऐसे में यह फैसला एक अवसर भी है, जब केंद्र और राज्य सरकारें मिलकर पुलिस व्यवस्था में व्यापक सुधार की दिशा में ठोस कदम उठा सकती हैं।

इस संदर्भ में तकनीकी उपायों की भूमिका भी महत्वपूर्ण हो सकती है। पुलिस थानों में सीसीटीवी कैमरों की अनिवार्यता, पूछताछ की वीडियो रिकॉर्डिंग, स्वतंत्र निगरानी तंत्र की स्थापना और हिरासत में लिए गए व्यक्तियों के अधिकारों के प्रति जागरूकता जैसे कदम इस दिशा में प्रभावी साबित हो सकते हैं। साथ ही, पुलिसकर्मियों के लिए नियमित मानवाधिकार प्रशिक्षण और संवेदनशीलता बढ़ाने के कार्यक्रम भी आवश्यक हैं, ताकि वे अपने कर्तव्यों का निर्वहन कानून और मानवीय मूल्यों के अनुरूप कर सकें।

यह भी ध्यान देने योग्य है कि न्याय व्यवस्था की सख्ती तभी प्रभावी होगी, जब जांच और अभियोजन की प्रक्रिया निष्पक्ष और पारदर्शी हो।

~ मौलिक चिंतन ~

कोशिश किए बिना हार मान लेना, सबसे बड़ी कायरता है।

~ ~ ~ ~ ~ ~ ~ ~ ~

©
विनय संकोची

डोनाल्ड ट्रंप ने खोया मानसिक संतुलन, गाली गलौज पर उतरे

सनत जैन

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप जब से दूसरी बार राष्ट्रपति बने हैं, उसके बाद से ही उनकी कथनी और करनी को लेकर सारी दुनिया में उनकी एक नई छवि बनी है। पिछले 1 साल में उन्हें एक अहंकारी नेता के रूप में देखा जा रहा था। पिछले एक साल में जिस तरह से उन्होंने टैरिफ को लेकर आतंक मचाया था। उस समय उनकी पहचान एक गैंगस्टर के रूप में बनी थी। अमेरिकी मुद्रा डॉलर में वैश्विक व्यापार सारी दुनिया में होता है। उसके बल पर वह जो दादागिरी कर रहे थे, उसी समय से उनका विरोध होना शुरू हो गया था। उन्होंने वैश्विक व्यापार संधि का उल्लंघन करते हुए अपने मनमाने नियम और कानूनों के बल पर वसूली करने की जो प्रक्रिया शुरू की थी, उसी समय एक गैंगस्टर की तरह उनकी पहचान बनी। जिस तरह से उन्होंने वेनेजुएला के राष्ट्रपति और उनकी पत्नी का अपहरण कर अमेरिका लाया। वेनेजुएला की सत्ता में अप्रत्यक्ष रूप से अमेरिका ने खुलेआम कब्जा किया। अंतर्राष्ट्रीय कानूनों का उल्लंघन किया। उसके बाद उनकी हिम्मत बढ़ी, उन्होंने ईरान मे अयातुल्लाह खामेनेई की सत्ता के खिलाफ ईरान की जनता को भड़काया, वहां पर आंदोलन कराए, खामेनेई को सत्ता से हटाने की कोशिश ट्रम्प ने की। जब यह प्रयास सफल नहीं हो पाया, उसके बाद अमेरिका और इजरायल ने बातचीत में उलझा कर ईरान के ऊपर हमला कर दिया। ईरान की सत्ता के सुप्रीमो अयातुल्लाह खामेनेई सहित दर्जनो नेताओं और रक्षा अधिकारियों की हत्या कर दी गई। ट्रंप और इजरायल के प्रधानमंत्री नेतान्याहू ने सोचा था, जनता विद्रोह करेगी और वह ईरान के पूर्व राज परिवार के निष्कासित सदस्य को ईरान की सत्ता सौंप देंगे। ट्रंप का यह प्रयास सफल नहीं हुआ। ईरान ने अमेरिका की इस कार्यवाही का भरपूर जवाब दिया। पिछले 35 दिनों में ईरान ने बता दिया है, वह युद्ध का मुकाबला और अपनी रक्षा करने में सक्षम है। पिछले 35 दिनों में जिस तरह से ईरान ने अमेरिका और इजरायल की सुरक्षा व्यवस्था को ध्वस्त करते हुए, जिस तरह का नुकसान पहुंचाया है, उसकी कल्पना अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और इजरायल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू ने नहीं की थी। इतनी करारी चुनौती अमेरिका को ढाई सौ साल के इतिहास में कभी नहीं मिली, जो ईरान से मिल रही है। ईरान ने एक ही झटके में पिछले 47 सालों से अमेरिका द्वारा ईरान पर प्रतिबंध लगाकर जो दादागिरी की जा रही थी। ईरान ने एक ही बार में जवाब देकर अमेरिका के अहंकार को तोड़ते हुए, जिस तरह से भयमुक्त लड़ाई लड़ी जा रही है। उससे लगता है, अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अपना मानसिक संतुलन खो चुके हैं। उन्हें समझ नहीं आ रहा है, वह क्या करें। इस युद्ध में रोजाना अमेरिका को आरबों रूपयों की राशि खर्च करनी पड़ रही है। अमेरिका की संसद उनसे पूछ रही है, यह युद्ध हम ईरान से क्यों लड़ रहे हैं। युद्ध लड़ने के लिए ट्रम्प बहुत बड़ी राशि संसद से मांग रहे हैं।

ट्रम्प ने युद्ध करने के पहले संसद को विश्वास में नहीं लिया। वर्तमान स्थिति में अमेरिका में डोनाल्ड ट्रंप के खिलाफ विरोध बढ़ता ही जा रहा है। खाड़ी देशों की सुरक्षा अमेरिका नहीं कर पा रहा है। अमेरिका की सारे सैन्य अड्डे ईरान द्वारा बर्बाद कर दिए गए। इसी तरह से इजरायल पर ईरान के हमलों से भारी नुकसान हुआ है। इजरायल में, नेतान्याहू के खिलाफ जनता का विरोध देखने को मिल रहा है। ऐसी हालत में ट्रंप का यह कहना, ईरान बास्टर्ड है। ईरान को नर्क बना देंगे। डोनाल्ड ट्रंप ने जो पोस्ट की है, उसके शब्द इतने खराब हैं। उसको सह पाना आम आदमी के लिए संभव नहीं है। ट्रम्प ने ईरान के बारे में जिस तरह से पोस्ट में शब्दों का चयन किया है, इसकी दुनिया के देशों में बड़ी तीव्र प्रतिक्रिया हुई है। यह कहा जाने लगा है कि ट्रम्प अपना मानसिक संतुलन खो बैठे हैं। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के कारण जो रही-सही साख अमेरिका की है, वह कितने दिनों तक बनी रहेगी कहना मुश्किल है। दुनिया के अधिकांश देश मानने लगे हैं, ट्रंप की सनक और अहंकार के कारण सारी दुनिया के देशों में ऊर्जा संकट खड़ा हो गया है। खाद का संकट खड़ा हो रहा है। सारी दुनिया में आर्थिक मंदी की स्थिति देखने को मिलने लगी है। इसके बाद भी डोनाल्ड ट्रंप जिस तरह की हरकत कर रहे हैं, उससे डोनाल्ड ट्रंप के साथ-साथ अमेरिका की साख को भी भारी नुकसान होता हुआ दिख रहा है। डोनाल्ड ट्रंप की यही नीति कुछ और दिन चलेगी, तो अमेरिका अपना वर्चस्व सारी दुनिया में खो देगा। ऐसा लगने लगा है जो हाल सोवियत रूस का पूर्व राष्ट्रपति गोर्बाच्योव के समय हुआ था। अब वही स्थिति अमेरिका की होती हुई दिख रही है। अमेरिका के राज्यों और आमजनता में जो नाराजगी देखने को मिल रही है। उससे लगता है ट्रम्प ज्यादा दिन तक राष्ट्रपति के पद पर नहीं रह पायेंगे।

अशोक खरात जैसे ढोंगी बाबाओं पर लगाम कब लगेगी ?

सौरभ वार्ष्णेय

आखिरकार समाज में आस्था के नाम पर पनप रहे ऐसे अनगिनत ढोंगी बाबाओं पर लगाम कब और कैसे लगेगी यह गहरा प्रश्नचिन्ह गहरा रहा है। ऐसे में समाज में जागरूकता, कानून का सख्त पालन और सामाजिक जिम्मेदारी साथ-साथ नहीं चलेंगे, तब तक ऐसे मामले सामने आते रहेंगे। हाल के समय में अशोक खरात (कैप्टन बाबा) को लेकर जो आरोप और विवाद सामने आए हैं, उन्होंने समाज में गहरी चिंता पैदा की है। खुद को धार्मिक या सामाजिक नेता बताने वाले ऐसे व्यक्तियों का आचरण जब नैतिकता और कानून के दायरे से बाहर जाता है, तो वह न केवल अपने अनुयायियों का भरोसा तोड़ता है बल्कि पूरे समाज को बदनाम करता है।

कहा जाता है कि बाबा के नाम पर लोगों की आस्था का फायदा उठाकर कई तरह की अनियमितताएँ और शोषण किए जाते हैं। यदि इन आरोपों में सच्चाई है, तो यह न केवल व्यक्तिगत अपराध है बल्कि समाज की संवेदनाओं के साथ धोखा भी है। आस्था का स्थान हमेशा पवित्र माना गया है, और जब उसी का दुरुपयोग होता है, तो उसका असर व्यापक होता है।ऐसे मामलों में सबसे बड़ी जिम्मेदारी कानून और प्रशासन की होती है कि वे निष्पक्ष जांच करें और दोषी पाए जाने पर सख्त कार्रवाई करें। साथ ही समाज को भी जागरूक रहने की जरूरत है, ताकि अंधभक्ति और बिना जांच-पड़ताल के किसी के पीछे चलने से बचा जा सके। यदि कोई व्यक्ति समाज सेवा या धर्म के नाम पर गलत कार्य करता है, तो वह सच में समाज के नाम पर कलंक ही कहलाएगा। ऐसे मामलों में सख्ती, पारदर्शिता और जागरूकता ही सबसे बड़ा समाधान है।

समाज में जब भी कोई स्वयंभू संत, बाबा या चमत्कारी व्यक्ति तेजी से प्रसिद्धि पाता है, तो उसके पीछे केवल आम लोगों की आस्था ही नहीं, बल्कि प्रभावशाली और रसूखदार लोगों का समर्थन भी बड़ा कारण होता है। अशोक खरात उर्फ कैप्टन बाबाइ के मामले में भी यही सवाल उठता है कि आखिर वीवीआईपी लोग उनके पास क्यों जाते थे? सबसे पहले, आस्था और अंधविश्वास का मिश्रण इस प्रवृत्ति की जड़ में है। सत्ता और पैसे के शिखर पर बैठे लोग भी जीवन की अनिश्चितताओं–राजनीतिक भविष्य, स्वास्थ्य, परिवार या सत्ता की स्थिरता–को लेकर असुरक्षित महसूस करते हैं। ऐसे में वे चमत्कार या आशीर्वाद की तलाश में इन बाबाओं की शरण लेते हैं। दूसरा कारण है प्रभाव और नेटवर्किंग। कई बार ऐसे बाबा केवल धार्मिक व्यक्तित्व नहीं होते, बल्कि वे एक पावर हब बन जाते हैं, जहां नेता, अधिकारी और व्यवसायी एक-दूसरे से जुड़ते हैं। इस तरह उनके दरबार एक अनौपचारिक नेटवर्किंग मंच में बदल जाते हैं, जहां संपर्क बनाना आसान होता है।तीसरा पहलू है छवि निर्माण किसी लोकप्रिय बाबा के साथ दिखना कुछ नेताओं के लिए जनता के बीच धार्मिक और संस्कारी छवि बनाने का माध्यम बन जाता है। इससे वे अपने वोट बैंक को मजबूत करने की कोशिश करते हैं।चौथा और चिंताजनक कारण है व्यक्तिगत लाभ और संरक्षण की उम्मीद। कुछ लोग यह मानते हैं कि ऐसे बाबा उनके काम बनवा सकते हैं, समस्याएं सुलझा सकते हैं या उन्हें किसी तरह का आध्यात्मिक संरक्षण दे सकते हैं। यह मानसिकता लोकतांत्रिक और वैज्ञानिक सोच के लिए खतरनाक है।

लेकिन इस पूरे प्रकरण का सबसे गंभीर पहलू यह है कि जब वीवीआईपी स्तर के लोग ऐसे व्यक्तियों के पास जाते हैं, तो आम जनता में उनकी विश्वसनीयता स्वतः बढ़ जाती है। इससे अंधविश्वास को बढ़ावा मिलता है और समाज में तर्क और विवेक की जगह कमजोर पड़ती है। यह जरूरी है कि समाज–विशेषकर प्रभावशाली वर्ग–तर्क, वैज्ञानिक सोच और पारदर्शिता को प्राथमिकता दे। किसी भी व्यक्ति को बिना प्रमाण और जवाबदेही के चमत्कारी मान लेना न केवल व्यक्तिगत स्तर पर, बल्कि सामाजिक स्तर पर भी नुकसानदायक हो सकता है।

अशोक खरात उर्फ कैप्टन बाबा का नाम हाल के वर्षों में उनकी अकूत संपत्ति और गंभीर आपराधिक आरोपों के कारण देशभर में चर्चा का विषय बन गया है। नासिक से शुरू हुआ यह मामला केवल एक तथाकथित धार्मिक गुरुइ की कहानी नहीं, बल्कि आस्था के नाम पर खड़े किए गए एक विशाल और संदिग्ध साम्राज्य का खुलासा है।

जांच एजेंसियों के अनुसार, अशोक खरात ने खुद को ज्योतिषी, तांत्रिक और चमत्कारी शक्तियों वाला व्यक्ति बताकर लोगों, खासकर महिलाओं का विश्वास जीता। इसी विश्वास का दुरुपयोग कर उन्होंने न केवल आर्थिक लाभ अर्जित किया, बल्कि शोषण और ब्लैकमेलिंग जैसे गंभीर अपराधों को भी अंजाम दिया।सबसे चौंकाने वाला पहलू उनकी संपत्ति को लेकर सामने आया है। विभिन्न रिपोर्ट्स के अनुसार, उनके पास सैकड़ों करोड़ रुपये की संपत्ति होने का अनुमान है–कुछ जगहों पर यह आंकड़ा 200 करोड़ से लेकर 500 करोड़ और यहां तक कि 1500 करोड़ रुपये तक बताया गया है। यह संपत्ति न केवल उनके नाम पर, बल्कि पत्नी, बेटी और अन्य रिश्तेदारों के नाम पर भी पाई गई, जिससे बेनामी निवेश और मनी लॉन्ड्रिंग की आशंका मजबूत होती है।जांच में यह भी सामने आया कि इस तथाकथित आध्यात्मिक साम्राज्य के पीछे एक संगठित तंत्र काम कर रहा था–जिसमें कोड लैंग्वेज, गुप्त कैमरे और ब्लैकमेलिंग के नेटवर्क शामिल थे।इसके अलावा, उनके पास से सैकड़ों आपत्तिजनक वीडियो और दस्तावेज भी बरामद किए गए हैं, जो इस पूरे नेटवर्क की गहराई को दशार्ते हैं।

यह मामला केवल व्यक्तिगत अपराध तक सीमित नहीं रहा, बल्कि इसके तार राजनीति और प्रशासन तक भी जुड़ते दिखाई दिए हैं, जिससे इसकी गंभीरता और बढ़ जाती है। अशोक खरात का मामला केवल एक व्यक्ति की अकूत संपत्ति का नहीं, बल्कि उस तंत्र का प्रतीक है जिसमें अंधविश्वास, लालच और सत्ता का गठजोड़ समाज के लिए गंभीर खतरा बन जाता है।

विज्ञान आधारित स्वास्थ्य क्रांति की ओर बढ़ती दुनिया

योगेश कुमार गोयल

'विश्व स्वास्थ्य दिवस' मनाए जाने की शुरूआत डब्ल्यूएचओ द्वारा 7 अप्रैल 1950 को की गई थी और यह दिवस मनाने के लिए इसी तारीख का निर्धारण डब्ल्यूएचओ की संस्थापना वर्षगांठ को चिन्हित करने के उद्देश्य से ही किया गया था। डब्ल्यूएचओ की स्थापना के साथ ही 1948 में विश्व स्वास्थ्य दिवस की नींव भी रख दी गई थी।

स्वास्थ्य का विज्ञान, समानता का आधार... दुनिया के प्रत्येक व्यक्ति को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करने और वैश्विक स्वास्थ्य मानकों में सुधार लाने के उद्देश्य के साथ विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के बैनर तले प्रतिवर्ष 7 अप्रैल को एक खास थीम के साथ 'विश्व स्वास्थ्य दिवस' मनाया जाता है। इस दिवस को मनाए जाने का प्रमुख उद्देश्य स्वास्थ्य को लेकर विश्व में प्रत्येक व्यक्ति को बीमारियों के प्रति जागरूक करना, लोगों के स्वास्थ्य स्तर को सुधारना और हर व्यक्ति को इलाज की अच्छी स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराना ही है। पूरी दुनिया इस साल 'स्वास्थ्य के लिए एकजुट रहें, विज्ञान के साथ खड़े रहें' विषय के साथ 76वां विश्व स्वास्थ्य दिवस मना रही है। यदि पिछले कुछ वर्षों की स्वास्थ्य दिवस की थीम पर नजर डालें तो 2025 का विषय था 'स्वस्थ शुरूआत, आशापूर्ण भविष्य', 2024 में यह दिवस 'मेरा स्वास्थ्य, मेरा अधिकार', 2023 में 'सभी के लिए स्वास्थ्य', 2022 में 'हमारा ग्रह, हमारा स्वास्थ्य', 2021 में 'सभी के लिए एक निष्पक्ष, स्वस्थ दुनिया का निर्माण', 2020 में 'नर्सों और दाईयों का समर्थन करें' तथा 2019 में 'सार्वभौमिक स्वास्थ्यः हर कोई, हर जगह' विषय के साथ मनाया गया था। इस वर्ष का विषय न केवल वैश्विक सहयोग को सुदृढ़ करने का आह्वान करता है बल्कि भ्रामक सूचनाओं के इस दौर में वैज्ञानिक प्रमाणों पर जन-विश्वास को पुनर्स्थापित करने और साक्ष्य-आधारित नीतियों के माध्यम से मानवता की रक्षा करने पर केंद्रित है।

'विश्व स्वास्थ्य दिवस' मनाए जाने की शुरूआत डब्ल्यूएचओ द्वारा 7 अप्रैल 1950 को की गई थी और यह दिवस मनाने के लिए इसी तारीख का निर्धारण डब्ल्यूएचओ की संस्थापना वर्षगांठ को चिन्हित करने के उद्देश्य से ही किया गया था। डब्ल्यूएचओ की स्थापना के साथ ही 1948 में विश्व स्वास्थ्य दिवस की नींव भी रख दी गई थी। दरअसल उस समय लोगों की सेहत को बढ़ावा देने और उन्हें गंभीर बीमारियों से सुरक्षित रखने के उद्देश्य से दुनिया के कई देशों ने मिलकर दुनियाभर में ठोस कार्य करने की जरूरत पर बल दिया और आखिरकार विश्व स्वास्थ्य दिवस की नींव रखने के दो वर्ष बाद सन 1950 में पहली बार 7 अप्रैल को यह दिवस मनाया गया। संयुक्त राष्ट्र का अहम हिस्सा 'डब्ल्यूएचओ' दुनिया के तमाम देशों की स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं पर आपसी सहयोग और मानक विकसित करने वाली संस्था है, जिसका प्रमुख कार्य विश्वभर में स्वास्थ्य समस्याओं पर नजर रखना और उन्हें सुलझाने में सहयोग करना है। इस संस्था के माध्यम से प्रयास किया जाता है कि दुनिया का प्रत्येक व्यक्ति शारीरिक, मानसिक एवं सामाजिक रूप से पूर्ण स्वस्थ रहे।

हालांकि चिंता की स्थिति यह है कि पिछले कुछ दशकों में एक ओर जहां स्वास्थ्य क्षेत्र ने काफी प्रगति की है, वहीं कुछ वर्षों के भीतर एड्स, कैंसर जैसी जानलेवा बीमारियों के प्रकोप के साथ हृदय रोग, मधुमेह, क्षय रोग, मोटापा, तनाव जैसी स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं भी तेजी से बढ़ी हैं। ऐसे में स्वास्थ्य क्षेत्र की चुनौतियां निरन्तर बढ़ रही हैं। वैसे तो दुनिया के तमाम देश बीते कुछ दशकों से स्वास्थ्य के क्षेत्र में लगातार प्रगति कर रहे हैं लेकिन कोरोना काल के दौरान जब अमेरिका जैसे विकसित देश को भी बेबस अवस्था में देखा गया और वहां भी स्वास्थ्य कर्मियों के लिए जरूरी सामान की भारी कमी नजर आई, तब पूरी दुनिया को अहसास हुआ कि अभी भी जन-जन तक स्वास्थ्य सुविधाएं पहुंचाने के लिए बहुत कुछ किया जाना बाकी है। विश्व स्वास्थ्य संगठन स्वयं मानता है कि दुनिया की कम से कम आधी आबादी को आज भी आवश्यक स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध नहीं हैं। विश्वभर में अरबों लोगों को स्वास्थ्य देखभाल हासिल नहीं होती। करोड़ों लोग ऐसे हैं, जिन्हें रोटी, कपड़ा और मकान जैसी मूलभूत आवश्यकताओं तथा स्वास्थ्य देखभाल में से किसी एक को चुनने पर विवश होना पड़ता है।

भारतीय समाज में तो सदियों से धारणा रही है 'पहला सुख निरोगी काया, दूजा सुख घर में हो माया' लेकिन चिंता का विषय यही है कि हमारे यहां भी स्वास्थ्य सेवाओं की स्थिति बहुत खराब है। बहरहाल, विश्व स्वास्थ्य दिवस के माध्यम से जहां समाज को बीमारियों के प्रति जागरूक करने का प्रयास किया जाता है, वहीं इसका सबसे महत्वपूर्ण बिन्दु यही होता है कि लोगों को स्वस्थ वातावरण बनाकर स्वस्थ रहना सिखाया जा सके। दरअसल विश्व स्वास्थ्य संगठन के मुताबिक शारीरिक, मानसिक और सामाजिक रूप से पूर्ण स्वस्थ होना ही मानव-स्वास्थ्य की परिभाषा है। यह बेहद चिंता का विषय है कि दुनिया की करीब 30 प्रतिशत आबादी के पास बुनियादी स्वास्थ्य उपचार तक पहुंच नहीं है और करीब 200 करोड़ लोग विनाशकारी अथवा खराब स्वास्थ्य देखभाल लागत का सामना कर रहे हैं, जिसमें काफी असमानताएं हैं, जो सबसे वंचित परिस्थितियों में लोगों को प्रभावित कर रही हैं। हालांकि स्वास्थ्य का अधिकार एक ऐसा मौलिक मानवाधिकार है, जिसके तहत प्रत्येक व्यक्ति को बगैर किसी वित्तीय बोझ के, जब भी जरूरत हो, स्वास्थ्य देखभाल तक पहुंच मिलनी चाहिए।

वैज्ञानिक उपलब्धियों का जश्न मनाते हुए हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि तकनीक और विज्ञान तभी वास्तविक रूप से सफल माने जाएंगे, जब वे एक गरीब की झोपड़ी तक सुलभ और वहनीय हों। जल जनित रोग, टाइफाइड और कुपोषण जैसी बीमारियां अभी भी हमारे समाज के लिए एक बड़ी चुनौती बनी हुई हैं, जो सीधे तौर पर स्वच्छता, शुद्ध पेयजल और वैज्ञानिक कचरा प्रबंधन की कमी को दशार्ती हैं। स्वास्थ्य सेवा की पहुंच को सार्वभौमिक बनाने के लिए विज्ञान के साथ अडिग खड़ा होना और साक्ष्य-आधारित मार्गदर्शन को पूरी निष्ठा से अपनाना ही वह एकमात्र मार्ग है, जो हमें एक स्वस्थ भारत और समृद्ध विश्व की ओर ले जाएगा। आज आवश्यकता केवल उपचार की नहीं बल्कि वैज्ञानिक सोच को अपनी दिनचर्या और जीवनशैली का अभिन्न हिस्सा बनाने की है।

संक्षिप्त समाचार

गोरखपुर-पडरौना-कुशीनगर नई रेल लाइन के लिए होगा एफएसएल सर्वे

गोरखपुर, एजेंसी। गोरखपुर–पडरौना–कुशीनगर 64 किमी लंबी नई रेल लाइन के लिए रेलवे बोर्ड ने फाइनल लोकेशन सर्वे (एफएसएल) को मंजूरी दे दी है। एफएसएल के दौरान पिलर लगाने, सर्वेक्षण और व्यापक रिपोर्ट जमा करने का काम शामिल है। जल्द ही फाइनल लोकेशन सर्व का काम शुरू होगा। इस नई रेल परियोजना के लिए 2016 के रेल बजट में मंजूरी दी गई थी। तब से लेकर 2025 तक इस प्रोजेक्ट को जिंदा रखने के लिए हर साल थोड़ा सा बजट आवंटित किया जाता रहा। इसके बाद अब जाकर इस परियोजना को आगे बढ़ाने के लिए काम शुरू हो गया है। बोर्ड ने 64 किमी लंबी लाइन के लिए फाइनल लोकेशन सर्वे को मंजूरी दे दी है। इस रूट पर रेल लाइन बिछ जाने से जहां एक लाख से ज्यादा लोगों को यातायात का बेहतर विकल्प मिलेगा, वहीं पर्यटन के लिहाज से कुशीनगर के साथ ही गोरखपुर का भी काफी विकास होगा। यहां रेल बिछाने के लिए काफी लंबे समय से तैयारी चल रही थी। परियोजना के तहत सरदारनगर से कुशीनगर होते हुए पडरौना तक रेल लाइन बिछाई जाएगी। इससे बौद्ध पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा।

कनपटी पर तमंचा सटाकर जेवरात भरा बैग ले उड़े बदमाश

लखनऊ, एजेंसी। आलापुर के विमावल निवासी रोहित शर्मा की रामनगर बाजार में सराफा की दुकान है। उन्होंने शनिवार को बसखारी बाजार में कारोबारी मनोज सोनी की दुकान से करीब 10 लाख रुपये के हार, अंगूठी, नथनी समेत अन्य आभूषण खरीदे और बाइक की डिक्की में रखकर आलापुर के लिए रवाना हुए। रोहित के अनुसार, पटना मुबारकपुर के पास पीछे से काली बाइक पर हेलमेट पहनकर आए दो बदमाशों ने ओवरटेक कर उन्हें रोक लिया। पीछे बैठे बदमाश ने उनकी कनपटी पर असलहा सटाकर जान से मारने की धमकी दी। बाइक की चाबी छीनकर डिक्की में रखा आभूषणों से भरा बैग निकाल लिया। उन्होंने दुकान पहुंचकर पुलिस को सूचना दी। बसखारी व आलापुर पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जानकारी ली।एएसपी पश्चिमी हरेंद्र कुमार, सीओ सिटी नीतीश कुमार ने मुआयना किया। पुलिस अधीक्षक अभिजीत आर. शंकर ने स्वाट व सर्विलांस टीमों को भी जांच में लगाया है। पुलिस आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है।

रोहतक जिमखाना ने टेलीफुंकेन क्रिकेट क्लब को सात विकेट से हराया

गाजियाबाद। 11वीं ऑल इंडिया राजपति मिश्रा मेमोरियल क्रिकेट टूर्नामेंट फॉर स्पोर्ट्स सन ट्रॉफी में रोहतक रोड जिमखाना ने टेलीफुंकेन क्रिकेट क्लब को सात विकेट से हराया। रोहतक रोड जिमखाना की टीम ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का निर्णय लिया। पहले बल्लेबाजी करते हुए टेलीफुंकेन क्रिकेट क्लब ने 40 ओवर में नौ विकेट के नुकसान पर 240 रन बनाए। टेलीफुंकेन के सौरभ देसवाल ने सर्वाधिक 45 रन, नमित ने नाबाद 39 रन और भारत सिंधवानी ने 33 रन का योगदान दिया। जवाब में रोहतक रोड जिमखाना की टीम ने 25.4 ओवर में तीन विकेट के नुकसान पर 244 रन बनाकर मैच अपने नाम कर लिया। रोहतक रोड जिमखाना के श्रेष्ठ यादव ने 57 गेंदों में 127 रन की तूफानी पारी खेली। इसके अलावा दक्ष ड्राल ने 41 रन, ध्रुव कौशिक ने 33 रन और नैतिक माथुर ने नाबाद 28 रन बनाए। टेलीफुंकेन की ओर से आयुष कुमार ने दो विकेट चटकाए। मैच जिताऊ पारी के लिए श्रेष्ठ यादव को प्लेयर ऑफ द मैच का पुरस्कार दिया गया।

बैंक ने 32 लाख रुपये नहीं लौटाए तो तहसील पर आत्मदाह करने की चेतावनी दी

गाजियाबाद, एजेंसी। श्रीनगर कॉलोनी निवासी चिकित्सक डॉ. एसके शर्मा ने बैंक खातों से निकाले गए 32 लाख रुपये लौटाने की मांग करते हुए शनिवार को परिवार समेत तहसील पर प्रदर्शन किया। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर शीघ्र ही उनकी रकम नहीं लौटाई गई तो उनके पास आत्मदाह के अलावा कोई विकल्प नहीं है। मजबूरन वह तहसील मुख्यालय पर आत्मदाह करेंगे। डॉ. एसके शर्मा ने बताया कि उज्जीवन बैंक में उनके दो खाते हैं। लगभग डेढ़ महीने पहले उनके बैंक खातों से 32 लाख रुपये निकाल लिए गए। आरोप है कि बैंक अधिकारियों और कर्मचारियों की मिलीभगत से उनके खातों से रकम निकाली गई। उन्होंने बैंक के बाहर अनिश्चितकालीन धरना दिया था और घटना की प्राथमिकी भी दर्ज कराई। जानकारी मांगने पर बैंक कोई संतोषजनक जवाब नहीं दे रहा है। उनकी बेटी का रिश्ता तय हो चुका है। उन्होंने सवाल किया कि रकम नहीं होने के कारण वह बेटी की शादी कैसे करें। उन्होंने चेताया कि अगर बैंक ने उनकी रकम नहीं लौटाई तो वह तहसील पर आत्मदाह करेंगे। उपजिलाधिकारी अजीत सिंह ने उन्हें कार्रवाई का भरोसा दिया।

40 किमी की रफ्तार से चली आंधी

झमाझम बारिश के साथ गिरे ओले, फसलों को भारी नुकसान की आशंका

कानपुर, एजेंसी। घाटमपुर में गर्मी और उमस के बीच देर शाम अचानक तेज बारिश के साथ कुछ जगहों पर ओले भी गिरे। 40 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चली। बारिश और ओले गिरने से गेहूं की फसल को भारी नुकसान होने का अंदाजा लगाया जा रहा है। ओले गिरने से किसानों के माथे पर चिंता झलकने लगी है। हालांकि, बारिश के बाद से क्षेत्र का मौसम खुशनुमा हो गया है।

लगातार पड़ रही गर्मी के बीच मौसम ने करवट बदली। अचानक शुरू हुई बारिश के साथ कुछ जगहों पर ओले गिरे हैं। इसके साथ 40 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से लगभग आधा घंटे तक हवाएं चलीं। हालांकि, बारिश होने से आम जनमानस ने राहत की सांस ली है। तेज हवा के साथ हुई बारिश से मौसम सुहाना हो गया है। बारिश और तेज हवाएं चलने पर कानपुर-सागर हाईवे पर सन्नाटा छा गया।

नुकसान का आंकलन कराया जाएगा : खेतों में गेहूं की फसल पकी खड़ी है, बारिश होने से किसानों के चेहरे में मायूसी है। गेहूं व अरहर की फसल को बड़े नुकसान का किसान अंदाजा लगा रहे हैं। क्षेत्र के कनवापुर, बरनाव, कोटरा मकरंदपुर, पतरसा, तिलसड़ा, तेजपुर, सुजानपुर आदि में ओले गिरने की सूचना है। एसडीएम अविचल प्रताप सिंह ने बताया कि लेखपालों को जांच के निर्देश दिए हैं। अगर ओले गिरने से किसानों को नुकसान हुआ है, तो उसका आंकलन कराया जाएगा।

आंधी-बारिश का प्रकोप, सात की दर्दनाक मौत

लखनऊ, एजेंसी। ग्रामीण क्षेत्रों में तेज हवा और बारिश के कारण खेतों में तैयार खड़ी चना, गेंहू, सरसों और अरहर की फसल बर्बाद हो गई। बांदा, चित्रकूट, हमीरपुर-महोबा और जालौन में फसलों का काफी नुकसान हुआ है। आंचलिक मौसम विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह ने बताया कि पांच अप्रैल को मौसम में सुधार के साथ ही छह अप्रैल को मौसम शुष्क रहने के आसार हैं। अगले पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव से 7 से 9 अप्रैल के दौरान प्रदेश में आंधी-तूफान के साथ बारिश की संभावना है। मौसम विज्ञानी मो. दानिश के अनुसार, बारिश का असर सेंट्रल यूपी से पूर्वांचल की ओर स्थानांतरित हो सकता है।

कानपुर और आसपास के इलाकों में आंधी-बारिश के साथ ओलावृष्टि हुई। आंधी में कानपुर के अलग-अलग इलाकों में 200 से ज्यादा पेड़ उखड़ गए। बिजली के छोटे-बड़े 92 से अधिक पोल के गिरने से बिजली आपूर्ति लड़खड़ा गई। दिल्ली-हावड़ा रूट, कानपुर-झांसी और कानपुर-फर्रुखाबाद रूट पर पेड़ गिरने से 22 से अधिक ट्रेनें फंस गई। मरम्मत के बाद ट्रेनों का संचालन सामान्य हो सका।

हिंदी कहानी की मुकम्मल आलोचना पुस्तक है उन्मुक्त रास्तों पर हिंदी कहानी - प्रो संजीव कुमार दुबे

वाराणसी, एजेंसी। समय-समय पर लिखे गए आलेखों की यह एक मुकम्मल किताब है जो बहुत तैयारी और जिम्मेदारी के साथ लिखी है साथ ही इस पुस्तक में अपने पूर्ववर्ती आलोचकों से,उनकी स्थापनाओं से लेखक जिरह करता दिखाई देता है। यह बातें बीएचयू के भोजपुरी अध्ययन केंद्र की ओर से किताब की बात श्रृंखला कार्यक्रम में बतौर मुख्य वक्ता प्रो. संजीव कुमार दुबे ने कहीं।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर प्रो. कृष्ण मोहन ने कहा कि लेखक ने पूरी संपूर्णता के साथ काम लिया है जिसे मील का पत्थर माना जाना चाहिए। प्रो. नीरज खरे ने कहा कि नामकरण की आलोचना में चल रहे विभिन्न संबोधन हमें पढ़ने की सहूलियत देते हैं। उनमें अनेक प्रवृत्तियां दिखाई पड़ती हैं। उन्मुक्त शब्द को उन सब संबोधनों के लिए प्रस्तावित किया जा सकता है। विशिष्ट वक्ता संजय श्रीवास्तव ने पुस्तक के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि कहानी की आलोचना में जिन बातों को आना चाहिए था।

वो संवाद उस तल्खी के साथ नहीं आ पाया। आज उन्मुक्त कहानी का दौर है इसलिए इस पुस्तक पर आज की यह चर्चा ऐतिहासिक है। स्वागत कर भोजपुरी अध्ययन केंद्र के समन्वयक प्रो. प्रभाकर सिंह ने पुस्तक को कहानी की परंपरा और आधुनिका पर की गई टिप्पणियों की महत्वपूर्ण पुस्तक बताया। कार्यक्रम का संचालन सचिन कुमार गुप्ता ने तथा धन्यवाद शिखा सिंह ने किया।इस अवसर पर प्रो. आशीष त्रिपाठी, डॉ. रविशंकर सोनकर, डॉ. प्रभात मिश्र, डॉ. अशोक ज्योति डॉ. विंध्याचल यादव, डॉ. विवेक सिंह, डॉ प्रियंका सोनकर, शैलेंद्र सिंह तथा बड़ी संख्या में शोधार्थी, विद्यार्थी एवं साहित्य प्रेमी उपस्थित रहे।

सर्किल रेट और मुआवजा बढ़ाने की मांग, विधायक ने सीईओ को लिखा पत्र

रबूपुरा (शिखर समाचार)। जेवर क्षेत्र में जमीनों के सर्किल रेट और किसानों को मिलने वाले मुआवजे को लेकर मुद्दा तेज हो गया है। जेवर विधायक ठाकुर धीरेन्द्र सिंह ने यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण के सीईओ आरके सिंह को पत्र लिखकर दरों में बढ़ोतरी की मांग की है।

पत्र में विधायक ने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में प्राधिकरण क्षेत्र में जमीनों के बाजार मूल्य में अभूतपूर्व वृद्धि हुई है, लेकिन इसके बावजूद सर्किल रेट और मुआवजा दरें लंबे समय से अपरिवर्तित बनी हुई हैं। इससे किसानों और भूस्वामियों में असंतोष बढ़ रहा है।

उन्होंने यह भी बताया कि ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण अपने क्षेत्र में मुआवजा दर बढ़ाने पर विचार कर रहा है, जो स्वागत योग्य कदम है। इसी तर्ज पर यमुना प्राधिकरण क्षेत्र में भी दरों का पुनर्मूल्यांकन आवश्यक है।

विधायक के अनुसार, जेवर क्षेत्र में एयरपोर्ट, औद्योगिक निवेश और बुनियादी ढांचे के विस्तार के चलते जमीनों के दाम तेजी से बढ़े हैं, इसलिए किसानों को बाजार भाव के अनुरूप मुआवजा मिलना चाहिए।

उन्होंने प्राधिकरण से मांग की कि आगामी बोर्ड बैठक में इस प्रस्ताव को शामिल कर सर्किल रेट और मुआवजा दरों की समीक्षा की जाए, ताकि प्रभावित किसान परिवारों को न्यायसंगत, संतुलित और सम्मानजनक मुआवजा सुनिश्चित किया जा सके।

पत्र में अंत में कहा गया है कि विकास तभी सार्थक है जब उसमें किसानों का सम्मान और हित सुरक्षित हो। जेवर के किसानों ने बड़े इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स के लिए अपनी जमीन दी है, ऐसे में उनकी न्यायपूर्ण भागीदारी सुनिश्चित करना सरकार और प्राधिकरण की जिम्मेदारी है।

24 मिनट में 1261.69 करोड़ का बजट पास

अलीगढ़, एजेंसी। महज 24 मिनट की हंगामेदार बैठक में नगर निगम का 1261.69 करोड़ रुपये का बजट पास कर दिया गया। पिछली बैठक के बिंदुओं को इस बैठक में शामिल नहीं करने का भाजपा के वरिष्ठ पार्षद कुलदीप पांडेय ने पुरजोर विरोध किया। सपा और बसपा के पार्षदों ने भी उनका समर्थन किया।

कुलदीप पांडेय ने इसका जवाब सचिव सचिवालय एवं सहायक नगर आयुक्त वीर सिंह से मांगा तो वह कोई उत्तर नहीं दे सके। नगर आयुक्त ने उनका बचाव कर जवाब देने का प्रयास किया। उन्होंने कहा कि बजट बैठक में इस तरह से सवाल-जवाब नहीं होते। यह सुनकर कुलदीप पांडेय ने नियमों का हवाला दिया। इस बीच मेयर ने कहा कि नगर आयुक्त ही जवाब देंगे। नगर आयुक्त जवाब देते इससे पहले हंगामा शुरू हो गया।

इसी बीच महापौर प्रशांत सिंघल की अनुमति से प्रभारी लेखाधिकारी भारत कुमार दुबे ने बजट पढ़ना शुरू किया। हंगामे के बीच ही नगर आयुक्त ने कहा महापौर प्रशांत सिंघल की अध्यक्षता में वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए 1261.69 करोड़ का मूल बजट बोर्ड द्वारा स्वीकृत किया गया है। महापौर ने कहा कि इससे नगरीय विकास कार्यों व नागरिक जनसुविधाओं को प्रभावी बनाने में सहायता मिलेगी। शहर की मूलभूत सुविधाएं और प्रभावी बनेगी।

बोर्ड बैठक में नगर आयुक्त राकेश कुमार यादव, मुख्य अभियंता प्रमोद कुमार सिंह, महाप्रबंधक जल पीके सिंह मौजूद रहे। पार्षद संजय पंडित, योगेश सिंघल, स्नेह सिंह बघेल, राकेश ठाकुर, दिनेश भारद्वाज, मोहम्मद हाफिज नूर अब्बासी, मुशर्रफ हुसैन, मोहम्मद असलम, शबाना आदि शामिल रहे।

176 करोड़ रुपये सफाई पर होंगे खर्च

अलीगढ़। इस वित्तीय वर्ष में शहर की सफाई व्यवस्था में लगभग 176 करोड़ रुपये खर्च होंगे। सड़कों को बेहतर करने में लगभग 127 करोड़ रुपये लगाए जाएंगे। स्ट्रीट लाइटों पर 8.60 करोड़ खर्च होने का अनुमान है। पार्कों के सुंदरीकरण में 19 करोड़ खर्च किए जाएंगे। मुख्यमंत्री उपवन योजना में 1.26 करोड़, सोलर सिटी योजना में 1.76 करोड़ और मच्छरों को मारने के लिए 20 लाख रुपये की दवाएं छिड़की जाएंगी। राज्य वित्त आयोग से 300 करोड़, सीएम ग्रिड योजना में 144 करोड़, सीएम वैश्विक नगरोदय योजना में 6.76 करोड़ रुपये मिलने का अनुमान है।

बजट एक नजर में

- एक अप्रैल 2026 को अनुमानित प्रारंभिक अवशेष 418.92 करोड़
- बजट (2026-27) की अनुमानित प्रस्तावित आय 842.77 करोड़
- कुल योग = 1261.69 करोड़
- बजट (2026-27) का अनुमानित प्रस्तावित व्यय 1245.44 करोड़
- 31 मार्च 2027 को अनुमानित अंतिम अवशेष 16.25 करोड़

ऐसी बोर्ड-बजट बैठक का कोई औचित्य नहीं = कुलदीप पांडेय : कनवरीगंज वार्ड नंबर-37 से सातवीं बार लगातार पार्षद चुने गए कुलदीप पांडेय ने कहा कि पिछली बैठक के बिंदुओं को बजट बैठक में शामिल नहीं किया गया है। इस तरह से होने वाली बोर्ड की बजट बैठक का कोई औचित्य नहीं रह जाता है। नगर निगम के अब तक के इतिहास में ऐसा कभी नहीं हुआ।

पोषण भी- पढ़ाई भी : आंगनबाड़ी शिक्षा सुदृढ़ीकरण हेतु सीडीओ की अध्यक्षता में हुई वार्षिक समीक्षा बैठक

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। विकास भवन सभागार में पोषण भी, पढ़ाई भी कार्यक्रम के अंतर्गत आंगनबाड़ी शिक्षा को सुदृढ़ बनाने हेतु राकेट लर्निंग संस्था द्वारा संचालित आंगनबाड़ी प्रशिक्षण कार्यक्रम की वार्षिक समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता मुख्य विकास अधिकारी अभिनव गोपाल ने की। यह कार्यक्रम जिला कार्यक्रम अधिकारी शशि वार्ष्णेय के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ।

बैठक में कार्यक्रम की प्रगति की समीक्षा करते हुए शैक्षणिक सत्र 2026झ27 की कार्ययोजना पर विस्तार से चर्चा की गई। साथ ही आंगनबाड़ी स्तर पर बच्चों के सर्वांगीण विकास एवं उन्हें विद्यालय के लिए तैयार करने हेतु विभिन्न उपायों पर विचार-विमर्श किया गया।

इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी ने महत्वपूर्ण निर्देश देते हुए कहा कि सभी आंगनबाड़ी कार्यकत्रियां पोषण ट्रैकर में केंद्र खोलने के उपरांत बच्चों के साथ की गई गतिविधियों को आंगनबाड़ी शिक्षा व्हाट्सएप समूह पर अनिवार्य रूप से साझा करें। साथ ही सुपरवाइजरों को निर्देशित किया कि वह आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों की सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित करें एवं नियमित रूप से उनका मार्गदर्शन करें। मुख्य विकास अधिकारी ने राकेट लर्निंग द्वारा संचालित कार्यक्रम की सराहना करते हुए डिजिटल कंटेंट के माध्यम से कार्यकत्रियों को सहयोग प्रदान करने, प्रशिक्षण में नियमित सहभागिता, सामुदायिक सहभागिता को बढ़ावा देने एवं सोशल-इमोशनल लर्निंग पर दिए जा रहे विशेष जोर की प्रशंसा की। साथ ही उन्होंने सभी आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों, सुपरवाइजर एवं मुख्य सेविकाओं के प्रयासों की सराहना की। बैठक में जनपद के समस्त बाल विकास परियोजना अधिकारी, मुख्य सेविकाएं एवं आंगनबाड़ी कार्यकत्रियां उपस्थित रहीं। उत्कृष्ट कार्य करने वाली आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में संस्था की ओर से जिला समन्वयक शाहिना इकबाल, आयुषी कटियार, कार्यक्रम प्रबंधक चंद्र प्रकाश एवं राज्य प्रोग्राम लीड प्रवीण वर्मा भी उपस्थित रहे।

हादसे में हुई क्लीनर की मौत, अज्ञात वाहन चालक पर केस

रबूपुरा (शिखर समाचार)। यमुना एक्सप्रेस-वे पर एक दर्दनाक सड़क हादसे में हाईवा गाड़ी के क्लीनर की मौत हो गई। पुलिस ने अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी है।

जानकारी के अनुसार हरियाणा के थाना रोजका मेव क्षेत्र के गांव उदाका निवासी अख्तर ने बताया कि उसकी हाईवा गाड़ी पर शाहरुख चालक और जकरू क्लीनर के रूप में कार्यरत थे। 26 जनवरी को दोनों लकड़ी की गिट्टी भरकर नागल से यमुना एक्सप्रेस-वे के रास्ते दनकौर की ओर जा रहे थे। रबूपुरा क्षेत्र में जीरो प्वाइंट से करीब 18 किलोमीटर आगे एटीएस के सामने गाड़ी का टायर पंचर हो गया। इस पर उन्होंने हाईवे किनारे गाड़ी खड़ी कर टायर बदलना शुरू कर दिया। इसी दौरान जेवर की ओर से तेज रफ्तार में आए एक अज्ञात वाहन ने खड़ी हाईवा में पीछे से जोरदार टक्कर मार दी और मौके से फरार हो गया।

हादसे में क्लीनर जकरू गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसे उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया। बाद में उसे दिल्ली के सफदरजंग अस्पताल रेफर किया गया, जहां रविवार को इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

पुलिस ने परिजनों की तहरीर के आधार पर अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है और आरोपी की तलाश में जुटी हुई है।

स्वरूपनगर-लाजपतनगर के नर्सिंगहोम से जुड़े तार, खूनी खेल में शामिल थीं दो टीमें, मददगारों की तलाश

कानपुर, एजेंसी। कानपुर शहर में अवैध तरीके से हुए किडनी ट्रांसप्लांट के तार स्वरूपनगर और लाजपतनगर के बड़े नर्सिंगहोम से जुड़ रहे हैं। यहां जेल भेजे गए शिवम अग्रवाल का आना-जाना था। दोनों जगह के कुछ स्टाफ भी आहूजा हॉस्पिटल में अक्सर आते थे। पुलिस ने दोनों नर्सिंगहोम के अधिकारियों और कुछ कर्मचारियों से शनिवार को पूछताछ की है। उन्हें बिना बताए कहीं भी बाहर जाने के लिए मना किया है।

केशवपुरम के आहूजा हॉस्पिटल में रविवार को हुए मुजफ्फनगर की पारुल तोमर को बेगूसराय के आयुष की किडनी ट्रांसप्लांट की गई थी। ट्रांसप्लांट करने के लिए एक टीम गाजियाबाद और दूसरी लखनऊ से आई थी। पुलिस ने गाजियाबाद वाली टीम में शामिल कुलदीप सिंह राघव और राजेश तोमार को जेल भेजा जबकि ओटी मैनेजर मुदस्सर अली सिद्दीकी की तलाश की जा रही है।

पुलिस ने उसकी पत्नी से उत्तमनगर स्थित फ्लैट में पूछताछ की है। अली की पत्नी भी ओटी टेक्नीशियन है। दूसरी टीम में डॉ. सैफ, डॉ. अखिलेश, डॉ. कैफ समेत अन्य की जानकारी जुटाई जा रही है। इसी तरह दिसंबर 2025 में मेडिलाइफ हॉस्पिटल में महिला की हुई किडनी ट्रांसप्लांट हुई थी। उसमें भी कुलदीप सिंह राघव, राजेश तोमर, अली, डॉ. रोहित समेत अन्य लोग आए थे।

पुलिस को दोनों ही टीमों में शामिल कुछ लोगों की जानकारी हुई है। डीसीपी पश्चिम जोन एमएस कासिम आबिदी ने बताया कि लखनऊ से आई टीम में एक टेक्नीशियन भी शामिल था। अब तक हुई जानकारी में पता चला है कि उसका लखनऊ में नर्सिंगहोम है। वह कुछ समय पहले स्वरूपनगर के नर्सिंगहोम में कार्य करता था । इसके कुछ दिन बाद तक लाजपतनगर के नर्सिंगहोम से जुड़ा हुआ था।

अब उसने लखनऊ में खुद का नर्सिंगहोम खोल लिया है। उससे जेल गए शिवम अग्रवाल का अक्सर मिलना जुलना रहता था। शिवम भी दोनों नर्सिंगहोम में आता-जाता था। वहां के कुछ स्टाफ को आहूजा हॉस्पिटल और मेडलाइफ हॉस्पिटल में आने की जानकारी हुई है। पुलिस ने दोनों नर्सिंगहोम से चार-पांच लोगों से पूछताछ की है। वहां के अधिकारियों को भी इसकी जानकारी दे दी गई है। अब तक उनके संचालकों ने भी सहयोग किया है।

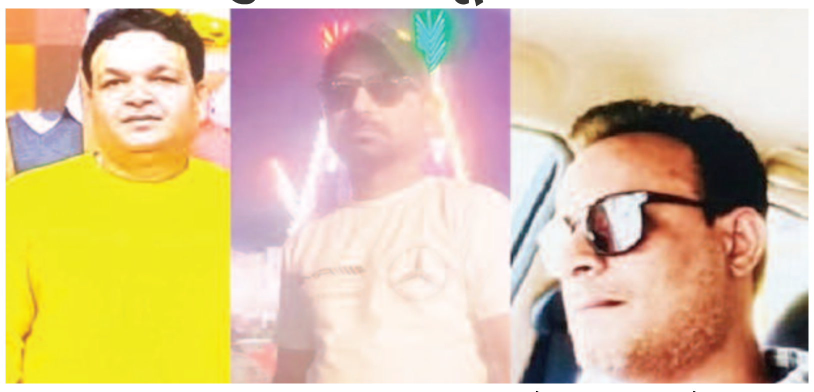

हमारा किडनी रैकेट से कोई लेनादेना नहीं

प्रकरण के दौरान चर्चा में आए न्यू मान्या अस्पताल के संचालक डॉ. एसके सैनी ने किडनी रैकेट मामले में अपनी सफाई दी है। उन्होंने कहा है कि उनका इस रैकेट से कोई लेनादेना नहीं है। मान्या अस्पताल में अभी काम चल रहा है। इसके दस्तावेज मुख्य चिकित्सा अधिकारी कार्यालय भिजवा दिए हैं। ऑनलाइन आवेदन भी किया है। जैसे ही अस्पताल का लाइसेंस मिलता है। इसके बाद ही रोगी भर्ती कर इलाज किया जाएगा।

पुलिस ने शनिवार को मेडिलाइफ हॉस्पिटल के संचालक रहे रोहन और नरेंद्र को पूछताछ के लिए उठाया गया है। उनसे कुछ जानकारी मिली है। पुलिस लखनऊ से आई टीम के बारे में साक्ष्य एकत्रित कर रही है। डीसीपी पश्चिम ने बताया कि दोनों संचालकों के अलावा दिल्ली में अली की पत्नी से भी पूछताछ की गई है। एक टीम मेरठ और दूसरी गाजियाबाद में सक्रिय है।

डीसीपी पश्चिम एमएम कासिम आबिदी के मुताबिक डॉ. रोहित, डॉ. वैभव, डॉ. अफजल, डॉ. अमित, मुदस्सर अली सिद्दीकी समेत अन्य की तलाश की जा रही है। डॉ. वैभव डेंटिस्ट और डॉ. अफजल जनरल फिजीशियन बताया जा रहा है। डॉ. अमित फिजियोथेरेपिस्ट है। मेरठ के अल्फा अस्पताल से जुड़े हुए हैं।

अवैध तरीके से चल रहे किडनी ट्रांसप्लांट के खेल में पुलिस को किडनी डोनर ग्रुप की जानकारी मिली है। इसमें 500 से अधिक लोग जुड़े हुए हैं। उनके बीच डोनर, रिसीवर लाने और उन्हें भर्ती कराने की डिटेल है। पुलिस आरोपियों की और जानकारी जुटा रही है जिसके लिए साइबर क्राइम ब्रांच और पश्चिम जोन की साइबर सेल की मदद ली जा रही है।

डीसीपी पश्चिम एसएम कासिम आबिदी ने बताया कि जेल भेजे गए आठ आरोपियों के मोबाइल में व्हाट्स एप, टेलीग्राम और सोशल मीडिया अकाउंट की जांच की गई। शिवम और किडनी डोनर आयुष के मोबाइल में टेलीग्राम पर किडनी डोनर ग्रुप मिला है। इसके सदस्यों के बीच किडनी ट्रांसप्लांट, अस्पताल भेजने, जांच कराने आदि को लेकर आपसी संवाद हैं। इसी में कुछ सदस्य छोटे छोटे टास्क देकर लोगों को रुपये कमाने का लालच देते हैं।

शुरू में आयुष को 500 से दो हजार रुपये तक मिले। उसने ग्रुप पर लिखा कि उसे पांच लाख रुपये की आवश्यकता है, जिस पर उसे अन्य ग्रुप लाइव किडनी में जोड़ लिया गया। इस ग्रुप में उससे किडनी डोनेट करने का प्रस्ताव दिया गया। उसकी सहमति मिलने पर सहमति पत्र देने को कहा गया। डीसीपी के मुताबिक आयुष की जांच हुई और उसे मेरठ के अल्फा अस्पताल में भर्ती किया गया। उसकी ब्लड और अन्य जांचें हुईं। सब कुछ सही मिलने पर सौदा हुआ।

सोने के दामों में 18.5 फीसदी गिरावट, गिरवी सोने को नीलामी से बचाने सावधान रहें

-50-60 प्रतिशत से ज्यादा लोन लेने से बचें

मुंबई।

अंतरराष्ट्रीय बाजार में उतार-चढ़ाव के बीच सोने के दामों में करीब 18.5 फीसद की गिरावट दर्ज की गई है। कीमतों में इस कमी का असर गोल्ड लोन लेने वाले ग्राहकों पर भी पड़ रहा है। जिन लोगों ने ऊंचे भाव पर सोना गिरवी रखकर अधिक राशि का कर्ज लिया था, उनके सामने अब 'मार्जिन कॉल' का खतरा बढ़ गया है।विशेषज्ञों के अनुसार, जब सोने की कीमत घटती है तो गिरवी रखे आभूषणों की वैल्यू कम हो जाती है और लोन-टू-वैल्यू (एलटीवी) अनुपात बढ़ जाता है। ऐसी स्थिति में बैंक या वित्तीय संस्थान अतिरिक्त रकम जमा कराने या आंशिक लोन चुकाने का नोटिस दे सकते हैं। तय समय में भुगतान नहीं करने पर गिरवी सोने की नीलामी की प्रक्रिया भी शुरू हो सकती है।वित्तीय सलाहकारों का कहना है कि मौजूदा अस्थिर बाजार में सोने के वर्तमान मूल्य का 50 से 60 फीसदी तक ही लोन लेना सुरक्षित माना जाता है। इससे कीमतों में गिरावट आने पर भी उधारकर्ता के पास सुरक्षा का पर्याप्त मार्जिन रहता है और नीलामी की नौबत नहीं आती। ग्राहकों को समय-समय पर बाजार भाव पर नजर रखने और जरूरत पड़ने पर लोन आंशिक रूप से चुकाने की सलाह दी गई है।

वित्त वर्ष 2025-26 में देश में वाहन बिक्री में 13.3 फीसदी की रिकॉर्ड वृद्धि

- पिछले वित्त वर्ष में वाहनों की बिक्री 41,63,927 इकाई थी

नई दिल्ली ।

देश में सभी श्रेणियों के वाहनों की खुदरा बिक्री वित्त वर्ष 2025-26 में 13.3 प्रतिशत बढ़कर रिकॉर्ड 2,96,71,064 इकाई तक पहुंच गई। यह जानकारी फेडरेशन ऑफ ऑटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशंस (फाडा) ने सोमवार को जारी की।` पिछले वर्ष की तुलना में यह बिक्री 2,61,87,255 इकाई थी। वर्ष की शुरुआत धीमी रहने के बावजूद जीएसटी 2.0 लागू होने के बाद बाजार में तेजी आई। यात्री वाहनों की खुदरा बिक्री 13 प्रतिशत बढ़कर 47,05,056 इकाई हुई, जबकि पिछले वित्त वर्ष में यह 41,63,927 इकाई थी। दोपहिया वाहनों की बिक्री 13.4 प्रतिशत बढ़कर 2,14,20,386 इकाई रही।

तिपहिया वाहनों की बिक्री 11.68 प्रतिशत बढ़कर 13,63,412 इकाई और वाणिज्यिक वाहनों की बिक्री 11.74 प्रतिशत बढ़कर 10,60,906 इकाई रही। फाडा के एक अे धिकारी ने कहा` कि यह वर्ष भारतीय मोटर वाहन उद्योग के लिए ऐतिहासिक रहा। छह में से पांच वाहन श्रेणियों में बिक्री के नए रिकॉर्ड बने हैं। तीन करोड़ इकाइयों के स्तर के करीब पहुंचना दो साल पहले असंभव लगता था। जीएसटी 2.0 के लागू होने से दोपहिया, छोटी कारों, तिपहिया और कुछ वाणिज्यिक वाहनों की वहनीयता में सुधार हुआ। हालांकि, फाडा ने भविष्य में पश्चिम एशिया युद्ध, ईंधन कीमतों और उपभोक्ता विश्वास पर पड़ने वाले प्रभावों को लेकर सतर्क रहने की चेतावनी दी। संगठन के सर्वेक्षण में 36.5 प्रतिशत डीलरों ने कहा कि बढ़ती ईंधन कीमतें ग्राहकों के खरीद निर्णयों को प्रभावित कर रही हैं। वहीं, वित्तपोषण स्थितियां स्थिर रहीं, और 72.5 प्रतिशत डीलरों ने पिछले 30 दिनों में कोई बदलाव नहीं देखा।

जिंदल स्टील ने ईंधन संकट में सिंगैस का इस्तेमाल शुरू किया

- कोयले से तैयार सिंथेसिस गैस (सिंगैस) एक स्वच्छ जलने वाला ईंधन है

नई दिल्ली ।

ईंधन की कमी के बीच जिंदल स्टील ने अपने उच्च तापमान वाली भट्टियों में सिंथेसिस गैस (सिंगैस) का इस्तेमाल शुरू किया है। इससे प्राकृतिक गैस, एलपीजी और प्रोपेन की आपूर्ति में व्यवधान के बावजूद उत्पादन में निरंतरता बनी। यह इस्पात उद्योग में ऐसा पहला प्रयास है। सिंथेसिस गैस एक स्वच्छ जलने वाला ईंधन है जो अपशिष्ट और जैविक पदार्थों को ऊर्जा में बदलता है। जिंदल स्टील ने इसे कोयले के गैसीकरण से तैयार किया है। इसके इस्तेमाल से गैल्वनाइजिंग लाइन में इस्पात पर जस्ता की परत और कलर कोटिंग लाइन में धातु पर रंग की परत चढ़ाने वाली भट्टियों का संचालन सुचारू हुआ। कंपनी ने देश का पहला डीआरआई संयंत्र स्थापित किया है, जिसमें सिंगैस का इस्तेमाल लोहे के उत्पादन में होता है। इसके साथ ही ब्लास्ट फर्नेस में सिंगैस इंजेक्शन से आयातित कोकिंग कोयले पर निर्भरता कम हुई और प्रति टन इस्पात कार्बन उत्सर्जन में भी कमी आई। अंगुल संयंत्र के एक कार्यकारी निदेशक के अनुसार स्वदेशी कोयले से तैयार सिंगैस आयातित गैस, अमोनिया और द्रवीकृत प्राकृतिक गैस का विकल्प बन सकता है।

इससे भारत को अपने विशाल कोयला भंडार का उपयोग कर भविष्य में कम कार्बन उत्सर्जन वाली वृद्धि सुनिश्चित करने और विदेशी मुद्रा बचाने में मदद मिलेगी। जिंदल स्टील के संयंत्र ओडिशा (अंगुल), छत्तीसगढ़ (रायगढ़) और झारखंड (पतरातू) में हैं, और कंपनी का भारत और अफ्रीका में भी रणनीतिक परिचालन है।

विप्रो ने ओलाम समूह से किया एक अरब डॉलर का करार

- कंपनी की माइंडस्प्रिंट को 37.5 करोड़ डॉलर में खरीदने की योजना

नई दिल्ली ।

सूचना प्रौद्योगिकी सेवा कंपनी विप्रो ने सिंगापुर स्थित खाद्य एवं कृषि कारोबार समूह ओलाम के साथ आठ वर्ष का बहुवर्षीय रणनीतिक समझौता किया है। इस करार का अनुमानित मूल्य 1 अरब अमेरिकी डॉलर से अधिक है, जिसमें 80 मिलियन डॉलर का सुनिश्चित व्यय शामिल है। इसके तहत विप्रो, ओलाम की आईटी और डिजिटल सेवा इकाई माइंडस्प्रिंट प्राइवेट लिमिटेड का अधिग्रहण करेगी। विप्रो ने सोमवार को शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि यह समझौता कंपनी की ÷फार्म से फोर्क÷ क्षमताओं को बढ़ाने और खाद्य एवं कृषि उद्योग में डिजिटल प्रभाव को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। माइंडस्प्रिंट की स्थापना 2007 में सिंगापुर में हुई थी

और कंपनी के 3,200 से अधिक कर्मचारी भारत, सिंगापुर, अमेरिका, ब्रिटेन और पश्चिम एशिया में कार्यरत हैं। कंपनी ने 2025 में 13.56 मिलियन डॉलर का समेकित राजस्व दर्ज किया। ओलाम समूह, जिसकी प्रमुख हिस्सेदारी टेमासेक होल्डिंग्स के पास है, दुनिया भर में 60 से अधिक देशों में लगभग 22,000 ग्राहकों को खाद्य पदार्थ, सामग्री, पशु चारा और रेशे की आपूर्ति करता है। यह अधिग्रहण ओलाम समूह की पुनर्गठन योजना के अनुरूप है, जिसके तहत समूह अपनी शेष परिसंपत्तियों और कारोबारों को जिम्मेदारीपूर्वक बेचकर विशेष लाभांश के रूप में शेयरधारकों में वितरित करेगा। माइंडस्प्रिंट का अधिग्रहण पूरी तरह नकद में किया जाएगा और 30 जून 2026 तक पूरा होने की उम्मीद है। यह समापन समायोजन और आवश्यक नियामकीय मंजूरी (सऊदी अरब और ऑस्ट्रेलिया में प्रतिस्पर्धा-रोधी मंजूरी सहित) के अधीन होगा। विप्रो के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने कहा कि यह साझेदारी खाद्य एवं कृषि उद्योग में डिजिटल सेवाओं के विस्तार और विप्रो इंटेलिजेंस के प्रभाव को बढ़ाने में मदद करेगी। अे धिकारी ने कहा` कि माइंडस्प्रिंट के विकास में यह कदम संगठन को और मजबूत और भविष्य के लिए तैयार बनाएगा।

देश के सेवा क्षेत्र की वृद्धि दर मार्च में 14 महीने में सबसे धीमी रही पीएमआई

- मार्च में नए कारोबार की वृद्धि धीमी रही, लेकिन नए निर्यात आदेशों में तेज उछाल दर्ज किया गया

नई दिल्ली ।

देश के सेवा क्षेत्र में मार्च 2026 में विस्तार जारी रहा, लेकिन वृद्धि की गति पिछले 14 महीनों में सबसे धीमी रही। एचएसबीसी इंडिया द्वारा जारी मासिक सर्वेक्षण के अनुसार, मौसमी रूप से समायोजित सेवा पीएमआई कारोबार सूचकांक फरवरी के 58.1 से घटकर मार्च में 57.5 पर आ गया। पीएमआई में 50 से ऊपर अंक गतिविधियों के विस्तार और 50 से कम अंक संकुचन का संकेत देते हैं। विशेषज्ञों के अनुसार, मार्च में नए कारोबार की वृद्धि धीमी रही, लेकिन नए निर्यात आदेशों में तेज उछाल दर्ज किया गया। कंपनियों ने अफ्रीका, एशिया, ऑस्ट्रेलिया, यूरोप, अमेरिका और पश्चिम एशिया से मांग बढ़ने की बात कही। सर्वेक्षण में यह भी बताया गया कि बिक्री मूल्य मुद्रास्फीति सात महीने के उच्च स्तर पर पहुंच गई, क्योंकि कच्चे माल की लागत में तेज वृद्धि हुई। फरवरी के बाद खाना पकाने का तेल, अंडे, बिजली, फल, ईंधन, श्रम, मछली, चिकन, मीट और सब्जियों की कीमतें बढ़ीं। निजी क्षेत्र में लागत दबाव लगभग चार वर्ष में सबसे अधिक रहा। रोजगार में लगातार तीसरे महीने वृद्धि दर्ज हुई। कंपनियों का मानना है कि बढ़ते विश्वास और मांग के कारण नौकरी सृजन मजबूत रहा।

उत्पादन के दृष्टिकोण में कंपनियों की आशावादिता पिछले 12 वर्षों में सबसे अधिक रही। एचएसबीसी इंडिया का समग्र पीएमआई फरवरी के 58.9 से घटकर मार्च में 57.0 हो गया, जो लगभग तीन वर्षों में विस्तार की सबसे धीमी दर दर्शाता है। यह सूचकांक विनिर्माण और सेवा क्षेत्रों के भारित औसत पर आधारित है।

आईईएक्स पर वित्त वर्ष 2025-26 में बिजली और नवीकरणीय ऊर्जा कारोबार में रिकॉर्ड वृद्धि

- सालाना आधार पर बिजली का कारोबार 17 प्रतिशत बढ़कर 141 अरब यूनिट हो गया

नई दिल्ली।

भारतीय ऊर्जा बाजार में वित्त वर्ष 2025-26 आईईएक्स (इंडियन इनर्जी एक्सचेंज) के लिए नए रिकॉर्ड लेकर आया। सालाना आधार पर बिजली का कारोबार 17 प्रतिशत बढ़कर 141 अरब यूनिट हो गया। विशेषज्ञों का कहना है कि इस वृद्धि का मुख्य कारण रियल-टाइम बाजार का मजबूत प्रदर्शन है, जिसने बाजार को अधिक सक्रिय और प्रतिस्पर्धात्मक बनाया।

वित्त वर्ष 2025-26 की जनवरी-मार्च तिमाही में आईईएक्स पर बिजली का कारोबार 39.4 अरब यूनिट तक पहुंच गया, जो अब तक का सबसे अधिक तिमाही स्तर है और सालाना आधार पर 24.3 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है। मार्च 2026 में मासिक स्तर पर भी कारोबार 13.90 अरब यूनिट तक बढ़ गया, जो पिछले साल की तुलना में 23.5 प्रतिशत अधिक है। नवीकरणीय ऊर्जा प्रमाणपत्र (आरईसी) कारोबार भी मजबूत रहा। पूरे वित्त वर्ष में कुल 187.20 लाख आरईसी का लेन-देन हुआ, जो सालाना आधार पर 5 प्रतिशत अधिक है। जनवरी-मार्च तिमाही में 71.70 लाख आरईसी का कारोबार दर्ज हुआ, जबकि मार्च 2026 में यह आंकड़ा सालाना आधार पर 119.9 प्रतिशत बढ़कर 28.94 लाख तक पहुंच गया।

'डे-अहेड मार्केट' में अगले दिन की आपूर्ति के लिए सौदों का मूल्य सालाना आधार पर 13.7 प्रतिशत घटकर 3.86 रुपये प्रति यूनिट रहा। वहीं वास्तविक समय बाजार का समापन मूल्य 3.59 रुपये प्रति यूनिट रहा, जो पिछले वित्त वर्ष की तुलना में 16 प्रतिशत कम है।

भारत में स्वच्छ ऊर्जा और ऊर्जा दक्षता क्षेत्रों में रोजगार में वृद्धि की संभावन

- 2030 तक बदल जाएगी रोजगार की तस्वीर, लगभग 13,33,700 तक पहुंचने की उम्मीद

नई दिल्ली ।

भारतीय अंतरराष्ट्रीय आर्थिक संबंध अनुसंधान परिषद (इक्रियर) के अध्ययन के अनुसार भारत में *स्वच्छ ऊर्जा और ऊर्जा दक्षता (ईई) क्षेत्रों में रोजगार अगले चार वर्षों में तीन गुना बढ़ सकता है। 2021-22 में इन क्षेत्रों में कुल रोजगार 4,44,900 था, जो 2029-30 तक लगभग 13,33,700 तक पहुंचने की संभावना है। अध्ययन के अनुसार वर्ष 2029-30 तक स्वच्छ ऊर्जा क्षेत्र में 9,05,000 और ऊर्जा दक्षता में 4,28,700 रोजगार होने की उम्मीद है। 2021-22 में स्वच्छ ऊर्जा और अन्य पारंपरिक स्वच्छ ऊर्जा में रोजगार 3,18,000 और ईई में 1,26,900 था। इक्रियर का कहना है कि यदि भारत 2030 तक 500 गीगावाट गैर-जीवाश्म ऊर्जा क्षमता हासिल करता है तो संबंधित रोजगार 2.8 गुना बढ़ जाएंगे। वहीं 15 करोड़ टन तेल समतुल्य ऊर्जा बचत का लक्ष्य प्राप्त होने पर ईई में रोजगार 3.8 गुना बढ़ने की संभावना है। विश्लेषण में यह भी सामने आया कि सौर ऊर्जा क्षेत्र में रोजगार का हिस्सा सबसे अधिक रहेगा। अध्ययन में यह भी उजागर हुआ कि वर्ष 2022-2030 के बीच गुजरात में 79,000 व राजस्थान में 77,000 अतिरिक्त नौकरियों का सृजन होगा और ये सबसे अधिक रोजगार सृजन करने वाले राज्य बनने की उम्मीद है। पवन ऊर्जा आधारित रोजगार सृजन के मामले में तमिलनाडु और गुजरात अग्रणी हैं जबकि आंध्र प्रदेश में बड़े जलविद्युत आधारित रोजगार में सबसे अधिक हिस्सेदारी होने की उम्मीद है। छतों पर सौर पैनल लगाने से संबंधित रोजगार के मामले में गुजरात के अग्रणी रहने की उम्मीद है जबकि जमीन पर लगाए जाने वाले सौर पैनल में सबसे अधिक अतिरिक्त रोजगार राजस्थान में मिलने की संभावना है। ऊर्जा दक्षता के रोजगार में तमिलनाडु का दबदबा है और उसके बाद गुजरात, महाराष्ट्र और कर्नाटक आते हैं।

होर्मुज तनाव के बीच कच्चे तेल की कीमतों में उछाल, ब्रेंट क्रूड 110 डॉलर

नई दिल्ली ।

पश्चिम एशिया में बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव के बीच वैश्विक तेल कीमतों में तेज की कीमतों में उछाल दर्ज किया गया। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ईरान को दी गई चेतावनी के बाद बाजार में अनिश्चितता बढ़ गई। वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड 0.74 प्रतिशत बढ़कर 109.8 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल हो गया। वहीं रवीवार को अंतरराष्ट्रीय बेंचमार्क ब्रेंट क्रूड की कीमत 1.4 फीसदी बढ़कर 110.60 डॉलर प्रति बैरल पहुंच गई, जबकि अमेरिकी क्रूड (डब्ल्यूटीआई) में 1.8 फीसदी की तेजी आई और यह 113.60 डॉलर प्रति बैरल पर बंद हुआ। रिपोर्ट के मुताबिक, ट्रंप ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रूथ सोशल पर ईरान को चेतावनी देते हुए कहा कि अगर होर्मुज को तुरंत नहीं खोला गया, तो ईरान के ऊर्जा ठिकानों पर हमला किया जा सकता है। उन्होंने संकेत दिया कि अमेरिका कड़े सैन्य कदम उठा सकता है। इस बयान के जवाब में एक वरिष्ठ ईरानी अधिकारी ने स्पष्ट किया कि मौजूदा परिस्थितियों में जलडमरूमध्य नहीं खोला जाएगा। उनका कहना था कि जब तक युद्ध से हुए नुकसान की पूरी भरपाई नहीं होती, तब तक यह मार्ग बंद रहेगा।

शीर्ष नौ शहरों में विदेशी कंपनियों ने 91 लाख वर्गफुट कार्यालय स्थान लिए पट्टे पर

नई दिल्ली ।

जनवरी-मार्च 2026 तिमाही में भारत के शीर्ष नौ शहरों में विदेशी कंपनियों द्वारा कार्यालय स्थान पट्टे पर लेने की गतिविधि रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गई है। एक रियल एस्टेट सलाहकार कंपनी के आंकड़ों के अनुसार, इस दौरान कुल 91 लाख वर्ग फुट कार्यालय स्थान पट्टे पर लिया गया, जो किसी भी तिमाही का अब तक का उच्चतम आंकड़ा है। कंपनी के अनुसार इन नौ शहरों में कुल कार्यालय पट्टे की मात्रा 2.07 करोड़ वर्ग फुट रही, जो पिछले साल इसी अवधि के 1.97 करोड़ वर्ग फुट की तुलना में 5 फीसदी अधिक है। इन शहरों में मुंबई, दिल्ली-एनसीआर, बेंगलुरु, हैदराबाद, चेन्नई, पुणे, कोलकाता, अहमदाबाद और कोच्चि शामिल हैं। बेंगलुरु ने 29 फीसदी हिस्सेदारी के साथ शीर्ष स्थान हासिल किया। इसके बाद दिल्ली-एनसीआर 22 फीसदी और मुंबई 16 फीसदी के साथ प्रमुख शहर बने।

एचडीएफसी बैंक में अनिश्चितता, मार्च तिमाही में शेयर 26 फीसदी टूटे

- चेयरमैन अतानु चक्रवर्ती के इस्तीफे के बाद विदेशी निवेशकों की भारी बिकवाली

मुंबई ।

देश के सबसे बड़े प्राइवेट बैंक एचडीएफसी बैंक को मार्च 2026 तिमाही में अनिश्चितता और निवेशकों की बिकवाली का सामना करना पड़ा। चेयरमैन अतानु चक्रवर्ती के अचानक इस्तीफे ने बैंक में उथल-पुथल पैदा की और शेयरों पर दबाव देखा जा रहा है। मार्च तिमाही में बैंक के शेयरों में 26.2 फीसदी गिरावट आई, जो मार्च 2020 के बाद सबसे बड़ी है। सिर्फ पिछले महीने विदेशी निवेशकों (एफआईआई) ने बैंक से लगभग 35,000 करोड़ रुपये निकाले। इसी दौरान विदेशी निवेशकों ने 47.95 करोड़ शेयर बेचे, जिससे उनकी संख्या घटकर 2,528 रह गई, जो दिसंबर 2025 में 2,757 थी। इस लगातार तीसरी तिमाही है जब विदेशी निवेशकों की हिस्सेदारी घट रही है। मार्च के अंत तक विदेशी हिस्सेदारी घटकर 44.05 फीसदी हो गई, जो पिछले तिमाही में 47.67 फीसदी थी। विश्लेषकों के अनुसार, चेयरमैन के इस्तीफे और निवेशकों के भरोसे में कमी ने बैंक की छवि और शेयर प्रदर्शन दोनों पर असर डाला है।

बैंक ऑफ महाराष्ट्र के कर्ज में चौथी तिमाही में 22 प्रतिशत बढ़ोतरी

- कुल कारोबार 6.42 लाख करोड़ रुपये तक पहुंचा

नई दिल्ली ।

पुणे मुख्यालय वाले सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक ऑफ महाराष्ट्र ने वित्त वर्ष 2025-26 की चौथी तिमाही में मजबूत वित्तीय प्रदर्शन दर्ज किया है। बैंक ने शेयर बाजार को जानकारी देते हुए बताया कि कुल ऋण और जमा दोनों में महत्वपूर्ण वृद्धि हुई है। बैंक के अनुसार जनवरी-मार्च 2026 तिमाही में कुल ऋण 2.92 लाख करोड़ रुपये हो गया, जो पिछले वित्त वर्ष की इसी तिमाही में 2.40 लाख करोड़ रुपये था, यानी 22 फीसदी की बढ़ोतरी। इसमें कॉरपोरेट ऋण 1.12 लाख करोड़ और खुदरा, कृषि तथा एमएसएमई क्षेत्र के ऋण 1.79 लाख करोड़ रुपये शामिल हैं। कुल जमा 3.50 लाख करोड़ रुपये होकर 14 फीसदी बढ़ गया, जबकि चालू और बचत खाते (सीएएसए) का अनुपात 13 फीसदी बढ़कर 1.84 लाख करोड़ रुपये रहा। इन परिवर्तनों के साथ बैंक का कुल कारोबार 6.42 लाख करोड़ रुपये तक पहुँच गया, जो पिछले वित्त वर्ष की तिमाही में 5.46 लाख करोड़ रुपये था। बैंक की यह तिमाही वृद्धि उसकी वित्तीय स्थिति और तरलता में सुधार को दर्शाती है।

सीएसके की तीसरी हार से निराश ऋतुराज बोले, मुझे बेहतर बल्लेबाजी करनी चाहिये थी

चेन्नई (एजेंसी)। चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) के लिए आईपीएल के 19 सत्र की शुरुआत अच्छी नहीं रही है और उसे लगातार तीसरी हार का सामना करना पड़ा है। सीएसके को अपने तीसरे मुकाबले में रॉयल चैलेंजर्स (आरसीबी) के खिलाफ मुकाबले में हार मिली है। इससे टीम के युवा कप्तान ऋतुराज गायकवाड़ निराश हैं। ऋतुराज ने हार की जिम्मेदारी लेते हुए कहा है कि मुझे अच्छी बल्लेबाजी करनी चाहिये थी। साथ ही कहा कि अगर मैंने रन बना दिए होते तो मैच का परिणाम कुछ और होता पर ऐसा हुआ नहीं। इस मैच में आरसीबी से मिले 250 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए सीएसके की टीम 207 रन ही बना पायी।

हार के बाद उन्होंने कहा, 'मैं भी टीम केप्रदर्शन से थोड़ा हैरान था। सरफराज खान, प्रशांत वीर और जेमी ओवरटन ने अच्छा खेल दिखाया। वहीं अगर मैंने शीर्ष क्रम में रन बनाये होते तो हम लक्ष्य हासिल कर सकते थे। इसलिए आरसीबी के खिलाफ मिली हार की जिम्मेदारी मैं अपने ऊपर लेता हूं। इस मैच में हमारी टीम ने जिस प्रकार विराट कोहली का कैच छोड़ा उससे भी हमें नुकसान हुआ। इसके अलावा आरसीबी के टिम डेविड की पारी से भी मैच हमारे हाथ से निकल गया। साथ ही कहा कि हमारी कुछ गलतियों से मैच हमारे हाथ ने फिसल गया।' इस मैच में सीएसके ने टॉस जीतकर आरसीबी को पहले बल्लेबाजी का आमंत्रण दिया था। आरसीबी ने टिम और पडीक्कल के अलावा कप्तान रजत पाटीदार की नाबाद 48 रन और फिल सॉल्ट की 46 रन की पारी से तीन विकेट पर 250 रन बनाये जिसका पीछा करते हुए सीएसके 207 रन ही बना पायी।

आईपीएल में आज होगा मुम्बई और राजस्थान का मुकाबला

गुवाहाटी (एजेंसी)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में मंगलवार को राजस्थान रॉयल्स का मुकाबला मुंबई इंडियंस से होगा। इस मैच में जहां रॉयल्स जीत का सिलसिला जारी रखने उतरेगी। वहीं मुम्बई का लक्ष्य पिछले मैच में मिली हार से उबरकर जीत की राह पर वापसी करना रहेगा। आंकड़ों पर नजर डालें ता अब तक दोनो के बीच 31 मुकाबले हुए हैं जिसमें से 16 मुम्बई ने जबकि 14 रॉयल्स ने जीते हैं। कप्तान रियान पराग की राजस्थान टीम ने अब तक काफी अच्छा खेला है। टीम के हर खिलाड़ी ने अपनी ओर से योगदान दिया है। यशस्वी जायसवाल ने टीम को अच्छी शुरुआत दी है, वहीं वैभव सूर्यवंशी ने इसे तेजी रही है। उनकी आक्रामक बल्लेबाजी ने पावरप्ले के दौरान टीम को काफी गति प्रदान की है। मध्यक्रम में ध्रुव जुरेल ने पारी को संभाला है, जबकि शिमरोन हेटमायर ने दबाव भरे पलों में भी बड़े-बड़े छक्के लगाकर टीम लक्ष्य तक पहुंचाया है। पराग ने स्वयं भी अपनी बल्लेबाजी और कप्तानी दोनों से टीम में अहम योगदान दिया है, जिससे टीम की मुख्य बल्लेबाजी संरचना में स्थिरता बनी रही है। ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा के आने से टीम का संतुलन बेहतर हुआ है।

गेंदबाजी में टीम के पास जोफ्रा आर्चर जैसा तेज गेंदबाज है। वहीं नांद्रे बर्गर ने ने उनका अच्छा साथ दिया है। बीच के ओवरों में रवि बिश्नोई ने अपनी स्पिन से विरोधियों पर अंकुश लगाया है। वहीं संदीप शर्मा और तुषार देशपांडे ने भी अच्छी गेंदबाजी का प्रदर्शन किया है। वहीं दूसरी ओर दूसरी ओर मुंबई इंडियंस की टीम के नियमित कप्तान हार्दिक पंड्या की इस मैच से वापसी अभी तय नहीं है। ऐसे में कप्तानी सूर्यकुमार यादव के पास ही रहने की संभावना है। मुम्बई की बल्लेबाजी रोहित शर्मा , सूर्यकुमार यादव के साथ ही तिलक वर्मा पर आधारित रहेगी।

इसके अलावा रयान रिकेल्टन शेरफेन रदरफोर्ड और मिशेल सैंटनर के अलावा टीम के पास। शार्दुल ठाकुर जैसे ऑलराउंडर हैं। मुंबई की गेंदबाजी जसप्रीत बुमराह और ट्रेंट बोल्ट पर आधारित है। वहीं बीच के ओवरों में स्पिनर मिशेल सैंटनर विरोधी टीम पर अंकुश लगायेंगे। कुल मिलाकर देखा जाये तो मुकाबला रोमांचक होगा।

टीम इस प्रकार है

राजस्थान रॉयल्स : रियान पराग (कप्तान), यशस्वी जायसवाल, वैभव सूर्यवंशी, ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), शिमरोन हेटमायर, रविंद्र जडेजा, जोफ्रा आर्चर, नंद्रे बर्गर, तुमार देशपांडे, संदीप शर्मा, रवि बिश्नोई। इम्पैक्ट प्लेयर-डोनोवन फरेरा।

मुम्बई इंडियंस : सूर्यकुमार यादव (कप्तान), रयान रिकेल्टन (विकेटकीपर), रोहित शर्मा, तिलक वर्मा, हार्दिक पांड्या, नमन धीर, शेरफेन रदरफोर्ड, मिचेल सेंटनर, कॉर्बिन बॉश, दीपक चाहर, जसप्रीत बुमराह। इम्पैक्ट प्लेयर-शार्दुल ठाकुर।

भविष्य में सीएसके की कप्तानी भी संभाल सकते हैं सैमसन : मनोज तिवारी

कोलकाता। पूर्व क्रिकेटर मनोज तिवारी ने विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसन की प्रशंसा करते हुए कहा है कि पिछले कुछ समय में उनका बेहतीन प्रदर्शन सामने आया है और ऐसे में वह इस बार चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) के लिए बेहद उपयोगी साबित होंगे। तिवारी के अनुसार सैमसन एक अच्छे बल्लेबाज हैं, विकेटकीपर हैं मौका मिलने पर वह कप्तानी भी कर सकते हैं। उन्होंने आईपीएल और घरेलू क्रिकेट में लंबे समय तक कप्तानी की है। साथ ही कहा कि आज महेन्द्र सिंह धोनी जिस प्रकार सीएसके में लोकप्रिय हैं। वैसे ही आने वाले समय में सैमसन भी होंगे। वह धोनी के जाने के बाद सीएसको को उनकी कम महसूस नहीं होने लेंगे। मनोज तिवारी ने कहा कि, हर इंसान के जीवन में एक अच्छा समय आता है और यही अब सैमसन के साथ हो रहा है। इस पूर्व क्रिकेटर ने आगे कहा कि जिस तरह से सैमसन ने टी20 विश्व कप 2026 में खेला उसके लिए उनकी सराहना होनी चाहिये। उनको पहले ही पारी की शुरुआत का अवसर मिलना चाहिए था, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। जब उन्हें मौका मिला तब वो मध्यक्रम में खेले और फिर उन्हें पारी शुरु करने का मौका मिला और फिर जिस तरह से उन्होंने बल्लेबाजी की उससे सभी प्रभावित हुए हैं।

संग्राम सिंह अर्जेंटीना में एमएमए खिताब जीतने वाले पहले भारतीय बने

ब्यूनस आयर्स (एजेंसी)। भारत के संग्राम सिंह ने अर्जेंटीना में मिक्स्ड मार्शल आर्ट् (एमएमए) खिताब जीत लिया है। संग्राम ये एक अहम उपलब्धि हासिल करने वाले पहले भारतीय हैं। संग्राम ने खिताबी मुकाबले में फ्रांस के फाइटर फ्लोरियन को दो मिनट में ही हरा दिया। इस जीत के साथ ही संग्राम ने एक बार फिर अपने को साबित किया है। संग्राम की एमएमए में यह लगातार तीसरी जीत है। इससे पहले उन्होंने जॉर्जिया के त्बिलिसी और नीदरलैंड्स के एम्स्टर्डम में भी मुकाबले जीते थे। वह कॉमनवेल्थ हेवीवेट चैंपियन भी रहे हैं। वहीं जीत के बाद संग्राम ने कहा, मेरे लिए जीत या हार अधिक महत्वपूर्ण नहीं है। मैं या तो जीतता हूं या सीखता हूं। मैं हमेशा कहता हूं कि जुनून की कोई उम्र नहीं होती। मेरा सपना था कि मैं अर्जेंटीना में जीतने वाला पहला भारतीय बनूं और आज मेरा सपना पूरा हो गया है। संग्राम ने अपनी सफलता का श्रेय अपने कोच को दिया है। उन्होंने कहा, मैं अपने कोच का आभार व्यक्त करता हूं, जो पिछले 25 साल से मेरे साथ हैं। उन्होंने मेरी सफलता के लिए दिन-रात मेहनत की। संग्राम के सामने फ्लोरियन काफी कमजोर नजर आये भारतीय रेसलर ने उन्हें पहले किक पकड़कर गिराया और फिर अपने दांव आजमाकर मैच अपने नाम कर लिया। संग्राम ने इससे पहले भी कई देशों में हुए खिताबी मुकाबले जीते हैं और वह इस क्षेत्र में देश का नाम रौशन करते आये हैं।

अगर पडिक्कल इसी तरह बैटिंग करते रहे, तो उन्हें भारतीय टीम से बाहर रखना मुश्किल होगा: पूर्व क्रिकेटर

नई दिल्ली (एजेंसी)। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के मेंटर दिनेश कार्तिक का मानना है कि देवदत्त पडिक्कल को भारतीय टीम से लंबे समय तक बाहर रखना मुश्किल होगा, जिस तरह से वह घरेलू क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन के बाद IPL में बैटिंग कर रहे हैं। रविवार को चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ RCB की बड़ी जीत में पडिक्कल ने अहम भूमिका निभाई, उन्होंने 29 गेंदों में ताबड़तोड़ 50 रन बनाए।

चिन्नास्वामी स्टेडियम में पडिक्कल की शांत और संयमित पारी के बारे में पूछे जाने पर RCB के बैटिंग कोच कार्तिक ने शुरुआती मुश्किल दौर में उनके संयम की तारीफ की जिसके बाद उन्होंने खुलकर खेलना शुरू किया। कार्तिक ने कहा, 'सबसे पहली बात जो सामने आती है, वह है उनका पक्का इरादा। इस तरह की पिच पर, जब शुरुआत में रन आसानी से नहीं बनते, तो कई बैटर बड़ा शॉट खेलने की कोशिश करते हैं और अपनी विकेट गंवा बैठते हैं। जब हालात मुश्किल थे, तब भी धैर्य बनाए रखने के लिए देवदत्त ने बहुत हिम्मत दिखाई।'

उन्होंने कहा, 'जैसे ही उन्हें पहली बाउंड्री मिली, आप देख सकते थे कि उन्होंने अपनी बैटिंग का गियर बदल दिया। वह सही क्रिकेटिंग शॉट खेल रहे हैं और गेंद को जोरदार तरीके से मार रहे हैं। अगर वह इसी तरह बैटिंग करते रहे, तो उन्हें भारतीय टीम से लंबे समय तक बाहर रखना मुश्किल होगा। उन्होंने घरेलू क्रिकेट में खूब रन बनाए हैं और हम जानते हैं कि वह एक बेहतरीन खिलाड़ी हैं।' कार्तिक ने आगे कहा, 'एक और बात जो काबिले-तारीफ है कि वह यह कि वह कर्नाटक के ड्रेसिंग रूम में एक लीडर के तौर पर उभरकर सामने आ रहे हैं। 25 साल की उम्र में भी, वह अपने आइडिया और लीडरशिप से टीम में योगदान दे रहे हैं, और यह देखना बहुत अच्छा लगता है।' पडिक्कल की पारी में 5 बाउंड्री और दो छक्के शामिल थे, जिससे RCB 250/3 के विशाल स्कोर तक पहुंचने में कामयाब रही इससे पहले टिम डेविड ने 25 गेंदों में 70 रन की तूफानी पारी खेली थी। RCB ने यह मैच 43 रनों से जीता और CSK को लगातार तीसरी हार का सामना करना पड़ा।

सरफराज ने पॉवरप्ले में अर्धशतक लगाकर बनाया रिकार्ड

चेन्नई । चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) के बल्लेबाज सरफराज खान ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में रॉयल चैलेंजर्स (आरसीबी) के खिलाफ मुकाबले में नंबर चार पर खेलते हुए पावरप्ले में अर्धशतक लगाकर एक नया रिकार्ड बनाया है। इस मैच में हालांकि वह अपनी टीम को हार से नहीं बचा पाये। आरसीबी की टीम के 250 रनों के जवाब में सीएसके टीम 19.4 ओवर में 207 रन ही बना पायी। सरफराज के लिए आमतौर पर चिन्नास्वामी स्टेडियम की पिच अच्छी रही। इससे पहले साल 2015 में उन्होंने यहां आरसीबी की ओर से खेलते हुए 45 रन बनाये थे। अब एक दशक बाद इसी मैच में आरसीबी के खिलाफ उन्होंने एक बेहतरीन पारी खेली है। इस मैच में सीएसके के बल्लेबाज लक्ष्य का पीछा करते हुए विफल रहे। शीर्ष तीन बल्लेबाज संजू सैमसन, ऋतुराज गायकवाड़ और आयुष म्हात्रे केवल 17 रन ही बना पाये। सरफराज ने 200 से ज्यादा के स्ट्राइक रेट से अर्धशतक लगाया। सरफराज अपनी अर्धशतकीय पारी के साथ ही आईपीएल में आईपीएल में नंबर 4 या उससे नीचे बल्लेबाजी करते हुए पहले छह ओवरों के अंदर अर्धशतक लगाने वाले पहले बल्लेबाज बने हैं। वहीं आरसीबी के खिलाफ सरफराज का यह दूसरा अर्धशतक था। इससे पहले उन्होंने साल 2019 में पंजाब किंग्स की ओर से एक अर्धशतक लगाया था. वहीं अब छह साल बाद अपना दूसरा अर्धशतक लगाया है।

एशियाई मुक्केबाजी चैम्पियनशिप : प्रीति ने ओलंपिक विजेता को हराया, फाइनल में बनाई जगह

उलानबटोर (मंगोलिया) । उदीयमान भारतीय मुक्केबाज प्रीति पवार ने पेरिस ओलंपिक कांस्य पदक विजेता कोरिया की ऐजी इम को हराकर एशियाई मुक्केबाजी चैम्पियनशिप के फाइनल में प्रवेश कर लिया जबकि निकहत जरीन और लवलीना बोरगोहेन हारकर बाहर हो गई । प्रिया और अरूंधति चौधरी ने भी अपने सेमीफाइनल मुकाबले जीते। विश्व चैम्पियनशिप पदक विजेता पूजा रानी और अंकुशिता बोरो को सेमीफाइनल में हारने के बाद कांस्य पदक से संतोष करना पड़ा। एशियाई खेलों की कांस्य पदक विजेता प्रीति ने तीन दौर के मुकाबले में इम को 5-0 से हराया। अब फाइनल में उनका सामना तीन बार की विश्व चैम्पियन (2019, 2023, 2025) और तोक्यो ओलंपिक 2020 की कांस्य पदक विजेता चीनी ताइपै की हुआंग सियाओ वेन से होगा। महिलाओं के 60 किलोवर्ग में प्रिया ने स्थानीय मुक्केबाज नामून मोंखोर को 5-0 से हराकर फाइनल में जगह बनाई। अब उनका सामना उत्तर कोरिया की उन जियोंग वोन से होगा। अरूंधति ने उजबेकिस्तान की ओइशा तोइरोवा को 70 किलोवर्ग के सेमीफाइनल में 4.1 से हराया। अब उनका सामना कजाखस्तान की बेकित सेइदिश से होगा। दो बार की विश्व चैम्पियन निकहत को ओलंपिक पदक विजेता चीन की वू यू ने 51 किलोवर्ग के सेमीफाइनल में 5-0 से मात दी। निकहत की इस मुक्केबाज के खिलाफ यह दूसरी हार है। तोक्यो ओलंपिक कांस्य पदक विजेता लवलीना को 75 किलोवर्ग में विश्व चैम्पियनशिप कांस्य पदक विजेता उजबेकिस्तान की अजीजा जोकिरोवा ने 5-0 से मात दी। पहले दौर में बाय मिलने के बाद यह टूर्नामेंट में लवलीना का पहला मुकाबला था। अंकुशिता को चीनी ताइपै की नियेन चिन चेन ने 3-0 से हराया। महिलाओं के 80 किलो वर्ग में पूजा सेमीफाइनल में कजाखस्तान की एन रियाबेत्स से हार गई।

इंग्लैंड फुटबॉल टीम के कप्तान हैरी केन अभी कुछ समय मैदान से दूर रहेंगे

लंदन। इंग्लैंड फुटबॉल टीम के कप्तान हैरी केन चोटिल हो गये हैं और ऐसे में आने वाले टूर्नामेंटों में उनका खेलना संदिग्ध नजर आता है। केन को अभ्यास सत्र के दौरान यह चोट लगी थी। इसी कारण उन्हें कुछ समय के लिए मैदान से दूर रहना पड़ सकता है क्योंकि प्रबंधन उनकी वापसी को लेकर कोई खतरा नहीं उठाना चाहता है। एक रिपोर्ट के अनुसार केन के टखने में चोट लगी है, जिसकी वजह से वह अहम वाले मुकाबलों से बाहर रहेंगे। प्राप्त जानकारी के अनुसार केन को यह चोट अभ्यास सत्र के दौरान लगी थी। इसी कारण वह एक मैत्री मैच में भी नहीं खेल सके। इसके अलावा एक अन्य मुकाबले में आराम दिया गया था, जिससे उनकी फिटनेस को लेकर पहले ही प्रशंसकों को आशंका हो गयी थी। वहीं उनक क्लब के मुख्य कोच ने कहा है कि वह अगले घरेलू लीग मुकाबले में नहीं रहेंगे। हालांकि, उन्होंने उम्मीद जताई है कि हेरी शीघ्र ही वापसी करेंगे। वह अंतरराष्ट्रीय क्लब टूर्नामेंट में खेल सकते हैं। यह मुकाबला काफी महत्वपूर्ण माना जा रहा है और इसमें उनकी भूमिका निर्णायक हो सकती है। केन का इस सीजन का प्रदर्शन काफी अच्छा रहा है। उन्होंने क्लब और राष्ट्रीय टीम की ओर से काफी गोल किये हैं। ऐसे में उनके बार रहने से टीम को नुकसान पहुंचेगा। आने वाले माह में विश्व स्तर का बड़ा टूर्नामेंट भी होना है, ऐसे में टीम प्रबंधन चाहत ही हैरी को पर्याप्त आराम दे दिया जाये जिससे कि वह तय समय तक फिट हो जायें।

शुरुआती बल्लेबाजों के विफल होने से हारे : ईशान किशन

हैदराबाद । सनराइजर्स हैदराबाद के कार्यकारी कप्तान ईशान किशन ने आईपीएल में यहां अपने घरेलू मैदान में लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ मिली हार पर निराशा जतायी है। इस मैच में सनराइजर्स को पांच विकेट से हार का सामना करना पड़ा। ईशान ने कहा है कि शुरुआती बल्लेबाजों के असफल होने से टीम हारी है। टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए अपने चार विकेट खो दिये थे। इसके बाद नीतीश कुमार रेड्डी 56 रन और हेनरिक क्लासेन के 62 रनों की सहायता से सनराइजर्स की टीम 20 ओवर में केवल 156 रन तक पहुंची थी। ईशान ने कहा कि जो स्कोर उनकी टीम ने बनाया था वह बचाव के लिए पर्याप्त नहीं था। उन्होंने कहा कि इसके बाद भी हर्ष दुबे ने 18 रन देकर दो विकेट लेकर अपनी ओर से पूरा प्रयास किया। इससे टीम ने अंतिम ओवर तक जीत हासिल करने का प्रयास किया। ईशान ने कहा कि यह एक अच्छा मैच था पर बचाव के लिए उनके रन कम पड़ गये। गेंदबाजों ने योजना के अनुसार अच्छी गेंदबाजी की और क्षेत्ररक्षकों ने भी अपनी ओर से पूरा प्रयास किया। साथ ही कहा शुरुआत में 4 विकेट गिरने से दूसरे बल्लेबाजों पर दबाव आ गया पर क्लासेन और नीतीश ने अच्छी बल्लेबाजी कर टीम को 150 से ऊपर पहुंचाया। वहीं सुपरजायंट्स के कप्तान ऋषभ ने अच्छी बल्लेबाजी कर मैच हमारे हाथ से छीन लिया।

आईसीसी महीने के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों की घोषणा, भारत के दो खिलाड़ी लिस्ट में शामिल

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के विकेटकीपर-बल्लेबाज संजू सैमसन, बेहतरीन तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह और दक्षिण अफ्रीका के बल्लेबाज कॉनर एस्टरहुइजन को मार्च 2026 के लिए आईसीसी पुरुष प्लेयर ऑफ द मंथ अवॉर्ड के लिए नॉमिनेट किया गया है।

सैमसन ने 2026 पुरुष टी20 वर्ल्ड कप की शुरुआत बेंच पर बैठकर की थी, जब उन्हें चेन्नई में जिम्बाब्वे के खिलाफ सुपर एट्स मुकाबले से टीम में शामिल होने का मौका मिला, तो उन्होंने टूर्नामेंट की सबसे शानदार व्यक्तिगत कहानियों में से एक लिख दी। उन्होंने कोलकाता में वेस्टइंडीज के खिलाफ एक जरूरी सुपर 8 मुकाबले में 97 रन की यादगार नाबाद पारी खेली। इसके बाद मुंबई में इंग्लैंड के खिलाफ सेमी-फाइनल में और अहमदाबाद में न्यूजीलैंड के खिलाफ फाइनल में दोनों ही मैचों में उन्होंने 89-89 रन बनाए। उनके इन प्रयासों की बदौलत

भारत अपने घरेलू मैदान पर खिताब बचाने में कामयाब रहा और सैमसन को 'प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट' का अवॉर्ड मिला।

वहीं बुमराह भारत की हर उस नॉकआउट जीत के केंद्र में रहे, जिसने टीम को खिताब तक पहुंचाया। सेमी फाइनल में जहां इंग्लैंड के खिलाफ ज्यादातर गेंदबाजों ने 9.50 से ज्यादा रन प्रति ओवर दिए, बुमराह ने अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए 31 रन देकर 1 विकेट लिया। उनके 16वें और 18वें ओवर की कसी हुई गेंदबाजी निर्णायक साबित हुई और इंग्लैंड लक्ष्य का पीछा करते हुए 7 रन पीछे रह गया। इसके बाद न्यूजीलैंड के खिलाफ फाइनल में उन्होंने चार ओवर में सिर्फ 15 रन देकर चार विकेट झटके और अपने घरेलू मैदान पर 'प्लेयर ऑफ द मैच' का अवॉर्ड जीता। कुल मिलाकर बुमराह ने टूर्नामेंट के आखिरी तीन मैचों में 12 की औसत और 7 की इकॉनमी रेट से सात विकेट लिए।

टी20 वर्ल्ड कप खत्म होने के बाद एस्टरहुइजन ने न्यूजीलैंड के खिलाफ 5 मैचों में दक्षिण अफ्रीका के लिए 200 रन बनाकर शानदार प्रदर्शन किया। चौथे मैच में उन्होंने अपना पहला टी20आई अर्धशतक बनाया और फिर निर्णायक पांचवें मैच में 33 गेंदों पर नाबाद 75 रन की तूफानी पारी खेलकर दक्षिण अफ्रीका को 3-2 से सीरीज जिताई। उन्होंने 'प्लेयर ऑफ द मैच' के दो पुरस्कार जीते और 551 रेटिंग अंकों के साथ पुरुषों की टी20आई बैटिंग रैंकिंग में 39वें स्थान पर पहुंच गए। उन्होंने 5 मैचों के बाद किसी भी दक्षिण अफ्रीकी बल्लेबाज द्वारा यह चौथा सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है।

अब कमेंट्री नहीं कोचिंग पर ही ध्यान देंगे युवराज

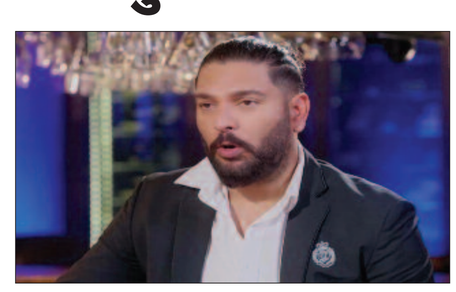

मुम्बई (ईएमएस)। पूर्व भारतीय क्रिकेटर युवराज सिंह ने कहा है अब वह कमेंट्री नहीं करेंगे। इसकी जगह पर कोचिंग और अपने कारोबार पर ध्यान देंगे। युवराज ने बताया कि कमेंट्री खेल पर बात करने का एक अच्छा मंच है पर वह इसलिए इसमें नहीं रहना चाहते हैं क्योंकि कुछ लोगों ने कमेंट्री के दौरान उनके निजी जीवन को लेकर टिप्पणियां की थीं। इसी वजह से वह इससे दूर रहना चाहते हैं। युवराज कहा, अब जब मैं रिटायर हो गया हूं तो मैं यह कहना चाहता हूं कि कुछ लोगों ने मेरे क्रिकेट पर नहीं, बल्कि मुझ पर निजी प्रहार किय। क्रिकेट पर बात करना समझ में आता है, क्योंकि वह खेल का हिस्सा है पर निजी जीवन पर कहना सही नहीं है। युवराज का कहना है कि वह अब कोचिंग के साथ ही अपने कामकाज मे लगे हुए हैं। वह युवा खिलाड़ियों के साथ काम कर रहे हैं और उगे बढ़ाने में सहायता कर रहे हैं। युवराज पंजाब के युवा खिलाड़ियों जैसे अभिषेक शर्मा और प्रभसिमरन सिंह के मेंटर की भूमिका निभा रहे हैं। इसके अलावा उन्होंने संजू सैमसन को भी कठिन दौर में टिप्स दिये थे। युवराज ने बताया कि उन्होंने संजू सैमसन को तकनीकी रूप से फुटवर्क सुधारने की सलाह दी थी।

धोनी फिटनेस टेस्ट में पास हुए तो दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ मुकाबले में उतरेंगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। मुम्बई (ईएमएस)। आईपीएल के इस 19 वें सत्र में अपने शुरुआती तीनो ही मैचों में हार के कारण मुश्किलों में फंसी चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के लिए राहत की खबर है। टीम को पांच बार खिताब जिताने वाले महेन्द्र सिंह धोनी की अगले मैच में वापसी हो सकती है बशर्ते वह फिटनेस टेस्ट में पास हो जाएं। धोनी काफ इंजरी (पिंडली की चोट) के कारण अब तक इस लीग में नहीं खेल पाये हैं हालांकि उन्होंने अभ्यास शुरु कर दिया है पर उन्हें खेलने की अनुमति फिटनेस टेस्ट में पास होने पर ही मिलेगी। अगर सब कुछ ठीक ठाक रहा तो वह 11 अप्रैल को चेन्नई में दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ होने वाले मैच से वापसी करेंगे। अगर ऐसा होता है तो सीएसके का मनोबला बढ़ जाएगा। धोनी के नहीं होने पर सीएसके को काफी परेशानियों से गुजरना पड़ रहा है। उनके रहने से टीम को मार्गदर्शन मिलता रहता है। इस बार आईपीएल 2026 अंकतालिक में टीम का खाता भी नहीं खुला है और वह सबसे नीचे 10वें स्थान पर है। सीएसके के लिए इस मैच से युवा डेवाल्ड ब्रेविस भी वापसी कर सकते हैं क्योंकि अब वह भी अपनी चोट से उबर गये हैं।

दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ अपने अगले मुकाबले में अगर धोनी और ब्रेविस खेलते हैं तो इससे सीएसके को काफी लाभ होगा। अगले कुछ दिनों में धोनी का फिटनेस टेस्ट होने की संभावना है और अगर वह इसमें पास हो गए तो चेपॉक में दिल्ली के खिलाफ मैदान पर उतरेंगे। आईपीएल में सीएसके धोनी पर कितना निर्भर है इसका अंदाजा आंकड़ों से होता है। अब तक धोनी ने केवल 8 मुकाबले नहीं खेल हैं। 3 मुकाबले 2010 में, 2 मुकाबले 2019 में और 3 मुकाबले अब तक 2026 में उन्होंने नहीं खेले हैं। हैरानी की बात ये है कि जिन 8 मैचों में एमएस धोनी प्लेइंग इलेवन का हिस्सा नहीं रहे हैं, उनमें से केवल एक ही मैच में सीएसके जीती है। वहीं बचे हुए 7 मैचों में टीम को हार का सामना करना पड़ा है।

मुलायम और गुलाबी होंठ हर किसी की चाहत होते हैं लेकिन बार-बार लिपस्टिक लगाने से होंठ ड्राई हो सकते हैं। ऐसे में आप घर पर प्राकृतिक चीजों की मदद से नेचुरल पिंक लिप बाम तैयार कर सकते हैं।

लिपस्टिक की नहीं पड़ेगी जरूरत! घर पर मिनटों में तैयार करें इन 5 चीजों से नेचुरल पिंक लिप बाम

खूबसूरत और गुलाबी होंठ चेहरे की रौनक बढ़ा देते हैं लेकिन प्रदूषण और खराब लाइफस्टाइल के कारण होंठों का कालापन एक आम समस्या बन गई है। बाजार में मिलने वाले लिप बाम अक्सर केमिकल से भरे होते हैं। ऐसे में चुकंदर लिप बाम एक जादुई घरेलू नुस्खा है जो आपके होंठों को नेचुरल गुलाबी रंगत देने के साथ-साथ उन्हें गहराई से मॉइस्चराइज भी करता है।

चुकंदर में प्राकृतिक रूप से गहरे लाल और गुलाबी रंग के तत्व पाए जाते हैं जो बिना किसी साइड इफेक्ट के होंठों की रंगत सुधारने में मदद करते हैं। यह न केवल होंठों के कालेपन को दूर करता है बल्कि इसमें मौजूद विटामिन और एंटीऑक्सीडेंट्स त्वचा को पोषण भी देते हैं। इसके लिए आप घर पर नेचुरल लिप बाम बना सकते हैं जो होठों के लिए सही साबित होगा।

आवश्यक सामग्री

चुकंदर: 1 मध्यम आकार का (कद्दूकस किया हुआ)

नारियल तेल या बादाम तेल: 1 बड़ा चम्मच

शहद: आधा छोटा चम्मच (नेचुरल चमक के लिए)

विटामिन-श्व कैप्सूल: 1 (लंबे समय तक सुरक्षित रखने के लिए)

वैसलीन या शिया बटर (वैकल्पिक): गाढ़ापन देने के लिए

बनाने की विध

सबसे पहले चुकंदर को कद्दूकस करके उसका सारा रस एक सूती कपड़े या छलनी की मदद से निकाल लें।

इस रस को एक धीमी आंच पर तब तक पकाएं जब तक कि यह गाढ़ा और आधा न रह जाए। (आप कच्चे रस का भी उपयोग कर सकते हैं, लेकिन पका हुआ रस ज्यादा समय तक चलता है)।

अब एक कटोरी में चुकंदर का रस, नारियल तेल, शहद और विटामिन-श्व का लिक्विड अच्छी तरह मिला लें।

इस मिश्रण को एक छोटी साफ डिब्बी में भर लें।

इसे कम से कम 2-3 घंटे के लिए फ्रिज में जमने दें। आपका नेचुरल पिंक लिप बाम तैयार है।

इस्तेमाल करने के फायदे

इसे लगाने के बाद आपको भारी लिपस्टिक लगाने की जरूरत नहीं पड़ेगी, यह एक नेचुरल 'टिंट' का काम करता है।

नारियल तेल और शहद होंठों की दरारों को भरते हैं और उन्हें मखमली कोमल बनाते हैं।

यह पूरी तरह से केमिकल फ्री है और किचन की चीजों से तैयार हो जाता है।

बेहतर रिजल्ट के लिए रात को सोने से पहले इसे लगाएं। सुबह तक आपके होंठ नरम और गुलाबी नजर आएंगे।

तनाव बन सकता है हार्ट अटैक की वजह

दिल को सुरक्षित रखने के लिए अपनाएं ये आदतें

आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में तनाव एक आम समस्या बन चुका है जो दिल की सेहत पर बुरा असर डाल सकता है। लंबे समय तक तनाव रहने से हार्ट अटैक जैसी गंभीर समस्याओं का खतरा बढ़ सकता है।

आधुनिक जीवनशैली में काम का बोझ, पारिवारिक जिम्मेदारियां और भविष्य की चिंता ने तनाव को हर घर का हिस्सा बना दिया है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि जिसे आप महज एक मानसिक स्थिति समझ रहे हैं वह आपके दिल का सबसे बड़ा दुश्मन है। जानकारी के अनुसार लंबे समय तक बना रहने वाला तनाव हृदय रोगों के खतरे को कई गुना बढ़ा देता है। जब हम तनाव में होते हैं तो शरीर में कोर्टिसोल और एड्रेनालिन जैसे हार्मोन निकलते हैं जो सीधे तौर पर ब्लड प्रेशर और हार्ट रेट को बढ़ा देते हैं।

गहरी सांस

तनाव को तुरंत कम करने का सबसे सरल तरीका है गहरी सांस लेना। आयुर्वेद में इसे प्राणायाम का आधार माना गया है। जब आप धीरे-धीरे गहरी सांस लेते हैं और उसे धीरे ही छोड़ते हैं तो शरीर में ऑक्सीजन का स्तर बढ़ता है। विज्ञान कहता है कि यह प्रक्रिया हमारे पैरासिम्पेथेटिक नर्वस सिस्टम को सक्रिय करती है जिससे दिल की धड़कन सामान्य होती है और मन को तत्काल शांति मिलती है।

शारीरिक सक्रियता

रोजाना केवल 30 मिनट की वॉक या योगासन आपके मूड को बेहतर बनाने वाले एंडोर्फिन हार्मोन को

रिलीज करते हैं। आयुर्वेद के अनुसार व्यायाम शरीर की ऊर्जा को संतुलित करता है जबकि आधुनिक विज्ञान मानता है कि नियमित एक्सरसाइज से ब्लड सर्कुलेशन बेहतर होता है और हृदय की मांसपेशियां मजबूत होती हैं।

सात्विक आहार

आयुर्वेद में सात्विक भोजन को सर्वोत्तम माना गया है। ताजे फल, हरी पत्तेदार सब्जियां, साबुत अनाज और पर्याप्त पानी न केवल शरीर को पोषण देते हैं बल्कि मन को भी स्थिर रखते हैं। एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर डाइट शरीर की सूजन को कम करती है जो हृदय रोगों का एक मुख्य कारण है।

मेडिटेशन

नियमित ध्यान या मेडिटेशन तनाव के स्तर को स्थायी रूप से कम करने का सबसे प्रभावी तरीका है। यह न केवल मानसिक स्पष्टता देता है बल्कि हृदय की कार्यप्रणाली में भी सुधार करता है। प्रतिदिन केवल 10-15 मिनट का मौन आपके दिल के लिए एक सुरक्षा कवच की तरह काम कर सकता है।

दिल की सेहत केवल जिम जाने या डाइट करने तक सीमित नहीं है बल्कि यह आपके मानसिक स्वास्थ्य से भी जुड़ी है। अपनी जीवनशैली में इन छोटे बदलावों को शामिल कर आप एक लंबे और स्वस्थ जीवन की नींव रख सकते हैं।

बालों के लिए वरदान है एलोवेरा

बस गर्मियों में आजमाएं ये नुस्खे

सिर्फ 15 दिनों में दिखने लगेगा असर!

एलोवेरा को बालों के लिए एक प्राकृतिक वरदान माना जाता है खासकर गर्मियों के मौसम में यह स्कैल्प को ठंडक पहुंचाने और बालों को मजबूत बनाने में मदद करता है।

गर्मी का पारा चढ़ते ही डैंड्रफ, चिपचिपापन और बालों का टूटना एक आम सिरदर्द बन जाता है। महंगे केमिकल वाले प्रोडक्ट्स अक्सर फायदे की जगह नुकसान पहुँचाते हैं। ऐसे में आयुर्वेद विशेषज्ञों ने एलोवेरा को बालों की हर समस्या का वन-स्टॉप सॉल्यूशन बताया है। यह न सिर्फ स्कैल्प को ठंडक देता है बल्कि जड़ों को फौलादी मजबूती भी प्रदान करता है।

जैसे ही गर्मी दस्तक देती है तेज धूप और पसीना हमारे बालों की प्राकृतिक नमी छीन लेते हैं। धूल-मिट्टी के कारण स्कैल्प के पोर्स बंद हो जाते हैं जिससे बाल कमजोर होकर टूटने लगते हैं। लेकिन घबराएं नहीं आपके घर के बगीचे में लगा एलोवेरा का इस्तेमाल इन सबका अंत कर सकता है।

क्यों खास है एलोवेरा

नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ आयुर्वेद के अनुसार एलोवेरा में मौजूद प्राकृतिक एंजाइम, विटामिन, मिनरल्स और एंटीऑक्सीडेंट्स बालों के लिए सुपरफूड का काम करते हैं। इसमें पाए जाने वाले प्रोटियोलिटिक एंजाइम स्कैल्प की मृत कोशिकाओं को रिपेयर करते हैं जिससे बालों की ग्रोथ तेज होती है।

ऑयल कंट्रोल

गर्मियों में पसीने के कारण स्कैल्प ऑयली हो जाता है। एलोवेरा अतिरिक्त तेल को साफ कर बालों को फ्रेश और बाउंसी बनाता है।

डैंड्रफ और खुजली से छुट्टी

इसके एंटी-फंगल और एंटी-बैक्टीरियल गुण स्कैल्प के इन्फेक्शन को जड़ से खत्म करते हैं। यह गर्मियों की जलन और इरिटेशन में तुरंत राहत देता है।

नेचुरल कंडीशनर

यह बालों की गहराई तक जाकर मॉइस्चराइज करता है जिससे दोमुंहे बालों की समस्या खत्म होती है और बाल रेशमी व चमकदार बनते हैं।

इस्तेमाल करने के आसान तरीके

डिजिटल युग में जहां समय की कमी है वहां ये नुस्खे आप मिंटों में आजमा सकते हैं।

ताजा एलोवेरा जेल को सीधे स्कैल्प पर लगाएं। 30-40 मिनट बाद माइल्ड शैम्पू से धो लें। यह स्कैल्प को डीप क्लीन करेगा।

सप्ताह में 2-3 बार एलोवेरा जेल में नारियल तेल मिलाकर मालिश करें। यह जड़ों को भीतर से पोषण देगा।

अगर डैंड्रफ ज्यादा है तो एलोवेरा जेल में कुछ बूंदें नींबू के रस की मिलाकर लगाएं। यह नुस्खा नेचुरल क्लींजर की तरह काम करता है।

गर्मियों में केमिकल युक्त शैम्पू का ज्यादा इस्तेमाल बालों को और ज्यादा ड्राई बना सकता है। एलोवेरा एक सुरक्षित और सस्ता विकल्प है। इसे रातभर लगाकर छोड़ने से बाल न केवल मजबूत होते हैं बल्कि स्कैल्प को भीषण गर्मी में भी ठंडक का एहसास होता रहता है।

हेल्दी स्प्राउट्स खाने से पहले हो जाएं सावधान!

इन लोगों के लिए बन सकता है नुकसान का कारण

स्प्राउट्स को हेल्दी डाइट का अहम हिस्सा माना जाता है लेकिन यह हर किसी के लिए फायदेमंद नहीं होते। कुछ लोगों के लिए इसका सेवन स्वास्थ्य परेशानियां बढा सकता है।

प्रोटीन और फाइबर का पावर हाउस माना जाने वाला अंकुरित अनाज हर किसी के लिए फायदेमंद नहीं होता। मांसपेशियों की मजबूती और कोशिकाओं के निर्माण के लिए जरूरी यह सुपरफूड, गलत आदतों के कारण पाचन तंत्र को बिगाड़ सकता है। आयुर्वेद के मुताबिक, कुछ खास लोगों को इसके सेवन से सख्त परहेज करना चाहिए।

हम में से ज्यादातर लोग जिम या योग के बाद कच्चे अंकुरित अनाज को सबसे सेहतमंद नाश्ता मानते हैं। लेकिन आयुर्वेद का विज्ञान कुछ और ही कहता है। आयुर्वेद के अनुसार अंकुरित अनाज पचने में भारी होता है। यदि इसे बिना पकाए खाया जाए तो यह शरीर में वात दोष को बढ़ा सकता है जिससे पेट में भारीपन और रूखापन आने लगता है।

किन लोगों को नहीं खाना चाहिए स्प्राउट्स

डिजिटल दौर में अधूरी जानकारी के कारण लोग इसे धड़ल्ले से खा रहे हैं लेकिन इन लोगों को सावधान रहने की जरूरत है।

कमजोर पाचन और कब्ज

जिनका मेटाबॉलिज्म धीमा है या जिन्हें अक्सर कब्ज रहती है उनके लिए स्प्राउट्स किसी मुसीबत से कम नहीं। मंद पाचन के कारण यह अनाज पेट में पचने के बजाय सड़ने लगता है जिससे शरीर में पोषक तत्वों की जगह विषाक्त पदार्थ बनने लगते हैं।

बच्चे और बुजुर्ग

उम्र के इस पड़ाव पर पाचन शक्ति अक्सर कमजोर होती है। कच्चा या भारी अनाज बच्चों के पेट में दर्द और बुजुर्गों में जोड़ों के दर्द (वात वृद्धि के कारण) की समस्या पैदा कर सकता है।

वात प्रवृत्ति वाले लोग

जिन लोगों के शरीर की प्रकृति वात प्रधान है उन्हें अंकुरित आहार का सेवन बहुत सीमित करना चाहिए वरना यह गैस और शरीर में दर्द का कारण बन सकता है।

खाने का सही तरीका

अगर आप स्प्राउट्स के शौकीन हैं और इसके नुकसान से बचना चाहते हैं तो आयुर्वेद के इन 3 नियमों को गांठ बांध लें।

कच्चा खाने की गलती न करें

स्प्राउट्स को हमेशा हल्का उबाल लें या भाप में पकाएं। इससे इसका भारीपन कम हो जाता है और यह सुपाच्य हो जाता है।

घी या तेल का तड़का

पकाते समय थोड़ा सा शुद्ध देसी घी या तिल का तेल और चुटकी भर हींग-जीरा जरूर डालें। घी अनाज के रूखेपन को खत्म करता है और हींग गैस नहीं बनने देती।

समय का ध्यान

जैसे ही अनाज अंकुरित हो उसे तुरंत इस्तेमाल करें। बहुत ज्यादा लंबे अंकुर होने पर उसके पोषक तत्वों का संतुलन बिगड़ने लगता है। सेहतमंद चीजें तभी फायदा पहुंचाती हैं जब उन्हें सही तरीके और सही मात्रा में लिया जाए। अगर आपको स्प्राउट्स खाने के बाद पेट फूलना या दर्द की शिकायत होती है तो आज ही अपना तरीका बदलें।

अनीत पड्डा की ‘शक्ति शालिनी’ में हुई विनीत कुमार की एंट्री

मैडॉक का हॉरर-कॉमेडी यूनिवर्स बॉलीवुड के सबसे पसंदीदा फ्रेंचाइजी में से एक है। इस फ्रेंचाइजी की अधिकतर फिल्में बॉक्स ऑफिस पर हिट हैं। पिछले साल इस यूनिवर्स की ‘थामा’ रिलीज हुई थी, जिसको फैंस ने पसंद किया था। अब फैंस इस यूनिवर्स की अगली फिल्म ‘शक्ति शालिनी’ का इंतजार कर रहे हैं। अनीत पड्डा की प्रमुख भूमिका वाली इस फिल्म में एक और दिग्गज एक्टर की एंट्री हुई है। इसके बाद इस फिल्म को लेकर लोगों की उत्सुकता और भी बढ़ गई है।

अनीत पड्डा के प्रमुख भूमिका वाली ‘शक्ति शालिनी’ अपनी घोषणा के बाद से ही फैंस के बीच चर्चा का विषय बनी हुई है। अब फिल्म को लेकर एक नई जानकारी सामने आ रही है। वैरायटी इंडिया की एक रिपोर्ट के मुताबिक, हॉरर-कॉमेडी यूनिवर्स की इस आगामी फिल्म में अभिनेता विनीत कुमार सिंह की एंट्री हुई है। रिपोर्ट के अनुसार, विनीत कुमार सिंह फिल्म में निगेटिव रोल में नजर आएंगे। वहीं रिपोर्ट में ये भी दावा किया गया है कि विनीत ने फिल्म की शूटिंग भी शुरू कर दी है, जिसका निर्माण पिछले साल शुरू हुआ था।

हॉरर-कॉमेडी यूनिवर्स की छठी फिल्म है ‘शक्ति शालिनी’

आदित्य सरपोतदार द्वारा निर्देशित ‘शक्ति शालिनी’ मैडॉक हॉरर यूनिवर्स की छठी फिल्म है। इससे पहले इस यूनिवर्स की ‘स्त्री’, ‘भेड़िया’, ‘मुंज्या’, ‘स्त्री 2’ और ‘थामा’ जैसी फिल्में बॉक्स ऑफिस पर सफल रही हैं। इस प्रोजेक्ट में विशाल जेठवा और अनीत पड्डा ‘सलाम वेंकी’ के बाद एक बार फिर साथ नजर आएंगे। हालांकि, फिल्म की कहानी के बारे में अभी कोई जानकारी सामने नहीं आई है। इस फिल्म की आधिकारिक घोषणा ‘थामा’ के क्लाइमेक्स के दौरान की गई थी।

सलमान खान के साथ नयनतारा की बनी जोड़ी!

बॉलीवुड के मेगास्टार सलमान खान की नई फिल्म लेकर एक नया अपडेट है। खबर है कि साउथ के ‘ब्लॉकबस्टर डायरेक्टर’ वामशी पेडिपल्ली की इस फिल्म में नयनतारा को कास्ट किया गया है। साउथ सिनेमा की ‘लेडी सुपरस्टार’ कही जाने वाली नयनतारा इससे पहले शाहरुख खान की ‘जवान’ के साथ बॉलीवुड डेब्यू कर चुकी हैं। चर्चा ये भी है कि सलमान खान और मेकर्स ने इसकी रिलीज के लिए अगले साल ईद 2027 की तारीख पक्की कर ली है।

सलमान खान ने सोशल मीडिया पर अपनी इस नई फिल्म का ऐलान किया था। जबकि अब मंगलवार को ट्रेड एनालिस्ट तरण आदर्श ने खबर दी है कि नयनतारा को सलमान खान के अपोजिट लीड रोल में कास्ट कर लिया गया है। अभी फिल्म की बाकी कास्ट का ऐलान होना भी बाकी है। इससे पहले सलमान खान और प्रोडक्शन हाउस ‘श्री वेंकटेश्वर क्रिएशन्स’ ने सोशल मीडिया पर इस नए प्रोजेक्ट का ऐलान किया। सलमान खान ने जहां वामशी पेडिपल्ली के साथ फोटो शेयर करते हुए अपने खास अंदाज में लिखा, ‘दिल, दिमाग, जिगर से अप्रैल से वामशी पेडिपल्ली और दिल राजू के साथ।’ वहीं दूसरी ओर, प्रोडक्शन हाउस ने भी इस घोषणा की पुष्टि करते हुए सलमान को ‘एक ऐसी हस्ती बताया, जिन्होंने दुनियाभर के दर्शकों को खुशी के अनगिनत पल दिए हैं। अब वे इस प्रोजेक्ट के लिए ‘ब्लॉकबस्टर फिल्ममेकर’ वामशी पैडिपल्ली के साथ हाथ मिला रहे हैं।

बड़े बजट की एक्शन थ्रिलर होगी फिल्म

नेशनल अवॉर्ड जीत चुके डायरेक्टर वामशी पेडिपल्ली को साउथ सिनेमा का ‘ब्लॉकबस्टर डायरेक्टर’ कहा जाता है। यह पहली बार है, जब वह बॉलीवुड के लिए फिल्म बना रहे हैं। बताया जाता है कि फिल्म एक बड़े बजट की एक्शन थ्रिलर फिल्म है, जिसे भव्य पैमाने पर बनाया जा रहा है। इसमें हिंदी और दक्षिण भारतीय, दोनों फिल्म इंडस्ट्री के बड़े कलाकारों को शामिल किया जाएगा। मेकर्स ने बयान जारी करते हुए कहा है, ‘यह फिल्म सलमान खान को पर्दे पर एक ऐसे अवतार में पेश करेगी, जैसा उनके फैंस ने इससे पहले कभी नहीं देखा होगा। फिल्म की शूटिंग पूरे भारत में अलग-अलग लोकेशन पर होगी और इसकी शुरुआत 14 अप्रैल से मुंबई में बने एक भव्य सेट से होगी।’

सलमान की ‘मातृभूमि’ होगी पोस्टपोन

इस बीच सलमान खान की गलवान युद्ध पर बनी ‘मातृभूमि’ पोस्टपोन होने की भी चर्चा है। फिलहाल, इसकी रिलीज डेट 17 अप्रैल 2026 है, लेकिन अब खबर है कि यह स्वतंत्रता दिवस के मौके पर 14 अगस्त या आसपास रिलीज होगी। फिल्म की शूटिंग अभी बची हुई है। ‘इंडियन आइडल’ फेम सिंगर-एक्टर प्रशांत तमांग की मौत के कारण इस वॉर-ड्रामा के कई सीन्स को फिर से शूट किया जा रहा है। बीते दिनों सलीम खान के अस्पताल में भर्ती होने की वजह से इसका आखिरी शेड्यूल प्रभावित हुआ है। वैसे भी अब, 17 अप्रैल को अक्षय कुमार की ‘भूत बंगला’ रिलीज होगी। इससे भी साफ है कि अक्षय ने यह फैसला अपने दोस्त सलामन से बातचीत के बाद ही लिया होगा।

क्या वामिका गब्बी का टूट गया दिल? एक्ट्रेस ने की क्रिप्टिक पोस्ट

शनिवार को वामिका गब्बी ने अपने इंस्टग्राम पर कुछ तस्वीरें पोस्ट की हैं। साथ ही एक क्रिप्टिक मैसेज भी साथ में शेयर किया है। अपनी तस्वीरों के साथ वामिका ने कैप्शन में रेड हार्ट और बैंडेज का इमोजी शेयर किया है। इस क्रिप्टिक पोस्ट को जब डिकोड किया जाता है तो पता चलता है कि ऐसे इमोजी हार्टब्रेक के लिए शेयर किए जाते हैं। तो क्या रियल लाइफ में वामिका गब्बी हार्टब्रेक से गुजर रही हैं। इस पोस्ट से तो यही अंदाजा लगाया जा सकता है। वामिका गब्बी की लव लाइफ की बात करें तो यह पूरी तरह से सीक्रेट है। उनका नाम अब तक किसी एक्टर के साथ भी नहीं जोड़ा गया है। वामिका इन दिनों अपने करियर पर पूरी तरह से फोकस कर रही हैं। 10 अप्रैल को वामिका गब्बी की फिल्म भूत बंगला रिलीज होगी। इसमें वह अक्षय कुमार के अपोजिट नजर आएंगी।

सत्य घटना पर आधारित होगा अजय का यह आगामी प्रोजेक्ट

अजय देवगन इन दिनों अपनी आगामी फिल्म ‘दृश्यम 3’ को लेकर चर्चा में बने हुए हैं। इसी बीच आज अजय ने अपने नए प्रोजेक्ट का एलान सोशल मीडिया पर किया है। अजय का यह आगामी प्रोजेक्ट सत्य घटना पर आधारित होगा। जिसकी रिलीज डेट से भी अजय ने पर्दा उठा दिया है। अजय ने इंस्टाग्राम पर एक तस्वीर शेयर की है। इस पोस्ट में अजय ने हाथ में एक फ्लॉपी डिस्क पकड़ रखी है, जिस पर लिखा है – ‘हैप्पी बर्थडे जोशी।’ इस प्रोजेक्ट का निर्माण अजय देवगन और दानिश देवगन मिलकर करेंगे। इसका निर्देशन अंशुल कुमार शर्मा करेंगे। हालांकि, यह जानकारी नहीं दी है कि यह एक फिल्म है या सीरीज। अजय ने इंस्टाग्राम स्टोरी पर अपने अगले प्रोजेक्ट की जानकारी देते हुए लिखा, ‘हर किसी की एक सीमा होती है, उसकी तो पूरी दुनिया में फैल गई।’ अजय ने यह भी बताया कि उनका अगला प्रोजेक्ट सच्ची घटनाओं से प्रेरित होगा। अजय के इस पोस्ट पर विंदू दारा सिंह ने लाल इमोजी बनाया है।

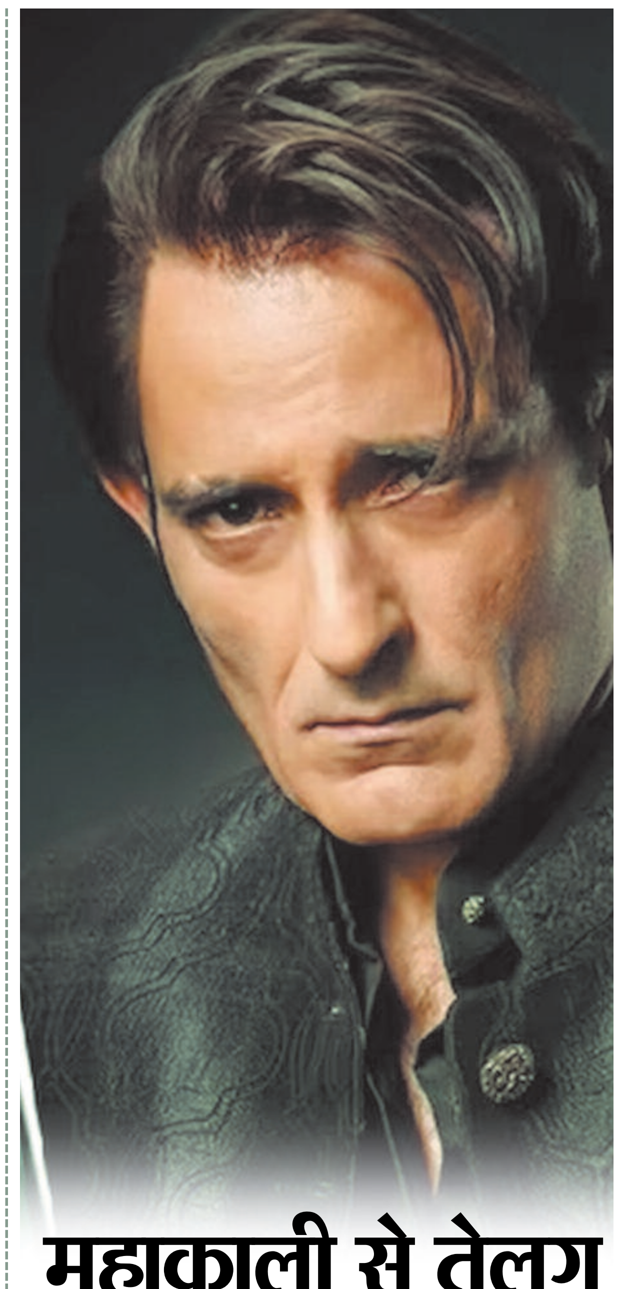

महाकाली से तेलुगु डेब्यू करेंगे अक्षय खन्ना

निभाएंगे शुक्राचार्य का रोल

अक्षय खन्ना इन दिनों काफी चर्चा में हैं। उनकी फिल्म ‘धुरंधर’ में रहमान दकैत का किरदार लोगों को बहुत पसंद आया है। अब उनकी अगली फिल्म ‘महाकाली’ को लेकर भी फैंस में काफी उत्साह है।

‘धुरंधर’ में रहमान डकैत के किरदार से अक्षय खन्ना ने सभी का दिल जीत लिया। ‘धुरंधर’ के बाद अब वह साउथ फिल्म ‘महाकाली’ में नजर आएंगे । अक्षय खन्ना के जन्मदिन के मौके पर फिल्म निर्माता प्रशांत वर्मा ने ‘महाकाली’ फिल्म के सेट से एक खास तस्वीर शेयर की। इस तस्वीर में अक्षय खन्ना शुक्राचार्य के रूप में नजर आ रहे हैं। प्रशांत वर्मा ने अक्षय को जन्मदिन की बधाई देते हुए लिखा, ‘जन्मदिन मुबारक हो अक्षय खन्ना सर। आप एक सच्चे अभिनेता हैं। आपने साबित कर दिया कि असली प्रतिभा को शोर-शराबे की जरूरत नहीं होती। आपकी सहज उपस्थिति और दमदार अभिनय हमेशा अलग दिखता है। आपके साथ काम करना मेरे लिए बहुत सम्मान की बात है। जल्द ही हम दर्शकों को बताएंगे कि हमने साथ मिलकर क्या बनाया है।’

कब रिलीज होगी ‘महाकाली’

अक्षय खन्ना फिल्म ‘महाकाली’ में हिंदू पौराणिक कथा के प्रसिद्ध असुर गुरु

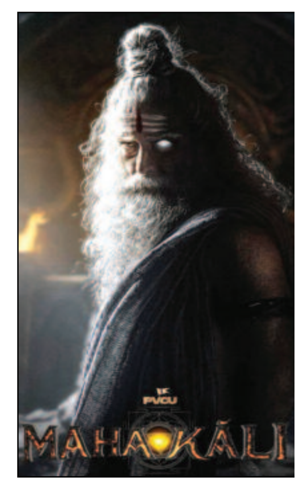

शुक्राचार्य का किरदार निभा रहे हैं। इस फिल्म का निर्देशन पूजा कोल्लुरु कर रही हैं। यह फिल्म प्रशांत वर्मा सिनेमैटिक यूनिवर्स का हिस्सा है, जिसमें पहले 2024 में ‘हनुमान’ फिल्म आई थी। आगे ‘जय हनुमान’ और ‘अधिरा’ जैसी फिल्में भी आने वाली हैं। यह अक्षय खन्ना की तेलुगु सिनेमा में पहली फिल्म है। फिल्म में मुख्य भूमिका (महिला सुपरहीरो) भूमि शेट्टी निभा रही हैं। ‘महाकाली’ 15 मई को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

‘इक्का’ में नजर आएंगे अक्षय खन्ना

अक्षय खन्ना सिद्धार्थ पी. मल्होत्रा की फिल्म ‘इक्का’ में भी नजर आने वाले हैं। इसमें अक्षय मुख्य खलनायक की भूमिका करेंगे। फिल्म में सनी देओल, दीया मिर्जा, तिलोत्तमा सोम और संजीदा शेख भी हैं। यह फिल्म सीधे नेटफ्लिक्स पर रिलीज होगी।

समझ और सम्मान ही हर रिश्ते की असली नींव है

शिल्पा शिंदे की बेबाकी हम ‘बिग बॉस’ में देख चुके हैं। उनके लिए निर्णय लेना सिर्फ अधिकार नहीं, अपनी जगह, पहचान और गरिमा बनाने की प्रक्रिया है। वह मानती हैं कि हर ‘न’ लड़ाई नहीं होती और हर ‘हां’ झुकना नहीं। रिश्तों, काम और व्यक्तिगत स्पेस के बीच उन्होंने बार-बार साबित किया है कि असली ताकत टकराव में नहीं बल्कि सही समय पर सही बात कहने की ईमानदार हिम्मत में है। शिल्पा बताती हैं कि समझ और सम्मान ही हर रिश्ते की असली नींव है।

अपने मुद्दों को सही से भी रखें

शिल्पा शिंदे ने कहा, ‘मुझे लगता है कि डिसीजन मेकिंग स्पेस में अपनी खुद की जगह होना बहुत जरूरी है। अब भी बहुत सारे ऐसे घर हैं, जहां लोग बहुत पढ़े-लिखे हैं लेकिन फैसले लेने में महिलाओं को वह स्पेस नहीं दे पाते हैं। तुम चुप रहो, तुम्हें नहीं पता, या यह तुम्हारा काम नहीं है, बहुत सारी महिलाएं ये सब बर्दाश्त करती हैं। मैं यह नहीं कहूंगी कि हर बात पर बगावत करो लेकिन अपने मुद्दे को अच्छे तरीके से भी रखा जा सकता है। दरअसल, बहुत सी महिलाएं फिर बिल्कुल गलत तरीके से बगावत पर उतर आती हैं कि मेरा तो इस घर में जमता नहीं है, मेरा तो इस घर में कुछ हो ही नहीं सकता या मेरी तो कोई सुनता नहीं है। आप अपने मुद्दे को बहुत प्यार से भी रख सकते हो, थोड़ा अलग तरीके से भी रख सकते हो तो यह कोशिश करनी बहुत जरूरी है।’

स्ट्रॉन्ग होने का मतलब टकराव नहीं

रिश्तों और समाज की ज्यादातर उलझनें लोगों की सोच और व्यवहार के फर्क से पैदा होती हैं। आज कहा जाता है कि महिलाएं बहुत स्ट्रॉन्ग हो गई हैं इसलिए शादियां नहीं चल रहीं, जबकि स्ट्रॉन्ग होने का मतलब टकराव करना नहीं बल्कि जिम्मेदारियों और फैसलों को समझदारी से निभाना है। समाज चाहे जितना आगे बढ़ जाए, मां बनने के बाद महिला की जिम्मेदारियां बढ़ जाती हैं और वहीं पति-पत्नी दोनों को मिलकर चलने की जरूरत होती है। यह साझेदारी जब नहीं बन पाती तो रिश्ते में असंतुलन आ जाता है। अंत में किसी भी रिश्ते का सार यही है संतुलन, समझ और समय पर शांत रहना।

रिश्तों में क्लैरिटी होना बहुत ज़रूरी

देखिए, मेरी नजर में महिलाओं की जिंदगी काफी बदल चुकी है। उन्होंने हर जगह, खासकर डिसीजन मेकिंग में अपने आप को प्रूव किया है। हालांकि, समस्या यह है कि हमारा समाज अब भी कुछ पुरानी धारणाओं पर अटका हुआ है। जैसे हम मेल ईगो बोलते हैं, लेकिन फीमेल ईगो शब्द सुनाई नहीं देता। यानी मान लिया गया है कि ईगो हमेशा पुरुष का ही होता है। अब यहां समझदारी की जरूरत है। अगर एक महिला समझ ले कि सामने वाले में मेल ईगो है तो उसे यह भी समझना होगा कि उसे उस स्थिति में कैसे रिएक्ट करना है। रिश्तों में क्लैरिटी बहुत जरूरी है। जब आप किसी से प्यार करते हैं या किसी परिवार का हिस्सा बनते हैं तो पहले से यह जानना जरूरी है कि सामने वाला कैसा है और कौन-सी बात उसे कहां तक स्वीकार है। हम सबके पास चॉइस हैं। अगर सामने वाला आपको नहीं समझ रहा तो आप समझिए, बातचीत कीजिए और चीजों को बेहतर करने की कोशिश कीजिए।

सामने वाले को समझिए

शिल्पा ने कहा, मेरी जिंदगी एक ऐसे लेवल पर पहुंच गई थी, जहां मुझे उसी वक्त उसी तरीके से फैसला लेना पड़ा। मैंने शो छोड़ा या कहें कि मैं शो से आउट थी लेकिन उस पल जो निर्णय था, वह बिल्कुल साफ था। मुझे पता है कि मैं सिर्फ इसी एक चीज के लिए पैदा नहीं हुई हूं इसलिए मैंने उस वक्त वो रास्ता नहीं चुना। आज जब मैं वापस हूं और पहले से ज्यादा सम्मान मिल रहा है तो इसका सबसे बड़ा कारण वही है, आप सामने वाले को समझिए कि उसे क्या चाहिए। मैं उस वक्त भी प्रोड्यूसर का पॉइंट समझ रही थी लेकिन बीच में किसी तीसरे ने आग लगाई थी। उन्होंने मेरे साथ चीजें डिस्कस ही नहीं कीं। अब हालात अलग हैं। आज मुझे पता है कि उन्हें कैसे संभालना है। उन्हें भी पता है कि मुझे कैसे ट्रीट करना है।

गलत नहीं हैं तो झुकना नहीं चाहिए

मुझे नहीं लगता कि मैंने कोई गलती की थी। हां, कुछ लोग बहुत डिप्लोमैटिक होते हैं लेकिन मैं जिस चीज को कर सकती हूं, उसे मैं गलती नहीं मानती। परिस्थितियां जैसी बनीं, वहीं रहकर उन्हें समझना जरूरी था। इसका मतलब यह नहीं कि आप झुककर रहें। अगर आप गलत नहीं हैं तो आपको झुकना नहीं चाहिए। गलत चीज को इतना बड़ा भी न बनाइए कि हर समय ‘मेरे साथ गलत हुआ’ ही लगता रहे। आप जब सच में गलत नहीं हैं, तब डरने की कोई वजह नहीं होती। मैं आज भी यहां इसलिए हूं क्योंकि मैंने कुछ गलत नहीं किया था।

सैकड़ों महिलाओं के साथ अश्लील हरकत करने वाले बाबा अशोक खरात की संपत्ति की होगी जांच

नासिक (एजेंसी)। महाराष्ट्र के नासिक में खुद को आध्यात्मिक गुरु बताने वाले अशोक खरात का मामला अब एक बड़े राष्ट्रीय स्कैंडल में तब्दील होता जा रहा है। रेप, धोखाधड़ी और अवैध रूप से करोड़ों की संपत्ति अर्जित करने के गंभीर आरोपों में घिरे इस फर्जी बाबा के खिलाफ सरकार ने अब तक की सबसे बड़ी कार्रवाई के संकेत दिए हैं। राज्य के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने स्पष्ट किया है कि अशोक खरात की बेहिसाब संपत्ति और संदिग्ध वित्तीय लेनदेन की जांच अब प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा की जाएगी। मुख्यमंत्री के इस बयान के बाद यह साफ हो गया है कि प्रशासन अब केवल आपराधिक मामलों तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि इस पूरे साम्राज्य की आर्थिक जड़ों को भी खोदेगा। अशोक खरात पर आरोप है कि उसने आस्था की आड़ में न केवल महिलाओं का यौन शोषण और दुष्कर्म किया, बल्कि डरा-धमका कर और धोखाधड़ी के जरिए भारी मात्रा में चल-अचल संपत्ति भी खड़ी की है। ईडी की एंट्री का मतलब है कि अब उसके बैंक खातों, विदेशी लेनदेन और बेनामी संपत्तियों के स्रोतों की गहराई से पड़ताल होगी। मुख्यमंत्री फडणवीस ने सदन और सार्वजनिक मंचों पर यह स्पष्ट कर दिया है कि सरकार केवल हवा-हवाई आरोपों पर नहीं, बल्कि ठोस सबूतों के आधार पर काम कर रही है। अब तक खरात के खिलाफ विभिन्न थानों में करीब 12 मामले दर्ज किए जा चुके हैं, और जैसे-जैसे जांच का दायरा बढ़ रहा है, पीड़ित और गवाह भी हिम्मत जुटाकर सामने आ रहे हैं। इस मामले में एक नया मोड़ तब आया जब कॉल डिटेल रिकॉर्ड (सीडीआर) लीक होने का विवाद गरमाया।

ईरान जंग का असर, एअर इंडिया ने इजराइल के लिए उड़ाने 31 मई तक कीं रद्द

नई दिल्ली (एजेंसी)। पश्चिम एशिया में जारी तनाव के बीच एयर इंडिया ने नई दिल्ली-तेल अवीव रूट पर 31 मई तक उड़ानें रद्द कर दी हैं। तेल अवीव के लिए ज्यादातर अंतरराष्ट्रीय एयरलाइंस पहले ही अपनी उड़ानें बंद कर चुकी हैं। फिलहाल एल अल, इस्राएर, अर्किया और एयर हाइफा ही सीमित सेवाएं चला रही हैं। फ्लाइट सस्पेंड होने से 40 हजार से ज्यादा भारतीय पर असर पड़ा हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक भारत आने के लिए उन्हें जॉर्डन या मिस्र के रास्ते जाना पड़ रहा है। तेल अवीव स्थित भारतीय दूतावास ने 24 घंटे की हेल्पलाइन शुरू की है। रजिस्ट्रेशन अभियान भी चला रहा है। राजदूत जेपी सिंह ने भारतीय कामगारों और छात्रों से वर्चुअल बातचीत कर उन्हें हर संभव मदद का भरोसा दिलाया। नई दिल्ली-तेल अवीव के बीच सीधी उड़ान सेवा 1 जनवरी से शुरू हुई थी, जिसमें सप्ताह में चार फ्लाइट बोइंग 787 ड्रीमलाइनर से संचालित की जा रही थीं।

राजधानी दिल्ली में फिर से डीयू के दो कॉलेजों को मिली बम से उड़ाने की धमकी

नई दिल्ली(एजेंसी)। राजधानी दिल्ली में फिर से डीयू (दिल्ली यूनिवर्सिटी) के दो कॉलेजों को बम से उड़ाने की धमकी मिली है। बम से उड़ाने की धमकी मिलने के बाद कॉलेजों में अफरा-तफरी मच गई। इसके बाद तुरंत पुलिस को सूचना दी गई। दिल्ली पुलिस ने बताया कि दिल्ली यूनिवर्सिटी के रामजस कॉलेज और मिरांडा कॉलेज में बम की धमकी के बाद सोमवार को कॉलेज परिसर को खाली करा लिया गया। पुलिस के मुताबिक, कॉलेज एडमिनिस्ट्रेशन को ई-मेल मिला, जिसमें उन्हें कैंपस में एक संभावित एक्सप्लोसिव डिवाइस के बारे में अलर्ट किया था। पूरी तरह से तलाशी लेने के लिए बम डिस्पोजल और स्निफर डॉग स्क्वॉड को तैनात किया गया है। वहीं, स्टूडेंट्स, स्टाफ और फैकल्टी को एहतियात के तौर पर बाहर निकाला गया और सर्च ऑपरेशन जारी है। पुलिस दोनों कॉलेजों में गहनता से जांच कर रही है। अभी यह पता नहीं चल पाया है कि धमकी किसने दी है?

भोपाल पुलिस के इनपुट पर यूपी एसटीएफ ने कछुआ तस्कर को दबोचा

लखनऊ (एजेंसी)। यूपी पुलिस की स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) ने वन्यजीव तस्कर को लखनऊ के सैरपुर स्थित आईआईएम रोड से गिरफ्तार किया। एसटीएफ ने यह कार्रवाई भोपाल पुलिस के इनपुट मिलने पर की। संयुक्त टीम ने छापेमारी कर आरोपी को गिरफ्तार किया। वह चार वर्ष से फरार चल रहा था। उसे सैरपुर थाने में दाखिल किया गया। जहां भोपाल पुलिस साथ लेकर चली गई। एसटीएफ के एएसपी सत्यसेन यादव के मुताबिक, आरोपी रविंद्र उर्फ रमन मलिहाबाद के बख्तियार नगर का रहने वाला है। उसके खिलाफ मध्य प्रदेश के भोपाल में कछुआ तस्करी का मामला दर्ज था। भोपाल पुलिस को इनपुट मिला का रविंद्र उर्फ रमन लखनऊ में छिपा है। इस पर मध्य प्रदेश पुलिस ने एसटीएफ से सहयोग मांगा। संयुक्त टीम ने रविवार को आईआईएम रोड स्थित सैरपुर थाना क्षेत्र से सुबह करीब 11:45 बजे दबोचा गया। एसटीएफ के अनुसार पूछताछ में आरोपी ने बताया कि वह उत्तर प्रदेश की नदियों से प्रतिबंधित और संरक्षित प्रजाति के कछुओं को निकालकर अंतर्राज्यीय तस्करों को सप्लाई करता था। आगे की कार्रवाई मध्य प्रदेश की स्टेट टाइगर स्ट्राइक फोर्स द्वारा की जाएगी।

ऊधम सिंह नगर में बंद पड़े पोल्ट्री फार्म में 69 गैस सिलेंडर, 3.17 किलोग्राम गांजा बरामद

रुद्रपुर (एजेंसी)। उत्तराखंड के ऊधम सिंह नगर के काशीपुर क्षेत्र में पुलिस और प्रशासन की संयुक्त टीम ने बड़े कालाबाजारी रैकेट का भंडाफोड़ कर दिया है। परमानंदपुर स्थित एक पुराने पोल्ट्री फार्म में छापेमारी के दौरान 69 गैस सिलेंडर, 3.17 किलोग्राम गांजा और 100 लीटर कच्ची शराब बरामद हुई। इसमें से 16 सिलेंडर भरे हुए और 53 खाली थे। प्रशासन ने मौके से एक आरोपी जुबैर अली को गिरफ्तार किया, जो उत्तर प्रदेश के रामपुर जिले के ग्राम घोसीपुरा पट्टीकला का निवासी है। सूचना के आधार पर एसडीएम अभय प्रताप सिंह और तहसीलदार पंकज चंदोला ने टीम के साथ तुरंत छापेमारी की। उन्होंने बताया कि पुराने बंद पोल्ट्री फार्म का उपयोग गैस सिलेंडरों की अवैध बिक्री और अन्य नशीली वस्तुओं के धंधे के लिए हो रहा था। बरामदगी से यह स्पष्ट होता है कि आरोपी कई तरह के अवैध कारोबार में शामिल था। गैस सिलेंडरों को खाद्य एवं आपूर्ति विभाग के इंस्पेक्टर तन्मय मैथानी को सौंपा गया है, जबकि गांजा और शराब को पुलिस ने सील कर लिया है। आरोपी से गहन पूछताछ जारी है ताकि इसके नेटवर्क और अन्य सहयोगियों का पता लगाया जा सके।

बार-बार हताशा में कांग्रेस अब मतदाताओं को ही अपमानित करने लगी है

गुजरात को लेकर दिए कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे के बयान पर भड़की बीजेपी

तिरुवंतपुरम (एजेंसी)। केरल विधानसभा चुनाव से ठीक पहले राजनीतिक पारा चढ़ गया है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने इडुक्की की एक रैली में गुजरात के लोगों को लेकर एक टिप्पणी की जिसने विवाद का रूप ले लिया है। बीजेपी ने इसे गुजरात की अस्मिता और देश के महान सपूतों का अपमान करार देते हुए कांग्रेस पर हमला बोला।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक रविवार को इडुक्की में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए मल्लिकार्जुन खड़गे ने केरल की साक्षरता की तुलना अन्य राज्यों से की। उन्होंने पीएम मोदी और सीएम पिनाराई विजयन पर निशाना साधते हुए कहा कि केरल के लोगों को गुमराह मत करो। वे बहुत समझदार और पढ़े-लिखे हैं। मोदीजी, विजयनजी, आप दोनों गुजरात या अन्य जगहों के उन लोगों को बेवकूफ़ बना सकते हैं जो अनपढ़ हैं, लेकिन आप केरल के लोगों को बेवकूफ़ नहीं बना सकते। खड़गे के इस बयान के बाद बीजेपी ने तुरंत मोर्चा खोल दिया। गुजरात के उपमुख्यमंत्री हर्ष संघवी ने एक्स पर कांग्रेस अध्यक्ष को घेरा। संघवी ने कहा कि यह टिप्पणी गुजरात के छह करोड़ लोगों और महात्मा गांधी, सरदार पटेल व पीएम मोदी जैसे महापुरुषों का अपमान है। उन्होंने आरोप लगाया कि बार-बार सत्ता से बाहर होने की हताशा में कांग्रेस अब मतदाताओं को ही अपमानित करने लगी है। उन्होंने स्पष्ट में कहा कि गुजरात माफ़ नहीं करेगा। संघवी ने कांग्रेस पर बार-बार गुजरात को निशाना बनाने का आरोप लगाया और पूछा कि क्या पार्टी की यह आलोचना राज्य के लोगों द्वारा सत्ता से बाहर किए जाने की वजह से है। उन्होंने कहा कि खड़गे का बयान उनकी हताशा को नहीं, बल्कि कांग्रेस के असली कद को दर्शाता है और कहा कि गुजरात की राजनीतिक रूप से जागरूक जनता ने हमेशा उन लोगों को नकारा है जो गांधी और पटेल की धरती का अपमान करते हैं और आगे भी ऐसा ही करती रहेगी, उन्होंने यह भी जोड़ा कि गुजरात माफ नहीं करेगा। बीजेपी के राष्ट्रीय प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी ने कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष खड़गे पर पलटवार करते हुए पूछा कि वे महात्मा गांधी, सरदार वल्लभभाई पटेल, जवाहरलाल नेहरू, इंदिरा गांधी और राजीव गांधी जैसे नेताओं की बुद्धिमत्ता के बारे में क्या सोचते हैं, जो सभी गुजरात, यूपी और उत्तर भारत के अन्य हिस्सों से आते थे। त्रिवेदी ने कांग्रेस पर 9 अप्रैल को होने वाले केरल चुनावों से पहले फूट डालो और राज करो की राजनीति करने का आरोप लगाया और कहा कि राज्य की जनता चुनावों में इसका करारा जवाब देगी।

टीवीके प्रमुख विजय ने चेन्नई में चुनावी दौरा किया रद्द, समय की कमी और पुलिस पाबंदियों का हवाला

चेन्नई (एजेंसी)। विजय के नेतृत्व वाली तमिलगा वेत्तरी कड़गम (टीवीके) ने सोमवार को चेन्नई में प्रस्तावित चुनावी प्रचार कार्यक्रम रद्द कर दिया। पार्टी सूत्रों के अनुसार, विजय को विल्लीवाक्कम और टी नगर विधानसभा क्षेत्रों में जनसभाएं और रोड शो करने थे, लेकिन प्रशासनिक पाबंदियों के चलते कार्यक्रम को रद्द करना पड़ा। सूत्रों का कहना है कि चुनाव प्रचार की अनुमति मिलने के बावजूद पुलिस द्वारा दोनों स्थानों के बीच आवागमन के लिए पर्याप्त समय नहीं दिया गया। इसी वजह से कार्यक्रम को प्रभावी ढंग से पूरा करना संभव नहीं था। पार्टी ने इसे गंभीर मुद्दा बताते हुए कहा कि इस तरह की पाबंदियां चुनावी प्रक्रिया को प्रभावित कर सकती हैं। बताया जा रहा है कि टीवीके इस मामले को इलेक्शन कमीशन ऑफ इंडिया के समक्ष उठाने की तैयारी कर रही है। हालांकि, पार्टी की ओर से अब तक कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि चुनावी मौसम में इस तरह की प्रशासनिक चुनौतियां राजनीतिक दलों और उम्मीदवारों के लिए बड़ी समस्या बन सकती हैं। वहीं, निष्पक्ष चुनाव सुनिश्चित करने के लिए प्रशासन की भूमिका भी अहम मानी जाती है। तमिलनाडु में 23 अप्रैल को एक ही चरण में मतदान होना है, जबकि मतगणना 4 मई को होगी। ऐसे में सभी दल अपने-अपने स्तर पर प्रचार में तेजी ला रहे हैं, और हर छोटा घटनाक्रम चुनावी रणनीति पर असर डाल सकता है।

असम में कल्पना के हेलीकॉप्टर को उतरने की नहीं दी अनुमति, डर में हिमंता?

-सोरेन ने फोन के जरिए लोगों से कहा- मतदान के जरिए अपनी ताकत दिखाएं

दिसपुर, (एजेंसी)। असम में चुनाव प्रचार के दौरान झारखंड मुक्ति मोर्चा की नेता कल्पना सोरेन को हेलीकॉप्टर लैंडिंग की अनुमति न मिलने से उनका तय कार्यक्रम प्रभावित हुआ, लेकिन उन्होंने फोन के जरिए लोगों से संपर्क कर अपना संदेश पहुंचाया। असम के खुमताई, नहरकटिया और मार्गेरीटा विधानसभा क्षेत्रों में चुनाव प्रचार में कल्पना सोरेन को परेशानी झेलनी पड़ी। उनका इन जगहों पर जनसभा करने का कार्यक्रम था, लेकिन प्रशासन ने हेलीकॉप्टर उतारने के लिए हेलीपैड की अनुमति नहीं दी। इस वजह से वह खुमताई और नहरकटिया नहीं पहुंच सकीं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक उन्होंने हिम्मत नहीं हारी। मार्गेरीटा जाते समय सड़क रास्ते में ही फोन के जरिए खुमताई और नहरकटिया के लोगों को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि उन्हें पहले से अंदेशा था कि उनके कार्यक्रम में रुकावट डाली जाएगी और उनकी आवाज दबाने की कोशिश हो रही है। वहीं झारखंड के सीएम हेमंत सोरेन ने भी असम में एक सभा में आरोप लगाया कि उनकी बढ़ती भीड़ से सत्ता पक्ष परेशान है। इसलिए लोगों को उनकी सभा में आने से रोका जा रहा है।

कल्पना सोरेन ने अपने भाषण में कहा कि रास्ते रोके जा सकते हैं, लेकिन जनता का गुस्सा नहीं रोका जा सकता। उन्होंने आरोप लगाया कि सत्ता में बैठे लोग विपक्ष की आवाज दबाना चाहते हैं।

मतदान के जरिए अपनी ताकत जरूर दिखाएं कल्पना ने खुमताई, नहरकटिया और मार्गेरीटा के लोगों से खासकर चाय बागान के मजदूरों, आदिवासी समाज, अल्पसंख्यकों, युवाओं और महिलाओं से 9 तारीख को ज्यादा से ज्यादा वोट देने की अपील की। उन्होंने इस चुनाव को सिर्फ सरकार बदलने का नहीं, बल्कि सम्मान, पहचान और अधिकार की लड़ाई बताया। लोगों से कहा कि वे तीर-धनुष चुनाव चिह्न पर वोट देकर अपना जवाब दें। आखिर में उन्होंने कहा कि मतदान के जरिए अपनी ताकत दिखाएं।

यूपी के करीब 6000 मजदूर इजराइल में हैं सुरक्षित, सरकार कर रही लगातार निगरानी

किसी भी मजदूर ने विशेष रूप से भारत लौटने की नहीं जताई इच्छा

लखनऊ (एजेंसी)। ईरान और अमेरिका-इजराइल के बीच तेज होती जंग और ताबड़तोड़ मिसाइल हमलों के बीच इजराइल में काम कर रहे यूपी के करीब 6000 मजदूरों की सुरक्षा को लेकर चिंता जताई जा रही थी। कई लोग सवाल कर रहे थे कि क्या ये मजदूर सुरक्षित हैं और क्या उन्हें भारत वापस लाया जाएगा? इन सवालों का जवाब देते हुए यूपी सरकार ने कहा कि सभी मजदूर पूरी तरह सुरक्षित हैं और सरकार लगातार उनकी निगरानी कर रही है।

यूपी सरकार के प्रमुख सचिव डॉ. शन्मुगा सुंदरम ने बताया कि सीएम योगी के निर्देश पर वे नियमित रूप से भारतीय दूतावास के अधिकारियों के संपर्क में हैं। दूतावास के जरिए यूपी के सभी मजदूरों की लगातार निगरानी की जा रही है। उन्होंने साफ किया कि तनावपूर्ण हालात के बावजूद अभी तक किसी भी मजदूर की ओर से भारत लौटने की कोई मांग नहीं की गई है। डॉ. शन्मुगा सुंदरम ने बताया कि ईरानी हमलों के बावजूद इजराइल में कार्यरत यूपी के 6000 से ज्यादा मजदूर सुरक्षित हैं। उन्होंने कहा कि हम भारतीय दूतावास के साथ निरंतर संपर्क बनाए हुए हैं। दूतावास के अधिकारियों के जरिए हम हर श्रमिक की लोकेशन और सुरक्षा स्थिति की जानकारी ले रहे हैं। यूपी सरकार ने साफ किया कि जरूरत पड़ने पर श्रमिकों की सुरक्षित वापसी की पूरी व्यवस्था पहले से तैयार है। हालांकि, फिलहाल किसी भी मजदूर ने विशेष रूप से भारत लौटने की इच्छा नहीं जताई है। प्रमुख सचिव ने बताया कि सीएम योगी ने इस मामले में सख्त निर्देश दिए हैं कि विदेश में काम कर रहे यूपी के किसी भी मजदूर की सुरक्षा से कोई समझौता न किया जाए। इसके तहत श्रम विभाग लगातार दूतावास के साथ समन्वय कर रहा है। इस जंग की शुरुआत से ही ईरान तेल अवीव समेत इजराइल के बड़े शहरों पर मिसाइलें बरसा रहा है। ऐसे में विदेश में रह रहे भारतीयों, खासकर इजराइल में काम करने वाले मजदूरों की सुरक्षा चिंता का विषय बन गई थी। यूपी भारत का सबसे बड़ा राज्य होने के कारण यहां से सबसे ज्यादा लोग इजराइल में निर्माण, कृषि और अन्य क्षेत्रों में काम करते हैं। योगी सरकार ने तनाव शुरू होते ही तुरंत सक्रिय भूमिका निभाई। सुंदरम ने भारतीय दूतावास, तेल अवीव के साथ सीधा संपर्क स्थापित किया और यूपी के श्रमिकों की सूची साझा की। दूतावास के अधिकारियों ने आश्वासन दिया कि सभी भारतीय नागरिकों की सुरक्षा के लिए हर संभव कदम उठाए जा रहे हैं।

सरकार ने स्पष्ट किया कि अगर कोई श्रमिक स्वेच्छा से भारत लौटना चाहे या स्थिति और बिगड़ती है, तो उनकी सुरक्षित वापसी की पूरी व्यवस्था कर ली गई है। श्रम विभाग ने सभी जिला मजदूर कल्याण अधिकारियों को अलर्ट किया है कि अगर कोई श्रमिक परिवार से संपर्क कर सहायता मांगे तो तुरंत मदद की जाए। डॉ. शन्मुगा सुंदरम ने कहा कि हमारी प्राथमिकता श्रमिकों की सुरक्षा है। अभी हालात नियंत्रण में हैं और श्रमिक अपने काम पर बने हुए हैं, लेकिन सरकार किसी भी आपात स्थिति के लिए पूरी तरह तैयार है।

पत्नी पर लगाए कांग्रेस नेताओं के आरोपों का है पाकिस्तानी कनेक्शन

असम सीएम सरमा ने कहा- यह चुनाव को प्रभावित करने का प्रयास

गुवाहाटी (एजेंसी)। असम विधानसभा चुनाव के पहले राज्य की राजनीति में उबाल आ गया। सीएम हिमंत बिस्वा सरमा ने अपनी पत्नी रिंकी भुइयां सरमा पर कांग्रेस द्वारा लगाए गए वित्तीय आरोपों को पूरी तरह खारिज करते हुए इसमें विदेशी साजिश और पाकिस्तानी कनेक्शन होने का दावा किया है। इस मामले में अब कानूनी कार्रवाई शुरू हो गई है और एफआईआर भी दर्ज की जा चुकी है।

यह आरोप उन्होंने तब लगाया जब कांग्रेस नेताओं ने मौजूदा चुनावी माहौल में उनकी पत्नी के वित्तीय और निजी रिकॉर्ड पर सवाल उठाए। यह विवाद तब शुरू हुआ जब गौरव गोगोई समेत कांग्रेस नेताओं ने नई दिल्ली और गुवाहाटी में प्रेस कॉन्फ्रेंस करके दावा किया कि सीएम सरमा की पत्नी, रिंकी भुइयां सरमा के पास तीन पासपोर्ट हैं और वह व्योमिंग स्थित एक कंपनी के ज़रिए 52,000 करोड़ रुपए की संपत्ति को नियंत्रित करती हैं।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक सरमा ने आरोप लगाया कि कांग्रेस की प्रेस कॉन्फ्रेंस में इस्तेमाल की गई सामग्री एक पाकिस्तानी सोशल मीडिया नेटवर्क से ली गई थी। उन्होंने कहा कि पाकिस्तानी मीडिया चैनलों ने हाल के दिनों में असम चुनावों पर असामान्य रूप से कई चर्चाएं प्रसारित की हैं, जो सभी कांग्रेस के पक्ष में थीं। उन्होंने दावा किया कि पिछले 10 दिनों में पाकिस्तान में कम से कम 11 टॉक शो असम चुनावों पर केंद्रित थे। उन्होंने इसे अभूतपूर्व बताया और सुझाव दिया कि यह चुनावी माहौल को प्रभावित करने का एक सुनियोजित प्रयास है।

सरमा ने पुष्टि की कि उनकी पत्नी, रिंकी भुइयां ने एफआईआर दर्ज कराई है जिसमें उन्होंने आरोपों को मनगढ़ंत और मानहानिकारक करार दिया है। उन्होंने चेतावनी दी कि चुनावों को प्रभावित करने के लिए कथित तौर पर जाली दस्तावेजों का इस्तेमाल करने पर गंभीर कानूनी परिणाम भुगतने पड़ सकते हैं। कांग्रेस के आरोपों को बेबुनियाद बताते हुए सीएम सरमा ने तर्क दिया कि विदेशों में शेल कंपनियां बनाना अपेक्षाकृत आसान है और उन्होंने अपने विरोधियों पर सबूत गढ़ने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि कोई भी व्यक्ति 199 यूएसडी का भुगतान करके कंपनी रजिस्टर करवा सकता है। कल की प्रेस कॉन्फ्रेंस के बाद उन्होंने तो रिंकी के नाम पर एक और कंपनी भी बना ली। उन्होंने फिर दोहराया कि कांग्रेस नेताओं द्वारा पेश किए गए दस्तावेज़, जिनमें पासपोर्ट की तस्वीरें भी शामिल थीं, मनगढ़ंत थे और उन्हें संदिग्ध विदेशी संस्थाओं से हासिल किया गया था। बता दें असम में मतदान 9 अप्रैल को होना है और परिणाम 4 मई को आएगा।

पहलगाम आतंकी हमले की पहली बरसी से पहले घाटी पहुंचे सीडीएस जनरल चौहान

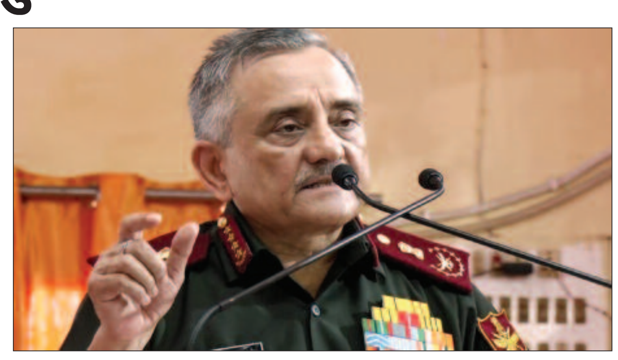

नई दिल्ली (एजेंसी)। पहलगाम आतंकी हमले की पहली बरसी से पहले जम्मू-कश्मीर में सुरक्षा व्यवस्था को अभूतपूर्व रूप से मजबूत किया गया है। जैसे-जैसे बरसी नजदीक आ रही है, घाटी में सतर्कता और सख्ती साफ दिख रही है। सुरक्षा एजेंसियां पूरी तरह अलर्ट हैं और जमीन से लेकर आसमान तक निगरानी का व्यापक नेटवर्क तैयार है, ताकि किसी भी संभावित खतरे को समय रहते नाकाम कर सके।

इस बीच रक्षा अध्यक्ष (सीडीएस) जनरल अनिल चौहान का कश्मीर दौरा बेहद महत्वपूर्ण माना जा रहा है। उन्होंने उत्तरी कश्मीर में नियंत्रण रेखा (एलओसी) का दौरा कर सुरक्षा हालात और ऑपरेशनल तैयारियों का जायजा लिया। उन्होंने चिनार कोर की तैयारियों की सराहना कर संकेत दिया कि अब सुरक्षा बल केवल जवाब देने की रणनीति तक सीमित नहीं रहने वाले हैं, बल्कि दुश्मन की हर चाल को पहले से भांपकर विफल करने के लिए तैयार हैं।

जनरल चौहान ने अपने संबोधन में कहा कि अब पारंपरिक युद्ध के तरीके पर्याप्त नहीं हैं और ÷मल्टी-डोमेन ऑपरेशन्स÷ यानी बहु-आयामी रणनीति अपनाने की आवश्यकता है। इसके तहत सेना, वायुसेना, नौसेना और अन्य सुरक्षा एजेंसियां एकीकृत ढांचे में मिलकर काम करेंगी। आधुनिक तकनीक, साइबर क्षमता और मानसिक दृढ़ता को भी इस रणनीति का अहम हिस्सा बताया गया। घाटी में जमीनी स्तर पर भी कार्रवाई तेज कर दी गई है। सांबा जिले में संदिग्ध गतिविधियों के बाद सेना, पुलिस और अर्धसैनिक बलों ने संयुक्त तलाशी अभियान चलाया। हालांकि अभी तक किसी मुठभेड़ की पुष्टि नहीं हुई है, लेकिन यह स्पष्ट है कि सुरक्षा बल किसी भी सूचना को हल्के में नहीं ले रहे। इसके अलावा, सीमाओं पर घुसपैठ रोकने के लिए एलओसी पर विशेष निगरानी बढ़ा दी गई है। ड्रोन, सेंसर और अन्य आधुनिक उपकरणों के जरिए हर गतिविधि पर नजर रखी जा रही है। खुफिया तंत्र को भी पहले से ज्यादा सक्रिय और मजबूत किया गया है। कुल मिलाकर, पहलगाम हमले की बरसी केवल एक याद नहीं, बल्कि एक मजबूत संकल्प का प्रतीक बन गई है। यह संकल्प है कि अब कोई चूक नहीं होगी और हर खतरे का मुंहतोड़ जवाब दिया जाएगा। भारत अब केवल प्रतिक्रिया देने वाला नहीं, बल्कि पहल कर खतरे को खत्म करने वाला देश बनने की दिशा में आगे बढ़ रहा है।

तमिलनाडु में बड़े दलों ने ब्राह्मणों को किया दरकिनार, टिकट देने को भी नहीं हैं तैयार

चैन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु में अगले महीने होने वाले विधानसभा चुनावों के लिए प्रमुख राजनीतिक दलों ने अपने उम्मीदवारों की घोषणा कर दी है। इन सूचियों के विश्लेषण से एक चौंकाने वाला पैटर्न सामने आया है—राज्य की मुख्यधारा की राजनीति से ब्राह्मण उम्मीदवारों का लगभग पूरी तरह गायब होना। करीब 3 प्रतिशत आबादी वाले इस समुदाय को द्रविड़ राजनीति के गढ़ में इस बार बड़ी पार्टियों ने टिकट देने से परहेज किया है। राजनीतिक विश्लेषक इसे राज्य के चुनावी इतिहास में एक बड़े बदलाव के रूप में देख रहे हैं।

सबसे चौंकाने वाला फैसला अन्नाद्रमुक (एआईएडीएमके) का रहा है। लगभग 35 वर्षों में यह पहली बार है जब पार्टी ने एक भी ब्राह्मण उम्मीदवार को मैदान में नहीं उतारा है। पूर्व मुख्यमंत्री जयललिता के निधन के बाद से पिछले 10 वर्षों में पार्टी ने केवल एक बार 2021 में इस समुदाय के व्यक्ति को टिकट दिया था। विशेषज्ञों का मानना है कि जयललिता और एमजीआर के दौर में ब्राह्मण उम्मीदवार पार्टी की प्राथमिकता हुआ करते थे, लेकिन अब समीकरण बदल चुके हैं। राजनीतिक टिप्पणीकारों के अनुसार, जयललिता के बाद ब्राह्मण मतदाताओं का झुकाव भाजपा की ओर बढ़ा है, जिसके कारण अन्नाद्रमुक को अब इस समुदाय को टिकट देने में कोई सीधा चुनावी लाभ नजर नहीं आ रहा है। हैरानी की बात यह है कि हिंदुत्व की राजनीति करने वाली भारतीय जनता पार्टी ने भी अपनी 27 सीटों की सूची में किसी ब्राह्मण चेहरे को स्थान नहीं दिया है। इसी तरह सत्ताधारी द्रमुक (डीएमके) और कांग्रेस ने भी इस समुदाय से दूरी बनाई है। द्रमुक की राजनीति का आधार ही गैर-ब्राह्मण सशक्तिकरण रहा है, इसलिए उनकी सूची में यह बदलाव स्वाभाविक माना जा रहा है।

हालांकि, मुख्यधारा की पार्टियों के उलट कुछ नए और छोटे दलों ने अलग राह चुनी है। अभिनेता विजय की नई पार्टी तमिलगा वेत्रि कझगम (टीवीके) ने दो ब्राह्मण उम्मीदवार उतारे हैं। विश्लेषकों का मानना है कि विजय इसके जरिए संदेश देना चाहते हैं कि उनकी पार्टी ब्राह्मण-विरोधी नहीं है। वहीं, तमिल राष्ट्रवादी नेता सीमन की पार्टी नाम तमिलर कच्ची (एनटीके) ने सबसे अधिक छह ब्राह्मण उम्मीदवारों को टिकट दिया है। सीमन ने मायिलापुर और श्रीरंगम जैसे क्षेत्रों को चुना है जहाँ ब्राह्मण मतदाता निर्णायक भूमिका में हैं। जानकारों का कहना है कि सीमन द्रविड़ दीवार को तोड़ने के लिए हर सामाजिक समीकरण का इस्तेमाल कर रहे हैं। कुल मिलाकर, तमिलनाडु की चुनावी बिसात पर इस बार पारंपरिक जातीय प्रतिनिधित्व के मायने बदलते दिख रहे हैं।

स्वामी, प्रकाशक, अनीता शर्मा द्वारा मुद्रक, रजनी कुमारी- मैसर्स साई प्रिंटिंग प्रेस D-85 सेक्टर-6 नोएडा, गौतमबुद्धनगर से मुद्रित एवं जी-271 एचआईजी, प्रताप विहार, सेक्टर-11, गाजियाबाद (उ०प्र०) से प्रकाशित। संपादक -अतुल शर्मा *
ईमेल-rashtriyashikhar@gmail.com (समस्त विवादों का क्षेत्र गाजियाबाद न्यायालय रहेगा) (* इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन तथा कानूनी मामलों हेतु उत्तरदायी)
समाचार संपादक-आरव शर्मा (एडवोकेट) 9310230557, 9625163807
(PRGI No. - UPHIN/25/A0086)